শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 178 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 20 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चोरी का सामान समेत तीन चोर गिरफ्तार — पेज 3
सीरम इंस्टीट्यूट चीन को कोरना वैक्सीन देने को तैयार : पूनावाला — पेज 4
हिंदू और मुसलमानों के बीच खाई पैदा करने वालों को सफलता ... — पेज 5
ग्रामीण विकास और पंचायती राज अलग-अलग विभाग : मनोहर लाल — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सीएम डॉ. हिमंत विश्व शर्मा 828 नए अभ्यर्थियों को प्रदान करेंगे नियुक्ति पत्र

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार अपने एक लाख लोगों की नियुक्ति के वादे को पूरा करने के लिए कदम को और आगे बढ़ाया है। असम सरकार ने विभिन्न विभागों में 39,674 लोगों को सफलतापूर्वक नियुक्ति दी है। वर्तमान में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में गुरुवार को फिर से 828 नए सरकारी उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा आज कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। इस नियुक्ति के बाद सरकार के एक लाख की नियुक्ति के वादे में 40,502 कर्मचारियों की नियुक्ति

हो जाएगी। गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में दिन के 12 बजे से नियुक्ति पत्र वितरण की प्रक्रिया शुरू होगी। असम सरकार के विभिन्न विभागों में होने वाली नियुक्तियों में से कुल 575 उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग में नियुक्ति पत्र दिये जाएंगे। इसमें चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी-1 के तहत 541 लोगों को और खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में 34 लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग में -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने नीलमणि फूकन के निधन पर जताया शोक

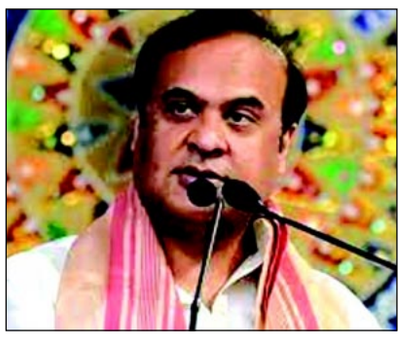

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने प्रसिद्ध असमिया कवि और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता नीलमणि फूकन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध कवि नीलमणि फूकन के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। उनके निधन से हमने एक प्रतिष्ठित कवि खो दिया है, जिन्होंने राज्य के साहित्यिक परिदृश्य के उत्थान में अमूल्य योगदान दिया। ज्ञानपीठ और पद्मश्री पुरस्कारों से सम्मानित, उन्होंने असम की समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक

विरासत को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस परीक्षण के समय में -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव की तारीखों के एलान का सभी दलों ने किया स्वागत

शिलांग। आगामी मेघालय विधानसभा चुनाव के तहत 27 फरवरी को पूर्वोत्तर के इस राज्य में मतदान होगा जबकि मतगणना दो मार्च को होगी। मेघालय विधानसभा चुनाव की चुनाव आयोग की घोषणा का भाजपा को छोड़कर राज्य के अधिकांश राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी यूडीपी और विपक्षी टीएमसी और कांग्रेस ने चुनाव आयोग की घोषणा का स्वागत किया और कहा कि वे चुनावी लड़ाई के लिए तैयार हैं। हालांकि, मेघालय भाजपा तारीख की घोषणा और चुनाव के आयोजन के बीच लंबे समय के अंतराल पर कहा कि यह प्रमुख दलों को मतदाताओं को प्रभावित करने का पर्याप्त अवसर देगा। तारीख की घोषणा और चुनाव के बीच लंबे अंतराल को लेकर कहा कि यह प्रमुख दलों को मतदाताओं को प्रभावित करने का पर्याप्त अवसर देगा। चुनाव आयोग ने 27 फरवरी को मतदान और दो मार्च को मतगणना की तारीख घोषित की है। चुनाव की अधिसूचना 31 जनवरी को जारी की जाएगी। राज्य भाजपा अध्यक्ष अर्नेस्ट मावरी ने कहा कि हम परेशान हैं कि चुनाव करीब डेढ़ महीने बाद होगा। यह सत्तारूढ़ गठबंधन दलों को मतदाताओं को प्रभावित करने का पर्याप्त अवसर देगा। मावरी ने दावा किया कि भाजपा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है और अब तक 40 से अधिक सीटों के उम्मीदवारों ने टिकट के लिए पार्टी से संपर्क किया है। बीजेपी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दण्डनीति से आत्मरक्षा की जा सकती है।
- आचार्य चाणक्य

बंगाल में गरजे नड्डा
कहा, घोटालेबाजों को छोड़ेंगे नहीं

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को नदिया जिले के बेथुआडहरी में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दीदी ने पश्चिम बंगाल को जंगलराज में तब्दील कर दिया है और भारतीय जनता पार्टी यहां सरकार बनाकर जंगलराज को जरूर खत्म करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लाल किला से संबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने कहा है कि हम भ्रष्टाचारियों को छोड़ेंगे नहीं, जेल में डालेंगे। वही बंगाल में होगा। यहां जंगलराज खत्म होगा और कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल रही है। पहले भारत दुनिया में मांगने वाले देशों की सूची में था और आज देने वाले देशों की सूची में अग्रणी है। यह काम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नीतियों के बदलाव की वजह से संभव हुआ है। सभा में आए लोगों के मुंह पर मास्क नहीं होने का जिक्र करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि अमेरिका और चीन कोरोना से लड़ रहे हैं, लेकिन यह बदलता भारत है जहां इतनी बड़ी महामारी को इतनी बड़ी आबादी के बावजूद हमने न केवल मात दी, बल्कि दुनिया को वैक्सीन उपलब्ध करवाई। उन्होंने कहा कि प्लस पोलियो के इलाज में भारत को 30 साल लग गए, लेकिन कोरोना संकट के समय नौ महीने के भीतर भारत ने 200 करोड़ लोगों के लिए वैक्सीन बनाई और आज हम दुनिया भर के 100 देशों को वैक्सीन उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें से 50 देशों को मुफ्त में वैक्सीन दिया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नित यूपीए शासन का जिक्र करते हुए कहा कि उनके शासन में देशभर में भ्रष्टाचार था। हम दुनिया भर में दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था थे। लेकिन आज भारत तमाम प्रतिकूलताओं के बावजूद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन कर -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार का ध्यान है विकास पर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को मुंबई में करीब 38,800 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। ये परियोजनाएं आम मुंबई वासियों के जीवन को सीधे लाभ पहुंचाने वाली हैं। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री ने गुरुवार को कर्नाटक का दौरा किया। पीएम मोदी ने इस दौरान करोड़ों रुपए की परियोजनाओं की सौगात दी। मोदी ने कर्नाटक में 10,800 करोड़ रुपए की परियोजना का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी अब महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि, भारत को लेकर दुनिया में इतनी सकारात्मकता इसलिए है क्योंकि आज सभी को लगता है कि भारत अपने सामर्थ्य का बहुत ही उत्तम तरीके से सदुपयोग कर रहा है। आज भारत

अभूतपूर्व आत्मविश्वास से भरा हुआ है। जनसभा के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि, आजादी के बाद पहली बार आज भारत बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस कर रहा है। वरना हमारे यहां तो पिछली सदी का एक लंबा कालखंड सिर्फ गरीबी की चर्चा करना, दुनिया से मदद मांगना, जैसे-तैसे गुजारा करने में ही बीत गया। मुंबई दौरे के दौरान पीएम ने मुंबई में विकास कार्यों पर जोर देते हुए कहा कि, मुंबई के लिए बेहद जरूरी मेट्रो हो, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के आधुनिकीकरण का काम हो, सड़कों में सुधार का बहुत बड़ा प्रोजेक्ट हो या फिर बाला साहेब ठाकरे जी के नाम से आपला दवाखाने की शुरुआत हो, ये सभी मुबंई शहर को बेहतर बनाने में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई मेट्रो की दो लाइनों का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने मुंबई में लगभग 38,800 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। ये सारी परियोजनाएं आम मुंबई वासियों के जीवन को सीधे लाभ पहुंचाने वाली हैं। मोदी ने कहा कि ये हमारी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मशहूर संगीतकार निर्मल मुखर्जी का निधन, शोक

मुंबई। बॉलीवुड से एक बुरी खबर सामने आ रही है। सिनेमा जगत के मशहूर संगीतकार निर्मल मुखर्जी का निधन हो गया है। जानकारी के मुताबिक निर्मल को दिल का दौरा पड़ने के बाद बीते मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। दिग्गज संगीतकार ने 72 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। निर्मल मुखर्जी के परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और दो बेटियां हैं। उनके परिवार के साथ-साथ पूरी फिल्म इंडस्ट्री उनके निधन की खबर से गमगीन हो गई है। बता दें, निर्मल मुखर्जी ने महज 10 साल की उम्र से संगीत की दुनिया में अपना योगदान दे रहे थे। 10 साल की उम्र में उन्होंने संगीतकार राजेश रोशन -शेष पृष्ठ दो पर

ललित मोदी के खिलाफ सुनवाई करेगा एससी

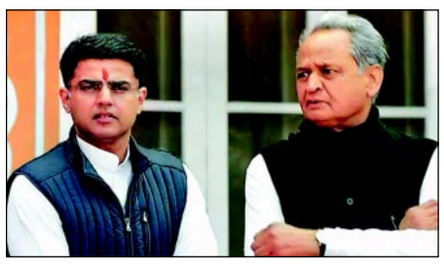

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए राजी हो गया, जिसमें आरोप लगाया गया कि आईपीएल के पूर्व आयुक्त ललित मोदी ने पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी के खिलाफ अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कुछ *अपमानजनक* टिप्पणी की थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जे.बी. पारदीवाला की पीठ को वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि मोदी ने बिना किसी आधार -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम गहलोत ने इशारों में पायलट की तुलना कोरोना से की

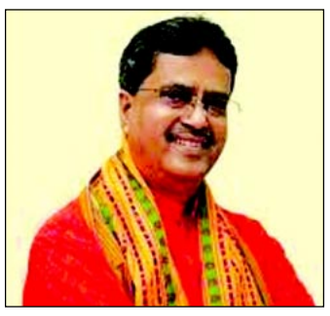

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कोल्ड वॉर एक बार फिर से शुरू होती दिख रही है। कर्मचारी संगठनों के साथ सीएम गहलोत की बजट पूर्व हुई बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पायलट का नाम लिए बिना गहलोत ने सियासी संकट और पायलट की तुलना कोरोना से कर दी। बुधवार को बातचीत के दौरान संविदा कर्मचारियों के नेता शमशेर भालू खान ने सीएम के नहीं मिलने की बात कही तो गहलोत ने बात काटते हुए कहा कि आप ठीक कह रहे हो, मैं मिलने लगा हूं, पिछले सोमवार को मिला था। क्या हुआ कि पहले कोरोना आ गया। फिर एक बड़ा कोरोना और आ गया हमारी पार्टी के अंदर। कभी उपचुनाव, कभी राज्यसभा चुनाव। राज्यसभा चुनाव में भी वोट कहीं पड़ रहा है हम कहीं हैं। बहुत खराब टाइम था। जो टाइम बीता है न, वह अलग तरह से -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा चुनाव में 50 से ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपा : माणिक साहा

अगरतला: त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने गुरुवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का मुख्य चुनावी मुद्दा *विकास* होगा। साहा ने दावा किया कि त्रिपुरा चुनाव में बीजेपी 50 से ज्यादा सीटें जीतेगी। दरअसल त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव का एलान हो गया है। यहां 16 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। वहीं नतीजे दो मार्च को आएंगे। साहा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र टाउन बारडोवली में घर-घर प्रचार के बीच कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, लोगों के चेहरे पर मुस्कान देखता हूं क्योंकि उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम पर बनी डॉक्यूमेंट्री को सरकार ने बताया दुष्प्रचार का हिस्सा

नई दिल्ली। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीबीसी द्वारा रिलीज डॉक्यूमेंट्री को लेकर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि हमें लगता है कि यह एक प्रोपोगेंडा का हिस्सा है। इसकी कोई वस्तुनिष्ठता नहीं है। उन्होंने इसे पक्षपातपूर्ण बताते हुए कहा कि *ध्यान दें कि इसे भारत में प्रदर्शित नहीं किया गया है।* पीएम नरेंद्र मोदी पर बीबीसी द्वारा रिलीज की गई डॉक्यूमेंट्री पर विदेश मंत्रालय ने कहा है कि हमें लगता है कि यह एक प्रचार सामग्री है, जिसे एक विशेष कहानी को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया है। इसमें पूर्वाग्रह, निष्पक्षता की कमी और औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म या डॉक्यूमेंट्री उस एजेंसी और व्यक्तियों का एक प्रतिबिंब है जो इस कहानी को फिर से फैला रहे हैं।

यह हमें इस कवायद के उद्देश्य और इसके पीछे के एजेंडे के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। डॉक्यूमेंट्री सीरीज में यूके के पूर्व सचिव जैक स्ट्रॉ द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए बागची ने कहा कि ऐसा लगता है कि वह (जैक स्ट्रॉ) यूके की कुछ आंतरिक रिपोर्ट का जिक्र कर रहे हैं। मैं उस तक कैसे पहुंच सकता हूं ? यह 20 साल पुरानी रिपोर्ट है। गौरतलब है कि ब्रिटेन के राष्ट्रीय प्रसारक बीबीसी ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल पर दो-भाग की श्रृंखला प्रसारित की थी। भारतीय मूल के ब्रिटेन के नागरिकों ने इस सीरीज की निंदा की है। यूके नागरिक लॉर्ड रामी रेंजर ने इसे लेकर कहा है कि बीबीसी ने एक अरब से अधिक भारतीयों को बहुत नुकसान पहुंचाया है। आलोचना के बाद इसे कुछ चुनिंदा प्लेटफार्मों से हटा दिया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में स्वामी नारायण मंदिर और एक अन्य हिंदू मंदिर पर हुए हमलों की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली महिला आयोग प्रमुख स्वाति मालीवाल को कार ने 15 मीटर घसीटा

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल को नशे में धुत एक कार ड्राइवर ने 15 मीटर तक घसीटा। यह घटना बुधवार देर रात एम्स हॉस्पिटल के पास की है, जब स्वाति दिल्ली की सड़कों पर रियलिटी चेक करने निकली थीं। मामले में पुलिस ने आरोपी हरीश चंद्र को अरेस्ट कर लिया है। इस घटना को लेकर स्वाति ने कहा कि उनके साथ अंजलि जैसा हादसा होने वाला था। उन्हें बस भगवान ने बचा लिया। स्वाति ने न्यूज एजेंसी को बताया कि जब वे दिल्ली की सड़कों पर महिला सुरक्षा के हालात का जायजा ले रही थी, तो नशे में धुत एक कार ड्राइवर उनके पास आया और अपनी कार में उनसे बैठने की जिद करने लगा। जब स्वाति ने मना कर दिया तो वह कार लेकर आगे -शेष पृष्ठ दो पर

रेसलर विनेश फोगाट की चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जारी देश की महिला पहलवानों के मोर्चे के बाद गुरुवार को मंत्रालय ने पीड़ित खिलाड़ियों को बातचीत के लिए बुलाया और उनसे करीब एक घंटे तक बातचीत की। बातचीत से पहलवान संतुष्ट नहीं हैं। उनकी मांग पहले अध्यक्ष को हटाने की थी, अब वे कुश्ती संघ को भंग कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मांग पूरी होने तक उनका धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। खेल मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद पहलवानों ने पहले अपने साथियों से बात की, उसके बाद मीडिया के सामने अपनी बात रखी। खेल मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद पहलवानों ने पहले अपने साथियों से बात की, उसके बाद मीडिया के सामने अपनी बात रखी। बता दें कि अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कुछ कोच पर ओलिंपिक विजेता खिलाड़ियों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 200 से ज्यादा खिलाड़ी बुधवार यानी 18 जनवरी से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोपों के बाद खेल मंत्रालय भी मामले को लेकर तुरंत एक्टिव हो गया। बुधवार देर रात उसने कुश्ती संघ को नोटिस भेजा और 72 घंटे में जवाब देने को कहा। ऐसा न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दे डाली। खेल मंत्रालय -शेष पृष्ठ दो पर

राधिका मर्चेंट-अनंत अंबानी की हुई सगाई

मुंबई। राधिका और अनंत बचपन से एक दूसरे को जानते हैं। 29 दिसंबर 2022 को राजस्थान के नाथद्वारा में श्रीनाथजी मंदिर में दोनों का रोका हुआ था। उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत और बिजनेसमैन वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका की गुरुवार को सगाई हो गई है। मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया में गोल धना और चुनरी विधि की रस्में निभाई गईं। ये रस्में गुजराती हिंदू परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। इस मौके पर अंबानी परिवार के सदस्यों ने एक सरप्राइज डांस परफॉर्मेंस दी, जिसे नीता अंबानी ने लीड किया। एक दिन पहले बुधवार को ही कपल ने मेहंदी सेरेमनी सेलिब्रेट -शेष पृष्ठ दो पर

लिविंग विल पर कानून ना बनाकर केंद्र ने झाड़ा पल्ला : एससी

नई दिल्ली। *लिविंग विल* के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट पिछले दो दिनों से सुनवाई कर रही है। इसी क्रम में गुरुवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी विधायी जिम्मेदारी का निर्वाह नहीं कर रही है। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर देश के चुने हुए प्रतिनिधियों को बहस करनी चाहिए। बावजूद इसके अदालत में अपेक्षित विशेषज्ञता का अभाव है। यहां जो भी जानकारी है वह मामले में पार्टियों द्वारा प्रदान की गई है। शीर्ष अदालत ने तंज कसते हुए कहा कि जो क्षेत्र विधायिका के लिए अपनी शक्तियों का प्रयोग करने के लिए हैं, वहां शक्ति का प्रयोग न करके और मुद्दों पर सहमत होकर आप वास्तव में दोषारोपण कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि अंततः आप कहेंगे कि हमने कुछ नहीं किया अदालत ने आदेश पारित किया है। पीठ ने कहा कि शक्तियों के पृथक्करण की योजना के तहत, यह एक ऐसा मामला है जिसे आपको उठाना चाहिए था। यह एक ऐसा मामला है जहां चुने हुए प्रतिनिधियों को बहस करनी चाहिए और सावधानीपूर्वक दिशानिर्देशों के साथ सामने आना चाहिए। गौरतलब है कि इस पीठ में जस्टिस अजय रस्तोगी, अनिरुद्ध बोस, हृषिकेश रॉय और जस्टिस सी टी रविकुमार भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट 2018 में जारी लिविंग विल/एडवांस मेडिकल डायरेक्टिव के दिशानिर्देशों में संशोधन की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। इस दौरान केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा की गई थी और विचार-विमर्श भी किया गया था। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून को पारित नहीं करना एक स्पष्ट निर्णय था। निर्णय को स्वीकार कर लिया गया है और हम शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए मूल निर्देशों

से असंतुष्ट नहीं हैं। *लिविंग विल* के संभावित दुरुपयोग की आशंका व्यक्त करते हुए शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि इस बात की संभावना है कि इसका दुरुपयोग हो सकता है और इसके लिए सुरक्षा की आवश्यकता है। हम नैतिकता की कमी के बारे में चिंतित हैं जो लाभ कमाने वाले लोगों को प्रेरित कर सकते हैं। इससे सावधान रहने की जरूरत है। हमने देखा है कि रिश्तेदार इस विचार से बहुत प्रभावित हो सकते हैं कि इस व्यक्ति को अपनी संपत्ति के कारण किसी विशेष उपचार से नहीं गुजरना चाहिए।

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

1.2 करोड़ की हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

रि-भोई (हि.स.)। रि-भोई जिला पुलिस ने तस्करी के आरोपी दो हाई-प्रोफाइल लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से साबुनदानी में छिपाकर लाई गई लगभग 1.2 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि रि-भोई एएनटीएफ ने गुप्त सूचना के आधार पर दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों ने बताया है कि असम के रास्ते मणिपुर से शिलांग तक प्रतिबंधित सामग्री के साथ जा रहे दोनों तस्करों को पुलिस ने बीती रात बर्नीहाट में पकड़ गया। दोनों के पास से 1.2 करोड़ रुपये की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य की हेरोइन बरामद की गई। हेरोइन को 20 साबुनदानी में छुपा कर रखा गया था। इस मामले में पुलिस ने मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिला के नोंग्रिम हिल्स की महिला तस्कर अबीगैल वानपारी वनछवांग और मुंबई के मलाड वेस्ट, चिंचलोई बंदर रोड निवासी रिंटू चानश्याम सैकिया (30) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज किया है।

ट्रक का टायर चुराने के आरोप में दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। जोराबाट पुलिस ने ट्रक के टायर चोरी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया और उनसे पूछताछ कर रही है। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक ने बताया कि आउट पोस्ट क्षेत्र के 13 माइल इलाके से एक ट्रक का टायर चुराते दो लोगों रंगे हाथों गिरफ्तार किया। दोनों की पहचान विक्की छेत्री (29 सोनापुर) और विक्की लिंडो (19 बर्नीहाट) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार यह दोनों पहले भी चोरी के आरोप में जेल जा चुके हैं। दरअसल, राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रकों से बैटरी व टायर आदि चुराने की घटनाएं बढ़ने के बाद पुलिस लगातार अभियान चला रही है। ज्यादातर चोर ड्रग्स सेवन करने के आदी बताए गए हैं ।

ग्राम योजना के अधीन विभिन्न कामकाजों का सांसद क्वीन ओझा ने किया निरीक्षण

रंगिया (निसं)। गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र की सांसद क्वीन ओजा ने मंगलवार को कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली, अतिरिक्त उपायुक्त मुनमी कलिता तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में रानी विकास खण्ड के अंतर्गत दक्षिण भोलागाँव पंचायत में जारी की गई सांसद आदर्श ग्राम्य योजना के अधीन विभिन्न कामकाज के क्षेत्र का परिदर्शन करने के साथ माटाईखार माटीफूटा सत्र में आयोजित एक बैठक में भी भाग लिया। सांसद ने योजनान्तर्गत क्रियान्वित विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं के बारे में जाना। सांसद ने क्षेत्र का दौरा करते हुए प्रत्येक विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं का जायजा लिया। बैठक में रानी विकास अंचल के अंचल विकास अधिकारी, आंचलिक पंचायत अध्यक्ष, दक्षिण भोलागांव पंचायत अध्यक्ष, पंचायत सचिव सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी की दुर्घटना में मौत

नागरबेड़ा। ग्वालपाड़ा जिले के धूपधारा थाना अंतर्गत धूपधारा में एक दुर्घटना में पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी की मौत हो गई। बरपेटा जिले के आलोपती चर पुलिस थाने के अंतर्गत कलाईरदिया गांव के निवासी नूर मोहम्मद आली (60) कल एक यात्री कार से गुवाहाटी जा रहे थे। जब व्यक्ति किसी कारणवश कार से उतरा और दोबारा कार में बैठने की कोशिश की तो अचानक पैर फिसल गया। ऐसे में शख्स के ऊपर से गाड़ी गुजरने पर गंभीर रूप से घायल हो गई। व्यक्ति को गंभीर हालत में धूपधारा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए गौहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद आज कलईड़िया स्थित उनके घर पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक समय प्रतिभाशाली वॉलीबॉल खिलाड़ी नूर मोहम्मद आली की अचानक मौत से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इस बीच, दुर्घटनाग्रस्त हुई यात्री कार संख्या एएस-01 पीसी-2203 को धूपधारा पुलिस थाने पर जब्द कर के रखा है।

Apollo HOSPITALS
अपोलो गायनोकोलोजी
स्क्रीनिंग कैंप
डॉ. जी. विष्णु वंदना, MBBS, DNB (Obstetrics & Gynaecology)
कन्सलटेंट-इनफर्टिलिटी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
29 जनवरी 2023 को गुवाहाटी में परामर्श के लिए
जो मरीज बच्चे न होने की समस्याओं और स्त्री रोग से संबंधित किसी रोग से परेशान हैं, वे अपना-अपना नाम अग्रिम में रजिस्टर करा सकते हैं।
Apollo Medical Centre
Subham Buildwell Complex (near NEEPCO office)
RG Baruah Road, **Guwahati**
Contact : 8720902000, 8876958514, 0361-7135005

विजनस्प्रिंग असम में 1.05 लाख चाय श्रमिकों और कारीगरों की आंखों की जांच कराएगा

नई दिल्ली। असम में विजनस्प्रिंग ने लाइवलीहुड्स इन फोकस की शुरुआत की, जो एक ऐसा अभियान है जो इस साल चाय बागान श्रमिकों, कारीगरों और लघु उद्यमियों के लिए आय अर्जित करने की क्षमता में 13.5 मिलियन डॉलर की वृद्धि करेगा, जो चश्मे के साथ स्पष्ट दृष्टि प्राप्त करेंगे। लाइवलीहुड्स इन फोकस के माध्यम से, विजनस्प्रिंग, कॉर्पोरेट, एनजीओ और सरकारी भागीदारों के साथ मिलकर 1.05 लाख लोगों की आंखों की जांच करेगा, जिन्हें अपनी आय को बनाए रखने के लिए साफ-साफ देखने की आवश्यकता है। उन्हें उम्मीद है कि 2023 में 63,000 लोग चश्मा प्राप्त करेंगे ताकि वे अच्छी तरह से देख सकें और अच्छा प्रदर्शन कर सकें। 2023 की प्रतिबद्धता चाय उत्पादक क्षेत्रों में 10 लाख (1 मिलियन) कम आय वाले लोगों तक पहुंचने और असम को एक स्पष्ट दृष्टि राज्य के रूप में स्थापित करने की एक बड़ी आकांक्षा का हिस्सा है। विजनस्प्रिंग 2050 तक दुनिया भर में अस्पष्ट धुंधली दृष्टि और चश्मे की कमी की समस्या को हल करने के लिए एक सामूहिक आंदोलन के हिस्से के रूप में काम कर रहा है। विजनस्प्रिंग की सीईओ एला गुडविन ने कहा, भारत में 60 करोड़ (600 मिलियन) लोगों को कमाई, सीखने और सुरक्षित रूप से ड्राइव करने के लिए चश्मे की जरूरत है। यह एक हल करने योग्य समस्या है। कम आय वाले श्रमिकों की सेवा करके, जिनके पेशे को स्पष्ट दृष्टि की आवश्यकता होती है, विशेष रूप से निकट दूरी के लिए, हम लोगों को उनकी आजीविका बनाए रखने और उनके परिवारों की देखभाल करने में मदद कर सकते हैं। बड़ी संख्या में चाय श्रमिकों और कारीगरों वाले असम के जिलों पर ध्यान केंद्रित करने से राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के लिए जिम्मेदार क्षेत्रों में उत्पादकता में भी सुधार होगा। विजनस्प्रिंग ने इस आंदोलन की शुरुआत का जश्न एक कार्यक्रम के साथ मनाया, जिसमें जॉयदीप फुकन, प्रधान अधिकारी और सचिव टी रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया, डॉ भानु सैकिया, राज्य कार्यक्रम अधिकारी और असम सरकार के स्वास्थ्य सेवा (नेत्र विज्ञान) संयुक्त निदेशक, हरकीरत सिंह सिद्धू, कंसल्टिंग प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर इंडिया, रेनफॉरेस्ट एलायंस, अतुल सिंह, उपाध्यक्ष सीएसआर, इमामी ग्रुप सहित कई अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। विजनस्प्रिंग के प्रबंध निदेशक अंशु तनेजा ने कहा, हमने आंखों की जांच सेवाओं और चश्मे की भारी आवश्यकता को प्रत्यक्ष रूप से देखा है, और हम जानते हैं कि असम में लाइवलीहुड्स इन फोकस इस अंतर को कम करने में मदद करेगा।

अभिनेत्री राजश्री ने किया ओप्पो ए78 5जी लांच

गुवाहाटी। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी ओप्पो ने असम सहित पूर्वोत्तर के बाजार में ओप्पो ए78 5जी मोबाइल को लांच किया। अभिनेत्री राजश्री दास ने जीएस रोड के सिटी सेंटर मे तीसरे तल्ले स्थित ओप्पो के एक्सक्लूसिव शोरूम में ओप्पो ए78 5जी मोबाइल को लांच किया। इस दौरान कंपनी के जोनल सेल्स मैनेजर अनीशुज जमान, शोरूम और एलएफआर हेड संदीप चौधरी सहित ओप्पो शोरूम की पुरी टीम उपस्थिति थी। लांच के अवसर पर अभिनेत्री राजश्री दास ने कहा कि ओप्पो हमेशा स्मार्ट फोन और आईओटी उत्पादों में सबसे पसंदीदा, अभिनव और स्टाइलिश ब्रांड में से एक रहा है। इसके अलावा बिक्री के बाद सेवा में भी श्रेष्ठ रहा है। ऐसे में ओप्पो का यह नया फोन ग्राहकों को खुब पसंद आएगा। ओप्पो ए78 5जी ग्लोइंग ब्लू और ग्लोइंग ब्लैक रंगो में अल्ट्रा स्लिम ओप्पो ग्लो डिजाइन के साथ आता है। इसमें 33ड्ब्लू सुपर वूक (सबसे तेज और सबसे सुरक्षित चार्जिंग तकनीक) 5000एमएएच बैटरी, 16 जीबीतक प्रभावी रैम के साथ डुअल स्टीरियो स्पीकर व अल्ट्रा वॉल्यूम मोड और 50 एमपी एआई कैमरा से लेस है। यह नया फोन यंगस्टर्स, महिलाओं और ग्राहकों के लिए एकदम सही संयोजन है, जो अपने फोन को नवीनतम विनिर्देशों के साथ अपडेट करने की सोच रहे हैं, वे ओप्पो ए78 5जी खरीद सकते हैं।

CORRIGENDUM
EXTENSION TENDER SUBMISSION DATE

This notification is in continuation of the Notice inviting e-tender vide notice No. DD/RIDF-XXVII/2/2022-23/2840-43/Dated Guwahati the 26th Dec. 2022 and tender ID. No.2022 AHVD 28455 1 on 26/12/2022 for the following work from eligible bidders.

1	Construction of Multi Brand Milk Parlor building (Civil part) at TMSS Jorhat under RIDF XXVII.

The Director Dairy decided to extend the last date for submission and opening of the above tender for further:

- Revised date and time for submission of tender is by 25.01.2023 upto 1.00 PM. The tender will be opened on 25.01.2023 at 3.00PM.
- All other tender conditions remain unchanged.

Director
Dairy Development, Assam
Khanapara, Guwahati - 22.

-- Janasanyog / C/18670/22

पृष्ठ एक का शेष

सीएम डॉ. हिमंत विश्व...

डॉक्टरों (रजिस्ट्रार / डोमेनस्ट्रेटर) के पद पर कुल 236 लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान करेंगे। इसके साथ ही भूमि संरक्षण अधिकारी के पद पर 13 लोगों को मुख्यमंत्री नियुक्ति प्रदान करेंगे। सरकार के जल संसाधन विभाग में तृतीय वर्ग के शाखा सहायक के पद पर कुल 4 लोगों की नियुक्ति होगी।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने नीलमणि...

परिवार के सदस्यों के साथ रहें। उनकी आत्मा को शांति मिले। **वहीं दूसरी ओर** गुरुवार को राजधानी गुवाहाटी में निधन हो गया। कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित कवि फूकन को तबीयत बिगड़ने पर बुधवार की शाम को मालीगांव के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसिद्ध कवि के निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा ने काव्यर्षि ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त महान कवि नीलमणि फूकन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध कवि के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य की रचना के साथ ही असम के सामाजिक जीवन को धन्य करने वाले महात्माओं के सबसे चमकीले सितारों में से एक कवि नीलमणि फूकन थे। प्रख्यात कवि फूकन ने असाधारण कविता के माध्यम से असमिया साहित्य की दुनिया में किए गए अद्वितीय योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित फूकन ने असमिया काव्य-भाषा-साहित्य को समृद्ध किया है और राष्ट्र को रचनात्मकता की अनूठी शब्दावली दी है। उनका निधन असम और असमिया जातीयता के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने प्रख्यात कवि की दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कवि के अंतिम संस्कार के लिए पूरे राजकीय सम्मान के साथ व्यवस्था करने का निर्देश दिया। कवि फूकन का अंतिम संस्कार गुरुवार दोपहर भूतनाथ श्मशान में किया गया। उल्लेखनीय है कि ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कवि ने गुरुवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अंतिम सांसें लीं। कवि की सांस की बीमारी का इलाज चल रहा था। नीलमणि फूकन की तबीयत बुधवार दोपहर से ही खराब हो गई थी। शुरुआत में वे घर पर डॉक्टरों की निगरानी में थे। *गुलाबी जामुर लग्न* के निर्माता नीलमणि फूकन विभिन्न विधाओं में पारंगत थे। उनका निधन असम के साथ-साथ पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

चुनाव की तारीखों ...

एनपीपी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ मेघालय डेमोक्रेटिक एलायंस का हिस्सा है और उसने किसी भी राजनीतिक दल के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हम किसी चुनाव पूर्व गठबंधन के पक्ष में नहीं हैं। हम अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे और आराम से 10-15 सीटें जीत लेंगे। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के महासचिव जेमिनो मावथोह ने चुनाव आयोग की घोषणा का स्वागत किया और कहा कि यह हमें चुनाव के लिए खुद को तैयार करने का पर्याप्त अवसर देता है। उन्होंने कहा कि दिन के दौरान विधानसभा छोड़ने वाले पीएचई मंत्री रेनिकटन तोंगखर सहित सभी पांच विधायक यूडीपी में शामिल हो गए हैं। वर्तमान में मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की अगुवाई में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (

सरकार का ध्यान है विकास...

सरकार है जिसने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। ये हमारी सरकार है जिसने ऑल इंडिया मेडिकल कोटे में ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया। ये हमारी सरकार है जिसने केंद्र सरकार की ग्रुप-सी, ग्रुप-डी भर्तियों में इंटरव्यू की बाध्यता खत्म की। पीएम ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने सुशासन और सद्भाव का वो रास्त चुना है जो सदियों पहले भगवान बस्वेश्वरा ने देश-दुनिया को दिया था। भगवान बस्वेश्वरा ने अनुभव मंडपम जैसे मंच से सामाजिक न्याय और लोकतंत्र का एक मॉडल दुनिया को दिया। समाज के हर भेद-भाव से ऊपर उठकर सबके सशक्तिकरण का मार्ग उन्होंने हमें दिखाया था। मोदी ने कहा कि पहले की सरकार कुछ ही वन उपजों पर एमएसपी देती थी जबकि हमारी सरकार 90 से अधिक वन उपजों परएमएसपी दे रही है। कर्नाटक सरकार के फैसले के बाद अब इसका लाभ भी तांडा में रहने वाले सभी परिवारों को मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक के लाखों बंजारा साथियों के लिए आज बहुत बड़ा दिन है, अभी 50,000 से अधिक परिवारों को पहली बार उनको हक्कू पत्र मिला है। पीएम मोदी के मुंबई दौरे को लेकर शिवसेना ने हमला बोला है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कहा कि मोदी अपनी पार्टी का प्रचार करने के लिए मुंबई आ रहे हैं। मोदी ने कहा कि आपका प्यार और आपका आर्शीवाद हम सबकी बहुत बड़ी ताकत है। यादगिर क्षेत्र एक समृद्ध इतिहास को संजोए हुए है। रट्टीहल्ली का प्राचीन किला, हमारे अतीत और हमारे पूर्वजों के सामर्थ्य का प्रतीक है। पीएम ने कहा कि हर घर जल अभियान डबल इंजन सरकार के डबल बेनिफिट का भी उदाहरण है। डबल इंजन यानि डबल वेलफेयर, डबल तेजी से विकास: आज छोटा किसान देश की कृषि नीति की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हमारी सरकार ने यादगीर सहित देश के 100 से अधिक ऐसे जिलों में आकांक्षी जिला कार्यक्रम शुरु किया। हमने इन जिलों में सुशासन पर बल दिया। विकास के हर पैमाने पर काम शुरु किया। भारत को विकसित होना है तो सीमा सुरक्षा, तटीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा की तरह ही जल सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों को भी समाप्त करना ही होगा। देश अगले 25 वर्षों के नए संकल्पों को सिद्ध करने के लिए आगे बढ़ रहा है। ये 25 साल देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अमृतकाल है, प्रत्येक राज्य के लिए अमृतकाल है।

कहा, घोटालेबाजों को छोड़ेंगे नही...

उभरा है। पहले गाड़ियों के निर्माण में जापान का डंका बजता था, आज भारत गाड़ी बनाने के मामले में दुनिया में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं पश्चिम बंगाल में ममता शासन के दौरान बदहाली का दावा करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि पूरे देश में 3.7 करोड़ पक्के मकान बनाकर लोगों को दिए गए हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में आवास योजना का पैसा ममता दीदी के लोग खा गए। यहां शौचालय का पैसा आया लेकिन शौचालय भी खा गए। 100 दिनों की रोजगार गारंटी योजना जो गरीबों को रोजगार देने के लिए है, उसमें भी तगड़ा भ्रष्टाचार है और केवल अपनी पार्टी के लोगों का नाम लिखकर इस योजना का फंड गबन किया जा रहा है। दीदी ने बंगाल का क्या हाल बना रखा है। गाय खा गए, बालू खा गए, कोयला खा गए। आप लोग जरा सोचिए कि बंगाल को किस स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। मोदी पैसा भेजते हैं और यहां आते ही वह पैसा घोटाला हो जाता है और हिम्मत देखिए, चोरी भी करती हैं और सीनाजोरी ही करती हैं। नड्डा ने आम लोगों को आह्वान करते हुए कहा कि आप कमल का बटन दबाइए बंगाल में भाजपा को लाइए, मोदी जी ने कहा है कि भ्रष्टाचारियों को छोड़ेंगे नहीं उन्हें जेल में डालेंगे और बंगाल में इसकी शुरुआत हो चुकी है। बड़ा से बड़ा भ्रष्टाचारी जेल के अंदर होगा। इससे पहले जेपी नड्डा ने नदिया जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध इस्कॉन मंदिर में पूजा अर्चना की। वह बुधवार रात को ही पश्चिम बंगाल चले आए थे। आज गुरुवार अपराह्न के समय वह दमदम हवाई अड्डे से वापस वाराणसी लौट जाएंगे।

सीएम गहलोत ने इशारों ...

बीता है। इसके बावजूद भी आपके सहयोग, आशीर्वाद, समर्थन और दुआओं से हम शानदार स्कीम लेकर आए हैं, उस कारण से सब बातें ढंक गई हैं। अगर हमारे बजट अच्छे नहीं होते तो आप और हम जिस माहौल में बात कर रहे हैं, वह नहीं कर पाते। गहलोत ने कर्मचारी नेताओं से कहा- चार साल में जो बर्बादी हुई है हमारी खुद की, जिस प्रकार से दिन खराब हुए हैं। मिलना नहीं, जुलना नहीं। कभी कोरोना से टाइम नहीं मिला। फिर मुझे तीन बार कोरोना हो गया। पोस्ट कोविड से फिर हार्ट का स्टेंट लग गया। मैं आप लोगों की शिकायत से सहमति रखता हूं। अब मैं मिलने लगा हूं। सोमवार को मिलता हूं और अगर जरूरी काम से बाहर चला गया तो आपको मिलने का समय बता दूंगा। पिछले तीन दिन से सचिन पायलट भी सभाओं में पेपर लीक को लेकर सरकार पर हमलावर हैं। पायलट ने बुधवार को झुंझुनूं के गुढ़ा में पेपर लीक में अफसर-नेताओं को सीएम की क्लीन चिट पर सवाल उठाए थे।

त्रिपुरा चुनाव में 50 से ...

भाजपा की (राज्य और केंद्र की) डबल इंजन सरकार का लाभ मिला है। जिस तरह की प्रतिक्रिया हमें लोगों से मिल रही है, मुझे यकीन है कि बीजेपी 50 से ज्यादा सीटें जीतेगी। साहा ने दावा किया कि लोग चाहते हैं कि पूर्वोत्तर राज्य की बेहतरी के लिए विकास की गति जारी रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य ने सड़क से लेकर इंटरनेट और रेलवे तक- सभी मोर्चों पर विकास देखा है। हमें विश्वास है कि जनता एक बार फिर से बीजेपी सरकार बनाने में मुख्य भूमिका निभाएगी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी माकपा-कांग्रेस गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लोग निश्चित रूप से उनके अपवित्र गठबंधन को खारिज करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे हैरानी है कि कभी राज्य की राजनीति में धुर विरोधी रहे दल कैसे वोट मांगने के लिए घर-घर जाएंगे। वे अपनी मौकापरस्ती के कारण आगामी चुनाव में शून्य पर सिमट जाएंगे। साहा ने राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब होने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके पास बात करने के लिए वास्तविक मुद्दे नहीं हैं। बीजेपी की सहयोगी आईपीएफटी के टिपरा मोथा के साथ बातचीत शुरू करने के कदम पर साहा ने कहा कि उस दल ने बीजेपी को भी वार्ता के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि हम आईपीएफटी के नेताओं के साथ जल्दी बैठक करेंगे और गठबंधन या सीट बंटवारे पर उनके विचार जानेंगे।

दिल्ली महिला आयोग ...

चला गया, लेकिन 10 मिनट बाद फिर यू-टर्न लेकर आया और बगल में चलने लगा। इसके बाद वह उनके साथ छेड़छाड़ करने लगा, गंदे इशारे करने लगा। जब स्वाति उसे पकड़ने के लिए आगे बढ़ीं तो उसने गाड़ी के शीशे बंद कर दिए। इस दौरान स्वाति का हाथ शीशे में फंसा रह गया, लेकिन आरोपी रुका नहीं। वह करीब 15 मीटर तक स्वाति को घसीटता रहा। स्वाति ने कहा कि मेरी टीम के लोग कुछ दूरी पर मेरा इंतजार कर रहे थे। जब उन्होंने मुझे कार से घिसटते हुए देखा तो एक टीम मेंबर जोर से चिल्लाया। उसकी आवाज सुनकर आरोपी ने मुझे छोड़ा। अगर वो मुझे नहीं छोड़ता तो मेरे साथ वैसी ही घटना होती जैसी अंजलि के साथ हुई थी। स्वाति ने दिल्ली के लॉ इन ऑर्डर पर सवाल उठाते हुए कहा कि भगवान ने मेरी जान बचाई है। अगर दिल्ली में महिला आयोग की अध्यक्ष सुरक्षित नहीं, तो फिर आम जनता का क्या होगा। स्वाति ने कहा कि कल भगवान ने मुझे बचाया। लेकिन अगर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता कैसे सुरक्षित महसूस करेगी? स्वाति ने कहा कि कल भगवान ने मुझे बचाया। लेकिन अगर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता कैसे सुरक्षित महसूस करेगी? साउथ दिल्ली के ष्ठष्टक्र चंदन सिंह ने मामले में कहा कि स्वाति ने हौज खास थाने में घटना की शिकायत की थी।

पीएम पर बनी डॉक्यूमेंट्री ...

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में कुछ मंदिरों को तोड़ा गया है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। इसकी ऑस्ट्रेलियाई नेताओं, समुदाय के नेताओं और वहां के धार्मिक संगठनों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से निंदा की गई है। मेलबर्न में हमारे महावाणिज्य दूतावास ने मामले को स्थानीय पुलिस के समक्ष उठाया है। हमने अपराधियों के खिलाफ शीघ्र जांच और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों का अनुरोध किया है। इस मामले को ऑस्ट्रेलियाई सरकार के साथ भी उठाया गया है और हम इसके लिए तत्पर है। इस दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बागची ने भारत पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की हालिया टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमने कहा है कि हम हमेशा पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी जैसा संबंध चाहते हैं। लेकिन ऐसा अनुकूल माहौल होना चाहिए जिसमें आतंक, दुश्मनी या हिंसा न हो। यह हमारी स्थिति बनी हुई है। पाकिस्तान उच्चायोग के अंदर यौन उत्पीड़न के भारतीय महिला के आरोपों को भी विदेश मंत्रालय ने सख्ती से लिया है। अरिंदम बागची ने इस मामले को लेकर कहा कि मंत्रालय ने इसे गंभीरता से लिया है। हमने पाकिस्तानी अधिकारियों के सामने इस मुद्दे को उठाया है और उनसे जांच करने को कहा है।

रेसलर विनेश फोगाट...

से मीटिंग खत्म होने के बाद पहलवानों ने मीडिया से बातचीत की। विनेश फोगाट: हमारा एक-एक दिन कीमती है। बैठक में हमें संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। हमारे जो आरोप हैं, वो सच्चे हैं। हमें मजबूर न किया जाए सबसे सामने आने के लिए। हम अपने सम्मान के लिए लड़ रहे हैं। हम पूरे देश को यह नहीं बताना चाहते कि देश की बेटियों के साथ क्या हुआ है। जिस दिन सारी लड़कियां मीडिया को बताएंगी कि हमारे साथ क्या हुआ, वो कुश्ती का दुर्भाग्य होगा। विनेश फोगाट हरियाणा की रहने वाली हैं। वे दंगल फेम महावीर सिंह फोगाट की भतीजी हैं और एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। विनेश फोगाट हरियाणा की रहने वाली हैं। वे दंगल फेम महावीर सिंह फोगाट की भतीजी हैं और एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। हम अध्यक्ष का इस्तीफा भी चाहते हैं और अध्यक्ष को जेल भी भिजवाएंगे। हमारे साथ बहुत गलत हुआ है। हम बिना सबूत यहां नहीं बैठे हैं। अध्यक्ष दो मिनट मेरे सामने आंखों में आंखें में डाल कर बोल दें कि गलत नहीं किया है। हमारी लड़ाई लड़कियों को शोषण से बचाना है। अगर हम भी सुरक्षित नहीं हैं तो हिंदुस्तान में एक भी लड़की पैदा नहीं होनी चाहिए। अध्यक्ष ने यूपी की कुश्ती खत्म कर दी है। अगर हमारी मांग नहीं मानी गई तो हम इन लड़कियों के साथ एफआईआर कराएंगे।

राधिका मर्चेंट-अनंत अंबानी...

की। दोनों का रोका पिछले साल 29 दिसंबर को राजस्थान के नाथद्वारा में श्रीनाथजी मंदिर में हुआ था। सगाई कार्यक्रम में मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी पत्नी टीना अंबानी के साथ शामिल हुए। उन्होंने मीडिया को फोटो पोज भी दिया।

मशहूर संगीतकार निर्मल ...

के सहायक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। राजेश रोशन के सानिध्य में करियर की शुरुआत करने के बाद निर्मल मुखर्जी ने पंचमदा, अनु मलिक, कल्याणजी-आनंदजी, जतिन-ललित और विशाल-शेखर जैसे नए-पुराने कई संगीतकारों के साथ काम किया था। निर्मल मुखर्जी को कई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स बजाने आते थे। कांगो, बोंगो, दारबुका, तुम्बा और डी-जेम्बे जैसे सभी यंत्रों को बजाने में निर्मल मुखर्जी कुशल थे। संगीतकार हिंदी के साथ-साथ बंगाली, मालवणी और मराठी भाषा बोलना भी बखूबी जानते थे। निर्मल हिंदी फिल्मों के साथ ही कई मराठी फिल्मों का म्यूजिक भी तैयार किया था।

ललित मोदी के खिलाफ ...

के रोहतगी के खिलाफ *अपमानजनक आरोप* लगाए हैं। पीठ ने कहा कि हमें दस्तावेज उपलब्ध कराइए। हम (अंतरिम आवेदन) को अगले शुक्रवार को उपयुक्त पीठ के समक्ष रखेंगे। आईपीएल के पूर्व आयुक्त ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में रोहतगी के बारे में कुछ टिप्पणियां की थीं। बताया जाता है कि बाद में एक और पोस्ट में, उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता से माफी मांगी। इससे पहले शीर्ष अदालत ने पिछले साल एक अगस्त को शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश आरवी रवींद्रन को आईपीएल के पूर्व प्रमुख और उनकी मां बीना मोदी से जुड़े पारिवारिक संपत्ति विवाद को निपटाने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता रोहतगी संपत्ति विवाद में बीना मोदी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों में से एक हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(विरह)

विरही उर अनुराग से, नयन प्रेम जल धार।
सुसुकि सुसुकि थकि थकि पड़ै, अन्तर प्रेम अपार ॥ 17 ॥

शब्दार्थ : (नयन) आंख (सुसुकि) धीमे-धीमे रोना, (थकि) हारना, (अपार) जिसकी सीमा नहीं।

भाष्य : विरही के हृदय-अनुराग के कारण आंखों से प्रेम की जलधारा बहने लगती है और वह रो-रो कर थक जाता है। उसके हृदय में अपने परमप्रभु के लिए अपार प्रेम है।

निशिदिन निन्द न आवई, चिहुकि चिहुकि भये ठाढ़।
क्षण क्षण पन्थ निहारते, प्रेम के बूड़त बाढ़ ॥ 18 ॥

शब्दार्थ : (चिहुँकि) चिहाकर, विस्मित होकर।

भाष्य : विरही को रात-दिन नींद नहीं आती, वह विस्मित हो कर चिहा करके खड़ा हो जाता है और प्रेम के बाढ़ में डूबकर सदैव अपने प्रभु के आने का पथ देखता रहता है।

चोरी का सामान समेत तीन चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की पेट्रोलिंग टीम ने चोरी के मामले में तीन चोरों को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बारह माइल इलाके में पेट्रोलिंग कर रही पुलिस की टीम ने एक ऑटो रिक्शा (एएस-25सीसी-9069) में सवार तीन संदिग्धों को देखा। जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आटो की तलाशी ली। ऑटो रिक्शा के भीतर भारी मात्रा में लोहे का सामान बरामद किया गया। जिसके बाद ऑटो चालक समेत ऑटो में सवार अन्य दो लोगों से पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला बरामद सामान चोरी का है। जिसके बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चोरों की पहचान गुवाहाटी के वशिष्ट के आनंद मोमिन, कामरूप (ग्रामीण) जिला के छयगांव टेकेनाबारी के दीपेन डेका और मोरीगांव जिला के लाहरीघाट जिटू पातर के रूप में की गई है। पुलिस ने चोरी के लिए व्यवहार किए जाने वाले ऑटो रिक्शा को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से पुलिस ने लोहे का छह बाकेट, एक पानी का मोटर बरामद किया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि बारह माइल इलाके में स्थित एक सीमेंट उद्योग से बरामद सभी सामान को तीनों चोरों ने चुराया था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

एसएसबी की डॉग स्क्वाड टीम के जरिए वाहन चेकिंग अभियान

कोकराझाड़ (हि.स.)। डॉग स्क्वाड विस्फोटक डिटेक्शन टीम और नारकोटिक्स डिटेक्शन डॉग (ईडीडीटी) के फ्रंटियर हेडक्वार्टर एसएसबी, गुवाहाटी का दक्षता मूल्यांकन परीक्षण 31वीं वाहिनी एसएसबी गोसाइगांव में गत 12 से 21 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर में डॉ. ई. चाओबा सिंह कमांडेंट (पशु चिकित्सक अधिकारी) के मार्गदर्शन में गोसाईगांव रेलवे स्टेशन और श्रीरामपुर चेक गेट पर गुरुवार 16 डाग (8 विस्फोटकों का पता लगाने वाले और 8 नारकोटिक्स का पता लगाने वाले) उनके संचालकों के साथ एक दिवसीय आउटडोर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. सिंह, 31वीं वाहिनी एसएसबी गोसाईगांव के कमांडेंट चिरंजीब भट्टाचार्यजी , एएसआई /जी डी राजविंदर सिंह आदि के द्वारा संदिग्ध स्थानों पर डॉग स्क्वाड टीम के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया।

दुर्घटना में घायल सगे भाई-बहन की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप ग्रामीण जिले के केंदुकोना इलाके में एक सड़क दुर्घटना में सगे भाई-बहन की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने राजमार्ग-27 पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारी पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दो दिन पहले घर से चिप्स खरीदने के लिए सगे भाई-बहन सहित चार लोगों को एक तेज रफ्तार कार की टक्कर के बाद घायल हो गए थे। दुर्घटना में घायल भाई-बहन की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के विरोध में गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 27 अवरोध कर सैकड़ों स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने शराब के नशे में धुत होकर कार चलाने का आरोप एक डॉक्टर पर लगाया है। स्थानीय लोग सड़क दुर्घटना में मारे गए भाई-बहन के परिवार के लोगों को उचित मुआवजा देने और कार चालक को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे है। निकली थी जिस दौरान कार के चपेट में आ गई।

प्रतिबंधित संगठन उल्फा के नाम पर धन उगाही की कोशिश करने वाला गिरफ्तार

जोरहाट (हि.स.)। प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (उल्फा) स्वाधीन (स्व) के नाम पर धन उगाही करने के आरोप में जोरहाट जिलांतर्गत टियक के काकजान निवासी एक युवक सिराजुल हुसैन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार सिराजुल ने काकजान के रहने वाले दो व्यक्तियों को उल्फा (स्व) के नाम पर एक पत्र लिखकर एक से एक लाख और दूसरे से 70 हजार रुपये की मांग की थी। पैसा नहीं मिलने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही बुधवार रात टियक पुलिस थानांतर्गत लाइदेगड़ पुलिस चौकी के सब इंस्पेक्टर अजय रेगन और टियक थाना के प्रभारी अधिकारी अजित तेरंग के नेतृत्व में पुलिस ने छापा मारकर सिराजुल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया है कि आरोपी को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार पूछताछ में सिराजुल ने बताया है कि उसके और उसके परिवार के विरुद्ध राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में नाम शामिल कराने के दौरान विदेशी न्यायाधिकरण में केस चल रहा है। इस मामले में अदालत में उसकी पैरवी करने वाले वकील की फीस देने के लिए उसने उल्फा (स्व) के नाम पर धन उगाही का रास्ता अपनाया था। सूत्रों ने बताया है कि उल्फा (स्व) के नाम पर धन उगाही का पत्र जोरहाट विकास सुपर मार्केट की एक दुकान में तैयार किये जाने की बात सिराजुल ने स्वीकार की है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

पूसीरे की रेलवे सुरक्षा बल ने विशेष जागरूकता अभियान चलाया

मालीगांव (विभास)। पूसी रेल की रेलवे सुरक्षा बल (रे.सु.ब.) ने ट्रेनों पर पथराव, नशीले पदार्थों, मानव तस्करी, महिला यात्रियों के खिलाफ अपराध आदि खतरों के खिलाफ अपना जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। यह इसके ऑपरेशन जनजागरण का हिस्सा है, जो रेलवे पटरियों और स्टेशनों, गांवों, स्कूलों आदि के आस-पास के इलाकों में चलाया जाता है। इसका उद्देश्य उनलोगों को ट्रेनों पर इस तरह के खतरों के परिणाम और यात्री सुरक्षा पर इसके नतीजों के बारे में परामर्श देना है। स्थानीय लोगों को इस तरह के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए पोस्टर, पर्चे और अन्य प्रचार सामग्री वितरित किए जा रहे हैं। ट्रेनों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए उन खंडों/क्षेत्रों पर रेलवे सुरक्षा बल की तैनाती की गई है, जहां ऐसी घटनाएं होती हैं। रे.सु.ब. संवेदनशील स्थानों पर औचक निरीक्षण कर रहा है और ऐसे खतरों को रोकने के लिए अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2022 के दौरान पूसी रेल में पथराव की कुल 56 घटनाएं दर्ज की गईं।

इस वर्ष 17 जनवरी तक तीन घटनाओं की सूचना मिली थी और इस संबंध में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था। ट्रेनों पर पथराव या इसी तरह की वस्तुओं को फेंकना रेलवे अधिनियम की निर्धारित धारा 152, 153 और 154 के तहत एक आपराधिक अपराध है। अपराधी को दस साल तक की अवधि के लिए कारावास से दंडित किया जा सकता है। पूसी रेल आम जनता और यात्रियों से अपील करती है कि यदि वे अनधिकार प्रवेश और पथराव आदि जैसी घटनाओं का सामना करते है, तो टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर (139) पर सूचित करें। रेलवे संपत्ति सार्वजनिक संपत्ति है और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना हर किसी की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय रैंकिंग पुरस्कार राशि टेनिस टूर्नामेंट 23 से खानापाड़ा में

गुवाहाटी (निसं)। पूर्वोत्तर भारत में पहली बार पुरुष राष्ट्रीय रैंकिंग पुरस्कार राशि टेनिस टूर्नामेंट 23-27 जनवरी को आयोजित किया है। खानापाड़ा लांग टेनिस अकादमी (केएलटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता की अखिल भारतीय टेनिस संघ मेजबानी करेगा। इसमें भारत के लगभग 17 राज्यों के खिलाड़ी भाग लेंगे। खानापाड़ा लोंग टेनिस अकादमी के निदेशक डॉ. एनके दास ने मीडिया को भेजी गई खेल विज्ञप्ति में कहा कि मूल टूर्नामेंट 23 जनवरी से 27 जनवरी तक आयोजित किया है, लेकिन इससे पहले क्वालीफाइंग प्रतियोगिता 20-22 जनवरी को आयोजित की जाएगी।

क्वालीफाइंग प्रतियोगिता से कुल 32 बाचा खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें मुख्य प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। इस बीच, राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के दिन और रात के आधार पर खेलने के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार कर ली गई हैं। विजेताओं को खेल से संबंधित आकर्षक पुरस्कारों के साथ एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। इसके अलावा खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट की मदद से राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार के सभी लाभ मिलेंगे। खानापाड़ा लांग टेनिस अकादमी के निदेशक ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता का उद्घाटन 23 जनवरी को सुबह आठ बजे किया जाएगा। सुबह 8 बजे उद्घाटन समारोह में सभी खेल प्रेमी लोगों के साथ-साथ सभी पत्रकारों की उपस्थिति की उम्मीद है।

कामरूप जिले में राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले के समाज कल्याण विभाग ने 24 जनवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन बुधवार को किया गया। अमिनगाँव स्थित कामरूप जिले के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सभागार कामरूप जिले के समाज कल्याण विभाग के सौजन्य से तथा जिला महिला सबलीकरण केंद्र और व बरौलिया वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ कामरूप जिले के विकास आयुक्त नरसिंग बे द्वारा किया गया। समारोह के संयोजन में बालिकाओं की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की शपथ पाठ कराया गया। समारोह में %बेटी बचाओ बेटी पढाओ% पर एक हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे ने बालिकाओं की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में बताया। उन्होंने बालिकाओं की सुरक्षा, सुरक्षा सुनिश्चित करने और शिक्षा के प्रति जमीनी स्तर पर उचित जागरूकता पैदा करने के लिए सभी को मिलकर काम करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में जिला महिला अधिकारिता केंद्र की जिला समन्वयक गुलस्मी रेखा बोरा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की व्याख्या की। इस अवसर पर कामरूप जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एस. सांसंग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रणामी गोस्वामी, सहायक आयुक्त एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रभारी निशामनी कलिता, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, सखी वनस्टॉप सेंटर के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के और अन्य अधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किये। उल्लेखनीय है कि सप्ताह भर चलने वाले समारोह के हिस्से के रूप में, विभिन्न सरकारी कार्यालयों, पंचायतों, एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालयों, अस्पतालों आदि में %बेटी बचाओ बेटी पढाओ% शीर्षक वाले स्टिकर लगाना, विद्यालयों में कन्या शिशुओं के खेल के प्रति उत्साह वृद्धि पर जागरूकता, स्लोगन लिखना, शिक्षा, खेल इत्यादि विभिन्न विषयों पर पारदर्शिता का प्रदर्शन करने वाली स्थानीय कन्या शिशुओं का अभिनंदन करने के साथ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा है।

नगरबेड़ा ऐतिहासिक सत्र में चोरी की वारदात

नागरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के नगरबेड़ा थाना अंतर्गत ऐतिहासिक मालचा सत्र में चोरी ने हड़कंप मचा दिया है। बताया जा रहा है कि रात में चोरों ने मणिकूट का ताला तोड़कर 20-25 हजार रुपये की नकदी के साथ सात सोने के फूल, पांच चांदी के फूल, दो जोड़ी बड़े ताल, 10 गामछा और एक भोग शराई लूट ली। सत्र प्रबंध समिति के अनुसार चोरों ने करीब 1,20,000 रुपये का सामान चोरी किया। आज सुबह सत्र के बंतीधारी दीप जलाने गए और सत्र का ताला टूटता देख जनता को सूचना दी। नगरबेड़ा थाने में घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी मिरेल अहमद मौके पर पहुंचे और पूरी चोरी का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के लोगों ने धार्मिक समारोहों में चोरों की इस तरह की जघन्य चोरी की कड़ी निंदा की और दोषी की तत्काल गिरफ्तारी और अनुकरणीय सजा की मांग की। स्थानीय लोगों ने पहले कहा था कि ऐतिहासिक मालचा सत्र में दो चोरी हुई हैं।

कामरूप जिले के स्कूलों में गुणोत्सव-2023 शुरू

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले के विभिन्न विद्यालयों में गुणोत्सव-2023 का स्व-मूल्यांकन बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद गुणोत्सव-2023 की बाह्य मूल्यांकन प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई है। बाहरी मूल्यांकन की प्रक्रिया गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार से जिले के विभिन्न विद्यालयों में होगी। कामरूप जिले में कुल 2,129 सरकारी, प्रादेशीकृत, आदर्श तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का गुणोत्सव-2023 के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा। गुणोत्सव-2023 में जिले के कुल 1,89,911 विद्यार्थियों की शैक्षणिक व सह शैक्षणिक उत्कष्टता के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी व अधोसंरचना का आकलन किया जाएगा। आज जिले के कुल 718 विद्यालयों का बाह्य मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा मूल्यांकन किया गया है। आज के मूल्यांकन में कुल 56,196 छात्रों को शामिल किया गया है। शुक्रवार को 81,383 छात्रों को कवर करते हुए कुल 724 स्कूलों का बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा तथा 21 जनवरी, शनिवार को बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा 52,332 छात्रों को कवर करने वाले कुल 687 स्कूलों का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए जिले में कुल 854 बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं को दायित्व भार सौंपा जा चुका है। इस आकलन को 4 भागों में बांटा गया है। ये शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक, सामाजिक भागीदारी और स्कूल के बुनियादी ढांचे हैं। बाहरी मूल्यांकन के पहले दिन आज कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली सहित सरकार के मत्स्य विभाग के सचिव काव्यश्री महंतो, अतिरिक्त पी.सी.सी.एफ. पी.जे. विजयकर आई.जी.पी. सुरेंद्र कुमार ने जिले के विभिन्न विद्यालयों में बाह्य मूल्यांकनकर्ता के रूप में भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के प्रोफेसरों ने भी विभिन्न स्कूलों में बाह्य मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में भाग लिया। इस बीच, कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने आज बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में असम-मेघालय सीमा पर स्थित गरभंगा मिडिल इंग्लिश स्कूल का दौरा किया और स्कूल के समग्र शैक्षिक वातावरण का मूल्यांकन किया और छात्रों की शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक उत्कष्टता का जायजा लिया। इस मौके पर उपायुक्त ने स्कूल के छात्रों के साथ बैठकर दोपहर का भोजन भी किया। उपायुक्त स्कूल में एक बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में मौजूद रहने के समय उनके साथ जिले के स्कूल निरीक्षक अपूर्ब ठाकुरिया ने उन्हें सहयोगिता प्रदान की।

नेपाल के शख्स को असम के जेल में मिली उसकी मां, 2018 से थी लापता

गुवाहाटी। नेपाल के एक व्यक्ति को नवंबर 2018 से लापता उसकी मां असम के कछार जिले की एक जेल मिली। वह अवैध रूप से देश में प्रवेश करने के आरोप में बंद थी। फिरोज लहरी (26) नाम का यह शख्स नेपाल के सरलाही जिले के लक्ष्मीपुर इलाके का रहने वाला है, जो बिहार से सटा हुआ है। यह जानकारी मिलने के बाद कि उसकी मां जन्नत खातून को सिल्चर सेंट्रल जेल के ट्रांजिट कैंप में कैद कर दिया गया है, लहरी इस हफ्ते अपनी भाभी अनवर लेहरी और एक रिश्तेदार सोहाना खातून के साथ यहां पहुंचे. वे 9 जनवरी को सीचर पहुंचे और मंगलवार को जेल जाकर अपनी मां से मिले। जन्नत खातून को नवंबर 2018 में कछार जिले के कटिगोरा इलाके में गिरफ्तार किया गया था। कानूनी कार्यवाही के बाद उसे सिलचर सेंट्रल जेल भेज दिया गया था. अदालत ने उसके लिए दो साल की सजा की घोषणा की, जो 27 दिसंबर, 2020 को समाप्त हो गई. उसके बाद से उसे सेंट्रल जेल ट्रांजिट कैंप में रखा गया है। उसकी सजा पूरी होने के बाद सेंट्रल जेल के अधीक्षक ने इस संबंध में अधिकारियों को पत्र भेजा था. लेकिन मामला दबा दिया गया

और जन्नत खातून को उसके देश वापस भेजने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया. फिरोज के मुताबिक उनके पिता जॉनिफ लहरी की कई साल पहले मौत हो गई थी और तभी से उनकी मां परिवार की देखभाल कर रही थीं। उन्होंने बताया, 2018 में मेरी मां को सिर में चोट लगी थी। उसके बाद वह मानसिक रूप से असंतुलित हो गईं. एक दिन वह घर से लापता हो गईं. हमने हर जगह खोजा, लेकिन पता नहीं लगा। हमने हरिपुर पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई. लेकिन हम उसका कोई पता नहीं लगा पाए। तलाश जारी रखने के बावजूद फिरोज ने अपनी मां को वापस पाने की उम्मीद खो दी। लेकिन अचानक कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग क्षेत्र में बाल सुरक्षा अभियान नामक एक संगठन के माध्यम से उन्हें खबर मिली कि उनकी मां को सिलचर में कैद कर लिया गया है। उसके बाद उन्होंने नेपाली सरकारी अधिकारियों के साथ संवाद किया और दूतावास के माध्यम से केंद्र से संपर्क किया. आखिर में उन्हें पता चला कि जन्नत खातून को वापस देश भेजने की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है। इसलिए वे सिलचर पहुंचे। फिरोज ने कहा, हमें उम्मीद है कि एक या दो दिन में सभी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और उसकी मां उसके साथ वापस चलेगी। उसने कहा कि वह अपनी मां से जेल के बाहर से बात किया, वह पूरी तरह से सामान्य लग रहीं थीं। उन्होंने कहा कि मेरी मां यह सुनकर बहुत खुश हैं कि वह घर वापस जा सकती हैं.

अभिभावकों से मिलने असम दौरे पर एलके सिंघानिया के शिक्षक

गुवाहाटी। राजस्थान के गोटन (जिला-नागौर) स्थित एल के सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल इन दिनों असम के दौरे पर है। ये विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों के अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें उनके बच्चों की पाई से लेकर उनके मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास से अवगत करा रहे हैं। साथ ही कोरोना महामारी को देखते हुए विद्यालय द्वारा बच्चों की सुरक्षा हेतु उठाए जा रहे विभिन्न सुरक्षात्मक कदमों से भी अभिभावकों को अवगत कराया जा रहा हैं, ताकि वे अपने बच्चे के स्वास्थ्य की सुरक्षा को लेकर चिंतित ना रहें। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल के विज्ञान विभाग के शिक्षक देवेंद्र सिंह व अंग्रेजी विभाग के शिक्षक एस के टेलर पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर हैं। वर्तमान में वे नॉर्थ लखीमपुर, इंफाल, जोरहाट और गुवाहाटी में अभिभावकों से मिले तथा विद्यालय में पढ़ रहे उनके बच्चों के विकास का लेखा-जोखा बताया। इसके पश्चात वे आने वाले शुक्रवार को सिलचर तथा 23 जनवरी को बंगाईगांव में बच्चों के अभिभावकों से मुलाकात करेंगे। मालूम हो कि पूर्वोत्तर राज्यों के बड़ी संख्या में बच्चे बोर्डिंग स्कूल - एल के सिंघानिया शिक्षण संस्थान, गोटन में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। टेलर ने बताया कि संस्थान के अध्यक्ष जेके सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राघवपत सिंघानिया, उपाध्यक्ष ए के सराओगी, सचिव एस के सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन तथा प्राचार्य आरएस जोशी के प्रभावी नेतृत्व में विद्यालय के सभी बच्चे शिक्षा सहित जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेष रुप से कोरोना काल को देखते हुए संस्थान में अध्यनरत बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान का लक्ष्य केवल बच्चों को शिक्षा देना ही नहीं है, बल्कि उन्हें एक सफल एवं समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इसके लिए शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कार और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का भी पाठ पाया जा रहा है। संस्थान के बच्चे पढ़ाई से लेकर खेलकूद , सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में ब-चकर हिस्सा लेते हैं, जिसके जरिए उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं को उजागर कराया जा रहा है। मालूम हो कि ये विद्यालय विश्वविख्यात संस्था आई पी एस सी एवं राउंड स्क्वायर का भी सदस्य है।

सीरम इंस्टीट्यूट चीन को कोरोना वैक्सीन देने को तैयार : पूनावाला

- दुनिया के कई देशों के लिए उम्मीद बनकर उभरी सीरम इंस्टीट्यूट

पुणे, (हि.स.)। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा कि वे कोरोना वैक्सीन कोवोवेक्स और कोविशिल्ड चीन को देने को तैयार है, क्योंकि दुनिया अभी भी कोविड से उबर नहीं पा रही है। कोरोना वैक्सीन आने पर हमें लगा कि हम इस बुरे दौर से उबर जाएंगे, लेकिन चीन अभी भी कोरोना का कारण बना हुआ है। उन्होंने कहा मेरा विचार है कि चीन जल्द से जल्द इस मुसीबत से पार पा जाए, क्योंकि चीन की मौजूदा स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है और हम कोरोना के खिलाफ जंग में उनकी सफलता की कामना करते हैं। दुनिया के हर देश को, हर किसी को इस स्थिति से उबरना जरूरी है। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत के दौरान कहा कि अब हमें घबराने की जरूरत नहीं है। हम अच्छी स्थिति में हैं, क्योंकि कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति देश के 90 फीसदी से अधिक लोगों तक की जा चुकी है। देश के लोगों में हर्ड इम्यूनिटी भी बन चुकी है। हमारी कोरोनारोधी वैक्सीन रामबाण की तरह साबित हुई है। पूनावाला ने स्पष्ट कहा कि हम निजी और अन्य माध्यमों से चीन तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक पूरा रिस्पांस नहीं मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह इस बारे में जल्द से जल्द कोई ठोस निर्णय लेंगे। हमारी ओर से उनके (चीन के) लिए कोवोवैक्स का ऑफर इसलिए किया गया है, क्योंकि ओमीक्रोन और सबवेरिएंट के खिलाफ इसने अच्छा काम किया है। कोविशिल्ड के मुकाबले इसका दो से तीन गुना अच्छा परिणाम मिला है। इसी कारण से हमारे नागरिकों के लिए भी कोवोवैक्स ज्यादा अहम वैक्सीन है। पुरानी वैक्सीन नए स्ट्रेन के लिए कम असरदायक है ऐसे में कोवोवैक्स ज्यादा असरकारक है। पूनावाला ने बताया कि इसे यूएसएफटीए ने मंजूरी दी है। यूरोप में भी इसे रामबाण बूस्टर के तौर पर मंजूरी दी है। बीसीसीआई ने भी इसे बूस्टर डोज के तौर पर अप्रूव किया है। उन्होंने कहा कि पहला या दूसरा डोज लेने वालों को इसे बूस्टर डोज के रूप में दिया जा सकता है। इस नई वैक्सीन की कीमत दो सौ या तीन सौ रुपये तक ही होगी, जिसे जल्द ही केंद्र सरकार कोविन ऐप पर जारी करने वाली है। सीरम इंस्टीट्यूट ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने मलेरिया वैक्सीन को लेकर भी डेटा पेश किया है और इस वैक्सीन ने 80 फीसदी से अधिक मामलों में अपनी प्रभावशीलता दिखाई है। इस वर्ष के अंत तक अफ्रीका में इसे शुरू करने जा रहे हैं। इसके अलावा भारत में वैक्सीन के सबसे बड़े निमार्ता के रूप में हमने डेंगू के लिए भी एक वैक्सीन पर काम किया है, जो क्लिनिकल ट्रायल के दूसरे और तीसरे फेज में है।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

यादगीर/नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कर्नाटक के यादगीर जिले के कोडेकल में सिंचाई, पेयजल और राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ी विकासात्मक परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यादगीर में जल सुरक्षा, किसान कल्याण और कनेक्टिविटी से संबंधित परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं, जिससे इस क्षेत्र को काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि देश अगले 25 वर्षों के नए संकल्पों को सिद्ध करने के लिए आगे बढ़ रहा है। ये 25 साल देश के प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक राज्य के लिए अमृतकाल है। इस अवधि में हमें एक विकसित भारत का निर्माण करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने यादगीर सहित देश के 100 से अधिक ऐसे जिलों में आकांक्षी जिला कार्यक्रम शुरू किया। जिन जिलों को पहले की सरकार ने पिछड़ा घोषित किया, उन जिलों में हमने विकास की आकांक्षा को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं, विकास के लिए है।

जी-20 में आये मेहमानों ने पुणे के विरासत स्थलों को निहारा, पौराणिक महानगर का जाना इतिहास

पुणे, (हि.स.)। पौराणिक पुणे महानगर में आयोजित जी-20 की बैठक में हिस्सा लेने आए विदेशी प्रतिनिधियों ने यहां विरासत स्थलों को निहारा। लाल महल की अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने उत्सुकता के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को जाना। प्रतिनिधियों की यह यात्रा शनिवार वाड़ा से प्रारंभ हुई। शनिवार वाड़ा भारत के महाराष्ट्र राज्य के पुणे ज़िले में स्थित एक दुर्ग है, जिनका निर्माण 18वीं सदी में 1746 में किया गया था। शनिवार वाडा की भव्यता, प्रवेश द्वार, विशाल परिसर को प्रतिनिधियों ने अपने मोबाइल फोन में उतारा। यहां के इतिहास के बारे में जानने को उत्सुक उन्होंने गाइडों से सवाल भी पूछे। उसी स्थान पर इलाके के सबसे पुराने बरगद के पेड़ को देखने की जिद पर प्रतिनिधियों ने कुछ पल वहां भी बिताए। मेहमान प्रतिनिधियों ने रजिस्टर में लिखा कि शनिवार वाड़ा बेहद खूबसूरत, शानदार और आकर्षक हैं। प्रतिनिधियों ने ऐसे ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करने का अवसर देने के लिए प्रशासन को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद भी दिया। लाल महल में अतिथियों के पहुंचने पर वहां पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ स्वागत किया गया। राजमाता जिजाऊ मां साहेब और बाल शिवाजी महाराज की मूर्ति को देखने के बाद उन्होंने इसके पीछे के इतिहास के बारे में भी जाना, तो कुछ ने महल में राजमाता जिजाऊ की मूर्ति को प्रणाम भी किया।

उन्होंने महल की तस्वीरें भी अपने मोबाइल में कैद की। यात्रा के अंतिम चरण में प्रतिनिधियों ने नाना वाडा का दौरा किया और उसके इतिहास के बारे में जाना। अजीत आप्टे और संदीप गोडबोले ने अतिथियों को पुणे के इतिहास और विरासत के स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

आगा खान पैलेस की यात्रा - प्रतिनिधियों ने आगा खान पैलेस का दौरा किया और महात्मा गांधी के जीवन के बारे में जाना। उन्होंने गांधी जी के बचपन, कस्तूरबा गांधी के जीवन, गांधीजी के आगा खान पैलेस स्थित आवास के बारे में जानकारी मांगी। नीलम महाजन ने उन्हें इसकी जानकारी दी और महल के ऐतिहासि-ाक महत्व के बारे में भी बताया। इस अवसर पर अतिथियों ने चरखे के बारे में भी जानकारी ली। नगर आयुक्त विक्रम कुमार ने इस अवसर पर अतिथियों का आभार व्यक्त किया, अपर आयुक्त विकास ढाकने, अनुमंडल पदाधिकारी संतोष देशमुख, पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक सुप्रिया करमरकर, धरोहर संरक्षण समिति के अध्यक्ष चंद्रकांत दलवी आदि भी प्रतिनिधिमंडल के साथ रहे।

पहलवानों का दूसरे दिन भी धरना जारी, मध्यस्थता के लिए पहुंची बबीत फोगाट

नई दिल्ली, (हि.स.)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके पहलवानों का भारतीय रेसलिंग महासंघ के खिलाफ गुरुवार को दूसरे दिन भी धरना जारी रहा। इस दौरान सरकार की ओर से पहलवान बबीता फोगाट खिलाड़ियों से बातचीत के लिए पहुंची और उन्हें शीघ्र मुद्दे का समाधान करने का आश्वासन दिया। बबीता से मिले आश्वासन के बाद यह खिलाड़ी बातचीत के लिए केन्द्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय शास्त्री भवन गए। यहां उनकी अधिकारियों से बातचीत होगी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया और अन्य पहलवान आज दूसरे दिन धरने पर बैठे नजर आए। पहलवानों ने भारतीय रेसलिंग महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। जंतर-मंतर पर कल के धरने के बाद आज बड़ी संख्या में लोग उनके समर्थन में एकजुट हुए। इस दौरान पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा कि वह अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने आए हैं।

इस दौरान पहलवान विनेश फोगाट ने आरोप लगाया कि हरियाणा के नए बने रेसलिंग फाउंडेशन में भी बृजभूषण शरण जैसे लोग ही लिए जा रहे हैं। इस दौरान भाजपा नेता एवं पहलवान बबीता फोगाट सरकार की ओर से मध्यस्थता के लिए जंतर-मंतर पहुंची। बातचीत के बाद बबीता ने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। वह कोशिश करेंगी कि उनके मुद्दों का आज ही समाधान हो जाए। माकपा नेता वृंदा करात भी पहलवानों के समर्थन में वहां पहुंची जिन्हें इन पहलवानों ने मंच से उतर जाने का आग्रह किया। पहलवानों का कहना था कि वह इसे राजनीतिक मंच नहीं बनाना चाहते।

महिला आयोग की अध्यक्ष को कार से घसीटा

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ बीती देर रात बदसलूकी का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि मालीवाल को कार से 10-15 मीटर तक घसीटा गया। यह घटना करीब 3.11 बजे एम्स गेट 2 के सामने हुई। दिल्ली के दक्षिण जिले की डीसीपी चंदन सिंह ने कहा कि आज हौज खास थाने में एक कॉल आई, एक महिला को एक कार वाले ने गलत इशारे किए और 10-15 मीटर तक घसीटा। पुलिस ने बताया कि गरुणा वैन की मदद से आरोपित को पकड़ लिया है। उन्होंने बताया कि आरोपित की उम्र 47 साल है और उसने शराब का सेवन कर रखा था। वहीं ड-ीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा कि- कल देर रात मैं दिल्ली में महिला सुरक्षा के हालात का जायजा ले रही थी। एक गाड़ी वाले ने नशे की हालत में मुझसे छेड़छाड़ की और जब मैंने उसे पकड़ा तो गाड़ी के शीशे से मेरा हाथ बंद कर मुझे घसीटा। भगवान ने जान बचाई। यदि दिल्ली में महिला आयोग की अध्यक्ष सुरक्षित नहीं, तो हाल सोच लीजिए।

गरीब मरीजों को सीआरपीएफ ने दी शेल्टर होम की सौगात

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रात में तापमान और भी कम हो जाता है। फुटपाथ पर सो रहे लोगों को काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ता है। इस बीच केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने चिकित्सा परामर्श और अन्य प्रक्रियाओं के वास्ते दिल्ली के एम्स में आने वाले मरीजों और उनके परिवारों के लिए एक अस्थायी शीतकालीन आश्रय स्थल बनाया है। सीआरपीएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली स्थित अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में स्थित आश्रय नामक आश्रयस्थल में 200 लोगों के रहने की क्षमता है। सीआरपीएफ के अधिकारी के मुताबिक मंगलवार को आश्रय का उद्घाटन एम्स के निदेशक एम श्रीनिवास की उपस्थिति में सीआरपीएफ के महानिदेशक एस एल थाउसेन की पत्नी और सीआरपीएफ परिवार कल्याण संघ की अध्यक्ष अजिता थाउसेन ने किया। अधिकारी ने कहा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान में केंद्रीय अर्धसैनिक बल द्वारा बनाए गए तंबू के इस आश्रय में दिल्ली के खराब मौसम में सहायता के तौर पर रहने के लिए बिस्तर कंबल और अन्य बुनियादी वस्तुएं मुहैया कराई गई हैं। प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली स्थित सीआरपीएफ के उत्तरी सेक्टर द्वारा आश्रय का संचालन किया जा रहा है। इससे ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए आ रहे आम आदमी को भी मदद की जा सकेगी। आश्रय केंद्र में लगभग 200 लोग रह सकेंगे। यह बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें बच्चों के खेलने के लिए एक संलग्न क्षेत्र भी शामिल है। आश्रय को सीआरपीएफ द्वारा चलाया जाएगा। आम आदमी को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए ट्रॉमा सेंटर में पहुंचेगा। उत्तर भारत के कई हिस्से बुधवार को भी कड़ाके की ठंड की चपेट में रहे जबकि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में न्यूनतम तापमान गिरकर शून्य से 11.7 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया। राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी के दौरान अब तक आठ दिन शीतलहर का प्रकोप रहा। दिल्ली की सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजस्थान में फतेहपुर सीकर चूरू और करौली में रात का तापमान जमाव बिंदु से नीचे चला गया और पूरे प्रदेश में कड़ाके की सर्दी का सितम जारी है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार रात सीकर के फतेहपुर में पारा शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे सीकर में शून्य से 1.5 डिग्री नीचे चूरू में शून्य से 1.2 डिग्री नीचे और करौली में शून्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

तकनीकी संस्थानों और वैज्ञानिकों की रिपोर्ट आते ही जोशीमठ के लिए तेजी से बनाएं कार्ययोजना : धामी

देहरादून, (हि.स.)। मुख्यमंत्री ने जोशीमठ भू-धसांव के कारणों को लेकर सभी तकनीकी संस्थानों और वैज्ञानिकों की रिपोर्ट आते ही आगे की योजना पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ में चल रहे राहत कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ के भू-धंसाव क्षेत्र के अध्ययन की फाइनल रिपोर्ट के बाद ट्रीटमेंट के कार्य तेजी से सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि विस्थापन के लिए वहां के लोगों से मिलकर सुझाव लिये जाएं। जिलाधिकारी चमोली स्थानीय लोगों से सुझाव लेकर शासन को जल्द से जल्द रिपोर्ट भेजें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ के प्रभावित क्षेत्र से जिन लोगों को विस्थापित किया जायेगा, उनको सरकार की ओर से बेहतर व्यवस्थाएं की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य के जिन शहरों में समुचित ड्रेनेज प्लान एवं सीवर सिस्टम नहीं हैं, उनमें ड्रेनेज एवं सीवर सिस्टम के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्ययोजना बनाई जाए। शहरों को श्रेणी वार चिन्हित किया जाए।

रिसाव और एनटीपीसी टनल का पानी अलग-अलग - सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय जल विज्ञान (एनआईएच) की प्राथमिक जांच रिपोर्ट में जोशीमठ में रिस रहा पानी और एनटीपीसी परियोजना के टनल का पानी अलग-अलग है। अन्य केन्द्रीय एजेंसियों की रिपोर्ट एवं एनआईएच की फाइनल रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पायेगी। उन्होंने बताया कि जोशीमठ के भू-धंसाव प्रभावित क्षेत्र के 258 परिवारों को राहत शिविरों में ठहराया गया है, उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रभावित क्षेत्र में पानी का डिस्चार्ज एवं सिल्ट दोनों काफी तेजी से कम हुआ है। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधू, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम, अपर सचिव सविन बंसल, आनन्द श्रीवास्तव एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी अस्पतालों की खामियों पर पिटीशन कमेटी की रिपोर्ट पेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के अंदर डाटा एंट्री ऑपरेटर की कमी और अन्य खामियों को लेकर दिल्ली विधानसभा की पिटीशन कमेटी (याचिका समिति) की रिपोर्ट सदन में पेश की। इस दौरान सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के लोगों के खिलाफ एक षड्यंत्र करते हुए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव से 2 महीने पहले अस्पतालों की सेवाओं को बाधित किया गया। इस साजिश में बड़े-बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। भारद्वाज ने यह भी कहा कि दिल्ली विधानसभा की पिटीशन कमेटी को त्रिलोकपुरी से शिकायत मिली की अस्पतालों में लोगों के कम्प्यूटर पर्ची बनाने वाले डेटा ऑपरेटर नहीं है। 6 महीने पहले उनको रि-कॉन्ट्रैक्ट करना था लेकिन स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित सिंघल और फाइनेंस डिपार्टमेंट के सचिव आशीष चंद्र वर्मा ने एडमिनिस्ट्रेशन रिफार्म (ए आर) स्टडी के नाम पर फाइलों को घुमाते रहे। जब समिति ने जांच की तो हेल्थ सेक्रेटरी अमित सिंघल ने कोई ठीक जवाब नहीं दिया फिर फाइनेंस डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी आशीष चंद्र वर्मा को बुलाया तो वो अलग ही एटीट्यूड में कमेटी आते थे। कहते थे कि फाइल नहीं है। जानबूझकर पहले से दिल्ली सरकार के चल रहे सिस्टम को खराब किया गया। हमने पूछा कि एडमिनिस्ट्रेशन रिफार्म(ए आर) स्टडी का क्या हुआ? तो पता चला कि जितने काउंटर थे उससे ज्यादा की जरूरत थी। यह पूरा मामला दिल्ली के सरकारी अस्पतालों का है। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के अंदर वह लोग जाते हैं जिनके पास महंगा इलाज कराने की अक्सर क्षमता नहीं होती। अमीर आदमी सरकारी अस्पतालों में इलाज नहीं करवाना चाहता तो वह प्राइवेट अस्पतालों में भी करवा देता है। गरीबों के पास सरकारी अस्पतालों के अलावा इलाज का कोई रास्ता नहीं बचता। गंभीर बीमारियों से ग्रस्त होते हैं। कई बार परिवार का इकलौता कमाने वाला गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो जाता है तो वह लोग सरकारी अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए जाते हैं। दिल्ली के एमसीडी चुनावों से पहले दिल्ली के लोगों के खिलाफ बड़ा षड्यंत्र रचा गया। जिसमें बड़े पद पर बैठे हुए आईएएस अधिकारी शामिल थे। जब कमेटी को शिकायत मिली तो हमने इस मामले को उठाया। त्रिलोकपुरी से सबसे पहले इस मामले में शिकायत मिली।

'आप' विधायकों ने एलजी के खिलाफ खोला मोर्चा

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सत्र के चौथे दिन जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, आप विधायकों ने उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। विधायकों ने हाथ में तख्ती ले रखी थी, जिसपर लिखा था- एलजी साजिश रच रहे हैं। गुरुवार को आप विधायकों ने सदन के भीतर जोरदार हंगामा किया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने 12 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। इधर, बाहर निकलने के बाद आप विधायकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे बैठकर प्रदर्शन किया। विधायक दिलीप पांडेय प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे थे। कालकाजी से विधायक व आप की मुख्य प्रवक्ता आतिशी ने कहा कि एलजी मुख्य सचिव, वित्त सचिव और स्वास्थ्य सचिव के साथ मिलकर साजिश रच रहे हैं। दिल्ली सरकार के कामों को रोका जा रहा है।

यहां तक कि मोहल्ला क्लिनिक के डॉक्टरों को वेतन नहीं दिया गया। बस मार्शल की सैलरी नहीं दी गई। योग क्लास पर रोक लगा दी गई। आतिशी ने कहा कि तरह-तरह से कोशिश की जा रही है कि किसी भी तरह दिल्ली सरकार के कामों को रोका जाए। हमारी मांग है कि तीनों अधिका-री को निलंबित किया जाए। इसके साथ ही आप ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। आप ने जहां गांधीजी की प्रतिमा के नीचे बैठकर प्रदर्शन किया। वहीं भाजपा के विधायकों ने हल लेकर अपना विरोध जताया। भाजपा विधायक हल लेकर सदन जाने की बात कहते रहे। भाजपा विधायकों ने दिल्ली विधानसभा के बाहर दिल्ली सरकार के खिलाफ हल लेकर प्रदर्शन किया है। इस दौरान दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि किसानों से कृषि का दर्जा छीन लिया और किसी भी यंत्र पर सब्सिडी नहीं दी जा रही है। ट्रैक्टर को व्यावसायिक वाहन घोषित कर दिया है। अब किसानों को ट्रैक्टर पर 30,000 रुपये रोड टैक्स देना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को व्यावसायिक रेट पर खेती के लिए बिजली दी जा रही है। अगर विधानसभा में इस पर चर्चा करने की अनुमति नहीं मिली तो हम मुख्यमंत्री के दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन करेंगे।

राष्ट्र को दिशाहीन होने से बचाना आवश्यक है : उपमुख्यमंत्री सिसोदिया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वीमेन में आयोजित देश के मेंटर कॉन्क्लेव-2023 में कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्र को दिशाहीन होने से बचाना उतना ही आवश्यक है, जितना देश को शत्रुओं से बचाना। उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार की प्रमुख पहल देश के मेंटर प्रोग्राम के तहत मेंटर्स ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों के भविष्य को दिशा देने को लेकर गंभीर कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने मेंटरिंग द्वारा अपने मेंटीज के जीवन में उल्लेखनीय बदलाव लाने वाले मेंटर्स से उनके अनुभवों को जाना और सम्मानित किया। साथ ही कहा कि राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने में यह उनका सबसे बड़ा योगदान है। कॉन्क्लेव का आयोजन दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) की ओर से किया गया था, जिसमें आ-ईजीडीटीयूडब्ल्यू की उपकुलपति अमिता देव, डीसीपीसीआर के चेयरमैन अनुराग कुंडू, अतिरिक्त शिक्षा निदेशक रीता शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जब हमने आउट ऑफ बॉक्स जाकर सोचा तो देखा की इसमें एक चीज जो गायब है, वो है- सपना। पिछले सात साल में शिक्षा मंत्री के रूप में मैंने स्कूलों में लाखों बच्चों के साथ चर्चा की। इन सभी चचाओं में बच्चों का ड्रीम कहीं न कहीं मिसिंग था। बच्चों से पूछो कि भविष्य में क्या करना है- तो उनके पास जवाब नहीं होता था। आगे सिसोदिया ने कहा कि बच्चों के पास सपना नहीं था कि उन्हें आगे भविष्य में क्या करना है। लेकिन देश के मेंटर कार्यक्रम ने इस खालीपन को भरने का काम किया है। साथ ही बच्चों को यह डायरेक्शन दिया है कि उन्हें अपने भविष्य में क्या करना है? किस क्षेत्र में जाना है? उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मेंटरिंग का काम कोई सरल काम नहीं, बल्कि देश की बेहतरी को नया आयाम देने वाला एक महत्वपूर्ण काम है। हमारे मेंटर्स मेंटरिंग के द्वारा अपना समय देश के भविष्य को संवारने के लिए दे रहे है। यह देश की तरक्की में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारे मेंटर्स जब अपने मेंटीज से बात करते होंगे तो उस दौरान उन्हें बहुत से उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता होगा, लेकिन जब भी ऐसा हो तो हमारे मेंटर यह ध्यान रखें कि वे सिर्फ किसी एक बच्चे को भविष्य की राह नहीं दिखा रहे, बल्कि देश के भविष्य को संवारने का काम कर रहे है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश का पढ़ा-लिखा युवा यह चाहता है कि उसने जो सीखा, उसे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी सीखा सके। उन्हें भविष्य की राह दिखा सके। यह कार्यक्रम ऐसे युवाओं और प्रोफेशनल्स को मौका दे रहा है कि वे आगे बढ़कर आएं और स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों का हाथ थाम उन्हें जिंदगी के कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए अपने भविष्य को संवारने की दिशा दिखा सकें। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार का फ्लैगशिप प्रोग्राम ह्यदेश के मेंटरह्ल कार्यक्रम भारत का सबसे बड़ा मेंटरिंग प्रोग्राम है। इस कार्यक्रम के तहत लगभग 26,000 मेंटर व 1 लाख मेंटीज ऑनबोर्ड हुए है।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- 'राम सेतु' को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली। रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर स्थायी संरक्षण देने की मांग पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि संस्कृति मंत्रालय इस पर विचार कर रहा है। तब सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निस्तारण करते हुए याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी को कहा कि वह सरकार को ज्ञापन सौंप सकते हैं। अगर सरकार के फैसले से वह संतुष्ट नहीं होते तो फिर सुप्रीम कोर्ट आ सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 10 नवंबर 2022 को केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया था। 13 अक्टूबर 2022 को कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता डॉ. स्वामी का कहना था कि पिछले आठ साल से सुप्रीम कोर्ट में ये मामला लंबित है, लेकिन केंद्र सरकार ने जवाब दाखिल नहीं किया है। कोर्ट ने डॉ. स्वामी को भी लिखित दलीलें जमा कराने की इजाजत दी थी। डॉ. स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि सरकार ने यह तय कर लिया है कि रामसेतु को नहीं तोड़ा जाएगा। फिर स्थायी संरक्षण देने में क्या दिक्कत है।

पूर्वी रेलवे के डीआरएम की बेटी के चोरी हुए जूते तलाशने में जुटी जीआरपी

मुरादाबाद, (हि.स.)। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूर्वी रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम की बेटी के जूते पांच दिन पहले मुरादाबाद रेल मंडल के बरेली जंक्शन पर ट्रेन में चोरी हो गए। जिसकी रिपोर्ट ओडिशा में दर्ज की गई। ओडिशा और मुरादाबाद रेल मंडल की राजकीय रेल पुलिस मिलकर डीआरएम की बेटी के जूते तलाशने में जुटी है। रेलवे के एक पुलिस अधिकारी का कहना है कि मुरादाबाद जीआरपी को ऐसी किसी घटना की सूचना नहीं दी गई। शायद जूते चोरी होने की घटना बरेली जंक्शन की है और घटना के बारे में ओडिशा में सूचना दी गई। अगर मुकदमा ट्रांसफर होकर आएगा तभी इसके बारे में कुछ पता चलेगा। उनका कहना था कि फिलहाल इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी मुरादाबाद जीआरपी के पास नहीं है। जबकि सूत्रों का कहना है कि इस मामले में उड़ीसा रेलवे पुलिस और जीआरपी की बरेली यूनिट मिलकर काम कर रहे हैं। डीआरएम की बेटी के जूते खोजने के लिए दोनों स्टेट की रेलवे पुलिस मिलकर तलाश कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में रेलवे बोर्ड ने डीआरएम से कड़ी नाराजगी जाहिर की है। बेटी का जूता ढुंढवाने के लिए अपने पद का इस्तेमाल कर रेलवे पुलिस का दुरुपयोग करने पर रेलवे बोर्ड डीआरएम से खफा है।

हिन्दू और मुसलमानों के बीच खाई पैदा करने वालों को सफलता नहीं मिलेगी : इंद्रेश कुमार

-आरएसएस के केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य ने 06 दिवसीय सुभाष महोत्सव का किया उद्घाटन

-जलसा-ए-उलमाए इस्लाम में जुटे मुस्लिम धर्मगुरू

वाराणसी, (हि.स.)। आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 126 वें जन्मदिवस पर गुरूवार को 06 दिवसीय सुभाष महोत्सव का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इन्द्रेश कुमार ने किया। विशाल भारत संस्थान की ओर से सुभाष भवन, इन्द्रेश नगर, लमही में आयोजित महोत्सव में उन्होंने कहा कि हिन्दूझमुस्लिम संवाद केन्द्र के जरिये प्रतिमाह संघर्ष के विषयों को बातचीत के जरिये हल करने का सूत्र खोजा जायेगा। इन्द्रेश कुमार ने कहा कि लगातार बातचीत होने से हिन्दू और मुसलमानों के बीच खाई पैदा करने वालों को सफलता नहीं मिलेगी। नफरती बयान देने वालों को नकारने की प्रवृत्ति बढ़ेगी और आपसी भाईचारा बढ़ेगा। महोत्सव में हिन्दूझमुस्लिम संवाद केन्द्र का उद्घाटन कर इंद्रेश कुमार ने कहा कि काशी से हिन्दू मुस्लिम संवाद के जरिये संघर्ष और नफरत के बजाय हिन्दू मुसलमानों के बीच बातचीत का रास्ता खुलेगा। बहुत सारे मसले का हल निकलेगा। उन्होंने कहा कि प्राणायाम से किसी का मजहब खतरे में नहीं आता। दिल को सुकून मिलता है। हम पूर्वजों से एक हैं, वतन से एक हैं तभी तो हमारा डीएनए मिलता है। डी का मतलब ड्रीम से है, कोई भी भारतीय अपने ही मातृभाषा में सपने देखता है। वह दूसरे भाषा में सपने नहीं देख सकता। एन से मतलब नेशन है। सब वतन से एक हैं और ए से मतलब एन्सेस्टर अर्थात पूर्वज। हम सभी पूर्वजों से एक हैं तो फिर हमें अलग करने वाले कौन है? महोत्सव में प्रथम दिन आओ जड़ों से जुड़ें अभियान के तहत जलसा-ए-उलमाए इस्लाम में जुटे मुस्लिम धर्मगुरूओं ने भी भागीदारी की। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर धर्मगुरूओं ने फूल चढ़ाए,इन्द्रेश कुमार के साथ दीपोज्वलन भी किया। विषय प्रवर्तन करते हुए मुस्लिम धर्मगुरू हाफिज जावेद खान ने कहा कि आज पूरे हिन्दुस्तान और दुनियां में दहशतगर्दी और आतंकवाद बड़ी मुसीबत है। जिसकी हम मौलाना मिलकर मुखालफत करने के लिये इकठ्ठे हुए हैं। हम मिलकर उन्हें मिल्लत के रास्ते पर आने के लिये मजबूर कर देंगे। हमारे हिन्दुस्तान में बहुत मजहब मानने वाले मिल्लत के साथ रहते हैं। मुस्लिम धर्मगुरू मौलाना शफीक अहमद मुजद्दीदी ने कहा कि इस्लाम हमें और आपको इंसानियत सिखाता है। हमने अपने खून से इस देश की हिफाजत की है। हम इंसानियत और अपने मुल्क के दुश्मन नहीं हैं। जब तक जिन्दगी है हम मुल्क के लिये जीयेंगे और मरेंगे और जरूरत पड़ने पर अपनी कुबार्नी भी देंगे। महोत्सव में मौलाना तहरीर चतुवेर्दी, मौलाना शफीक अहमद मुजद्दीदी ,मौलाना मकसूद अहमद कादरी आदि ने भी विचार रखा। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० राजीव ने कहा कि सुभाष भवन एकमात्र ऐसा घर है जिसमें बिना किसी भेदभाव के हिन्दू मुस्लिम एक साथ परिवार की तरह रहते आ रहे हैं। हिन्दू मुसलमानों के बीच हो रहे संघर्ष को रोकने के लिये सुभाष भवन का मॉडल बेहतर उदाहरण है। महोत्सव का संचालन मो० अजहरूद्दीन और धन्यवाद ज्ञापन हाफिज जावेद खान ने दिया।

मौनी अमावस्या 21 जनवरी को, स्नान पर्व पर इस बार विशिष्ट योग में डुबकी लगायेंगे श्रद्धालु

—पर्व पर स्नान एवं दान करने से पुण्य और मनोवांछित फल की प्राप्ति भी

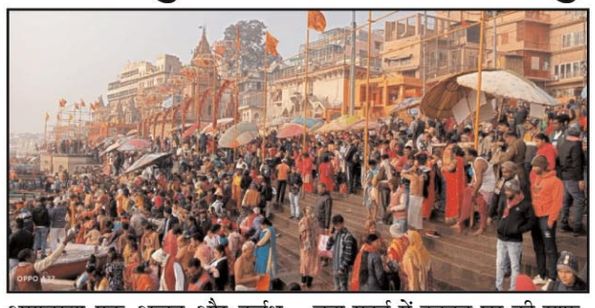

वाराणसी, (हि.स.)। मौनी अमावस्या इस बार 21 जनवरी शनिवार को है। स्नान पर्व पर गंगा स्नान के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। घाटों पर पंडा समाज और पुजारी भी स्नान पर्व को लेकर उत्साहित है। खास बात यह है कि मौनी अमावस्या पर 30 साल बाद खास दुर्लभ संयोग बन रहा है। स्नान पर्व पर खप्पर योग बन रहा है। जिसमें धार्मिक कार्य और शनि से जुड़े कुछ उपाय को करने से श्रद्धालुओं को लाभ मिलता है । शनि हर ढाई साल में राशि परिवर्तन करते है। इस ढाई वर्ष की अवधि में शनि कभी मार्गी तो कभी वक्री अवस्था में चलते है। इस बार शनि ने मौनी अमावस्या से ठीक चार दिन पहले 17 जनवरी को राशि परिवर्तन किया है। शिव आराधना समिति के डॉ मृदुल मिश्र बताते है कि इस वक्त शनिदेव कुंभ राशि में विराजमान हैं । इसी वजह से मौनी अमावस्या एक अद्भुत और दुर्लभ संयोग में पड़ रही है। इस वक्त मकर राशि में सूर्य और शुक्र की युति है। साथ ही त्रिकोण की स्थिति में खप्पर योग का निर्माण कर रही है। जब भी इस प्रकार की युति बनती है तो अलग-अलग तरह के योग-संयोग बनते हैं।

उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु और प्रत्यक्ष देवता सूर्य देवता की पूजा का विधान है। हर साल माघ मास के कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि को मौनी अमावस्या मनाई जाती है। मौनी अमावस्या को स्नान और दान का विशेष महत्व है। स्नान पर्व पर ब्रह्म मुहूर्त में उठकर घर की साफ-सफाई करने के बाद गंगा या पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। किसी कारण से ऐसा न हो पाने पर घर के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान करते समय 'गंगा च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती, नर्मदे सिंधु कावेरी जलेस्मिन संनिधिम कुरु' मंत्र पढ़ते हुए चराचर जगत के पालनहार श्रीहरि भगवान विष्णु का ध्यान करें और मौन व्रत का संकल्प लें। इसके बाद साफ वस्त्र पहनें और भगवान सूर्य को अर्घ्य देना दे। इसके बाद जरूरतमंदों को तेल, गुड़, वस्त्र, कंबल इत्यादि का दान अवश्य करें। साथ ही सामर्थ्य अनुसार भोजन का भी दान करें।

भारत दुनिया का 5वां सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश : अनुप्रिया पटेल

- मण्डल में उद्यमियों के सहयोग के लिए प्रशासन कटिबद्ध : मण्डलायुक्त

मीरजापुर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के तहत एक दिवसीय इंवेस्टर्स समिट का आयोजन पथरहिया स्थित विकास भवन आडीटोरियम में किया गया। इंवेस्टर्स समिट का शुभारम्भ केन्द्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दीप प्रज्जवलित कर किया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन करने जा रहे हैं। 5500 करोड़ के लगभग 61 एमओयूज पर निवेशकों ने हस्ताक्षर कर दिया है। इससे लगभग आठ हजार लोगों को रोजगार मिलने की सम्भावना है। प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए इंवेस्टर्स समिट के द्वारा जो प्रयास किया जा रहा है, उसके तहत मीरजापुर का भी योगदान हो सकता हैं। कहा कि इंवेस्टर्स समिट केन्द्र एवं प्रदेश के साथ ही जनपद की आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत 16 अलग-अलग मंत्रालय एक साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। इसका उद्देश्य है कि देश के विभिन्न ऐसे क्षेत्रों में जहां पर आर्थिक जोन है, वहां सुविधाओं को सुनिश्चित कराना है। जैसे रेल, सड़क, एयरलाइन सुविधा सहित अन्य बिन्दुओं पर विकास के कार्य कराए जाएंगे ताकि उद्यमियों को भरपूर सहयोग व सुविधाएं मिल सकें। मीरजापुर व भदोही में कारपेट इंडस्ट्रीज की अच्छी पहचान है। देश के निर्यात में कारपेट इंडस्ट्रीय का बड़ा योगदान भी हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार की कार्य प्रणाली के चलते ही भारत दुनिया के 5वां सबसे बड़ा अर्थ व्यवस्था देश बन गया है। नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल ने भी सम्बोधित किया। मण्डलायुक्त डा. मुथुकुमार स्वामी बी ने कहा कि मण्डल में निवेश करने वाले उद्यमियों की हर सम्भव समस्याओं का निराकरण करते हुए प्रशासनिक मद की जाएगी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कहा कि जनपद में उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक माह के चौथे शुक्रवार को इंवेस्टर्स दिवस का आयोजन कर उद्यमियों की समस्याओं को सुनते हुए उनका निराकरण कराया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत व अभिनन्दन किया।

चुन-चुन कर विपक्ष को बनाया जा रहा निशाना : शिवपाल

- सपा विधायक शिवपाल यादव ने 2024 में भाजपा को हटाने का भरा दम

बलिया, (हि. स.)। सपा विधायक और पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने भाजपा पर जमकर हमले किए। बुधवार देरशाम बलिया पहुंचे शिवपाल यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में जनता का उत्पीड़न किया जा रहा है। चुन-चुन कर विपक्ष को निशाना बनाया जा रहा है। यहां एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में शिवपाल यादव ने कहा कि तीन बार नेता जी मुख्यमंत्री रहे और एक बार अखिलेश यादव थे। हमने हमेशा विपक्ष का सम्मान किया। लेकिन भाजपा सरकार चुन-चुन कर विपक्ष के लोगों का उत्पीड़न कर रही है। विपक्षी लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाना, नोटिस भेजना और परेशान करने का काम किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने अभी तक कहीं पर भी विकास का कार्य नहीं किया है। बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। जिन अधिकारियों को विकास का काम करना चाहिए वे चुन चुन कर विपक्ष के लोगों पर मुकदमा करा रहे हैं। बोले, यदि कोई अपराधी है तो उसे जेल भेजो, लेकिन उसके परिवार का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता दुखी है और जनता में निराशा है। भाजपा को कहा कि ये लोग केवल झूठ बोलना जानते हैं और भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सरकार पर नौकरशाही हावी है। ऐलान किया कि अब प्रदेश में कहीं पर भी उत्पीड़न होगा तो हम समाजवादी पार्टी के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। चाहे हमलोगों को जेल भरो आंदोलन करना पड़े, प्रदर्शन करना पड़े या धरना ही क्यों न देना पड़े। सभी समाजवादी लोगों को इकठ्ठा करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में जो भी आना चाहेगा उसका स्वागत है। इस भ्रष्ट सरकार को हटाना है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मुसलमानों के प्रति बयानबाजी को लेकर दी गई नसीहत पर शिवपाल यादव ने कहा कि इतने दिनों बाद उन्हें मुसलमान याद आये हैं।

अखिलेश मेरे नेता, उनके ही नेतृत्व में करेंगे काम - लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दलों की एकता के सम्बंध में सवालों के जवाब में शिवपाल यादव ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम सबको इकट्ठा करेंगे। सपा 2024 की तैयारी में जुटी है। हम उत्तर प्रदेश से भाजपा को बाहर करेंगे। समाजवादी पार्टी भाजपा को हराने में अकेले सक्षम है। अखिलेश को अपना नेता बताते हुए कहा कि वे मेरे भतीजे हैं उनके ही नेतृत्व में हम काम करेंगे। कहा कि मैं समाजवादी पार्टी को मजबूत करने में जुटा हूं। आह्वान किया कि समाजवादियों को एकजुट करेंगे। एक सवाल के जवाब में कहा कि जो पक्के समाजवादी हैं वे ईडी और सीबीआई से नहीं डरते। भाजपा का बिना नाम लिए कहा कि हमलोग राम और कृष्ण को मनाने वाले लोग हैं। लंका जरूर लगेगी। प्रेसवार्ता में साथ बैठे पूर्व मंत्री अम्बिका चौधरी, पूर्व मंत्री नारद राय और सनातन पाण्डेय का नाम लेकर कहा कि ये लोग नेता जी मुलायम सिंह यादव के साथ काम करने वाले लोग हैं। इनका समाजवादी पार्टी के विकास में योगदान रहा है।

लम्बे इंतजार के बाद केडीए बनाएगा आवासीय योजना, हाईकोर्ट के निर्णय से साफ हुआ रास्ता

कानपुर, (हि.स.)। पन्द्रह वर्ष के इंतजार के बाद कानपुर विकास प्राधिकरण जरौली आवासों की लॉन्चिंग का रास्ता साफ हो गया। अब तक जमीन न उपलब्ध होने की वजह से यह योजना लटकी हुई थी। हाईकोर्ट से 18 करोड़ की पांच हजार वर्ग मीटर केडीए जमीन जीत ली है। केडीए के ओएसडी एवं प्रभारी अधिकारी विधि सत शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राधिकरण द्वारा लगातार जीत दर्ज की जा रही है। फजीर्वाड़ा एवं मुकदमों में फंसाकर भूमि अवैध कब्जा करने वालों का मनोबल गिरेगा। केडीए वीसी के निर्देश पर ऐसी जमीनों के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। पनकी मंदिर के पास बन रहे अवैध पेट्रोल पंप को केडीए ने सील किया है। हाईकोर्ट से वर्ष 2007 से ही इस जमीन पर स्टे था जिसकी वजह से केडीए कोई कार्य नहीं करा पा रहा था। अब यहां आवासीय योजना की लॉन्चिंग का रास्ता साफ हो गया है।

दो माह में 3 बड़े भूखण्ड पर मिली जीत - जरौली योजना के पास यह जमीन 885, 886, 537 व 588 में है। इसकी रिट याचिका (64185/2007) रमेश कुमार बनाम स्टेट ऑफ यूपी दाखिल थी। इस पर निर्णय देते हुए हाईकोर्ट ने प्राधिकरण के पक्ष में निर्णय दिया और याचिकाकर्ता की अपील खारिज कर दी। बीते दो माह के दौरान केडीए के वकीलों ने दलीलों के आधार पर तीन बड़ी जमीन जीती हैं।

सील किया गया अवैध निमार्णाधीन पेट्रोल पंप - केडीए के प्रवर्तन जोन दो की टीम ने पनकी पावर हाउस के पास मंदिर के बगल में 900 वर्ग मीटर में गड्ढा खोदकर बनाए जा रहे पेट्रोल पंप को सील कर दिया। ओएसडी ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रही।

धनबाद में दो घरानों के समर्थक भिड़े, बम और गोलियां चलीं

धनबाद, (हि.स.)। जिले के झरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंह नगर गुलगुलिया बस्ती में गुरुवार को सिंह मेंशन समर्थक और रघुकुल समर्थक आपस में भिड़ गए। दोनों तरफ से दर्जनों बम और गोलियां चलीं। साथ ही दोनों तरफ से हुई तलवारबाजी और पत्थरबाजी में छह लोगों के घायल होने की सूचना है। सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से पांच देशी बम, खोखा और तलवार बरामद किया है। बताया जा रहा है कि एक ही घराने से अलग हुए सिंह मेंशन और रघुकुल आपस में एक दूसरे के घोर विरोधी हैं। उनके समर्थक किसी बात को लेकर आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों तरह से बम और गोलियां चलने लगीं। दोनों पक्षों के लोग हाथों में तलवार, डंडे और पत्थर लिए एक दूसरे पर टूट पड़े। पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। संघर्ष में दोनों गुटों के छह लोग घायल हो गए, जिसमें तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। धनबाद के एसएनएमएमसीएच पहुंचे एक घायल की पहचान निरंजन कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह शादियों में कैटरिंग का काम करता है। जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व ही सिंह नगर भुइयां बस्ती की कई महिलाएं और पुरुष कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद से ही इलाके में तनाव व्याप्त था। इसके बाद आज सुबह रामबाबु धिक्कार और धनंजय यादव जो सिंह मेंशन और रघुकुल समर्थक बताए जाते हैं ये आपस में भिड़ गए। सूचना पर पर पहुंची झरिया पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

झारखंड में 21 जनवरी तक छाया रहेगा कोहरा

रांची, (हि.स.)। झारखंड में पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज बदला है। इस बीच राजधानी रांची समेत आसपास के इलाकों में ठंड भी बढ़ी है। रांची का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया है। सुबह से अभी दोपहर तक चारों तरफ कोहरा छाए हुए है, जिससे ठंड में थोड़ा इजाफा हुआ है। रांची मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि अगले 24 घंटे तक राजधानी समेत राज्यभर में मौसम सर्द रहेगा। इस दौरान कोहरा छाया रहेगा और हल्के बादल के छाने के भी आसार है, जो अगले 21 जनवरी तक छाए रहेंगे, जिसका असर राज्य के दक्षिणी भाग में अधिक होगा। रांची में तापमान में गिरावट आयी है। राजधानी रांची में 1.3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गयी। अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा। रांची में सुबह में भी लोग गाड़ी की हेडलाइट ऑन कर चलते नजर आये। रांची में धूप नजर नहीं आ रही। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, रांची, बोकारो और खूंटी जिले में सुबह से कोहरा नजर आ रहा है। पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा और लातेहार जिले में अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार अभी मौसम का मिजाज कुछ दिनों तक ऐसा ही रहेगा। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि मौसम शुष्क रहेगा। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस सिमडेगा का रहा जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस गिरिडीह में दर्ज किया गया।

मिसिर दस्ते के नक्सली कुलदीप गंझू से एनआईए कर रही पूछताछ

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) एक करोड़ के इनामी मिसिर बेसरा दस्ते के नक्सली कुलदीप गंझू से पूछताछ कर रही है। रांची की एनआईए ब्रांच ने कुलदीप को तीन दिनों की रिमांड पर लिया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक एनआईए पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा में पिछले साल चार जनवरी को पूर्व विधायक गुरुचरण नायक पर नक्सली हमले की जांच कर रही है। कुलदीप गंझू रांची के बुढ़मू स्थित कनाड़ी गांव का रहने वाला है। उसने 22 दिसंबर, 2022 को चाईबासा में झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया था। कुलदीप के पास कोल्हान-पोड़ाहाट के जंगलों की पूरी जानकारी है। वह लंबे समय तक झारखंड-ओडिशा के सारंडा क्षेत्र में सक्रिय रहकर कई नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है।

डिलेड कोकर यूनिट के डिस्टिलेट को बेहतर बनाना रिफाइनरियों के लिए जरूरी : कार्यपालक निदेशक

बरौनी रिफाइनरी ने आयोजित की डिलेड कोकिंग पर सीएचटी गतिविधि समिति की बैठक

बेगूसराय, (हि.स.)। बरौनी रिफाइनरी द्वारा "डिलेड कोकिंग - रिफाइनरी लाभप्रदता में सुधार की ओर बढ़ना" विषय पर सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी (सीएचटी) के सहयोग से दो दिवसीय सीएचटी एक्टिविटी कमेटी मीट गुरुवार से बेगूसराय के होटल युवराज में शुरू हो गया। इस दो दिवसीय बैठक का शुभारंभ इंडियन ऑयल आर एंड डी के कार्यपालक निदेशक (टीआईसी) देवाशीष भट्टाचार्य, कार्यपालक निदेशक (सीएचटी) आलोक शर्मा तथा बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) सत्य प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ए.के. तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तरुण कुमार बिसई, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) जी.आर.के. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (एम एंड सी) डॉ. प्रशांत राउत, मुख्य महाप्रबंधक (टीएस एंड एचएसई) एस.जी. वेंकटेश एवं संयुक्त निदेशक सीएचटी डी. किरण भी उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन के बाद बरौनी रिफाइनरी के मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) सत्य प्रकाश ने बैठक में उपस्थित भारत की विभिन्न रिफाइनरियों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा बरौनी रिफाइनरी में कोकर यूनिट और इसकी तकनीकी क्षमताओं की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हुए दो दिवसीय बैठक की प्रस्तावना स्थापित की। बैठक को संबोधित करते हुए बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने तेल और गैस उद्योग के मौजूदा भू-राजनीतिक चुनौतीपूर्ण माहौल और लाभप्रदता बनाए रखने के लिए रिफाइनरी के जीआरएम में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दुनिया नेट-जीरो भविष्य की ओर बढ़ रही है, ऐसे में उद्योग को वैश्विक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबी अवधि में रिफाइनिंग उद्योग के सामने आर्थिक रूप से प्रासंगिक बने रहने की चुनौती होगी। क्योंकि भारी कच्चे तेल तेजी से संसाधित हो रहे हैं, ऐसे में डिलेड कोकर यूनिट के प्राप्त डिस्टिलेट को बेहतर बनाना रिफाइनरियों को लाभप्रद बनाने के लिए बहुत जरूरी है। इंडियन ऑयल आर एंड डी के कार्यपालक निदेशक (टीआईसी) देवाशीष भट्टाचार्य ने अपने संबोधन में डिलेड कोकर यूनिट की विश्वसनीयता और लाभप्रदता में सुधार के लिए इंडियन ऑयल आर-एंडडी द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकों पर प्रकाश डाला। जबकि, कार्यपालक निदेशक (सीएचटी) आलोक शर्मा ने दो दिवसीय सम्मेलन के विषय के महत्व पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में इंडियन ऑयल, एचपीसीएल, बीपीसीएल, एसएमईएल, नायरा एनर्जी, ईआईएल, नुमालीगढ़ रिफाइनरी सहित अन्य व्यावसायिक सहयोगियों के 80 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कॉपोरेट संचार प्रबंधक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरूआत से पहले अतिथियों द्वारा रिफाइनरी टाउनशिप में वृक्षारोपण भी किया गया।

बिहार के शिक्षामंत्री चन्द्रशेखर के विवादित बयान के विरुद्ध न्यायालय में केस दर्ज

मधुबनी, (हि.स.)। जिला मुख्यालय स्थित व्यवहार न्यायालय में गुरुवार को शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के खिलाफ परिवाद वाद दायर किया गया। मधुबनी व्यवहार न्यायालय में गुरुवार को बिहार के शिक्षा मंत्री डॉ चंद्रशेखर के विरुद्ध रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में परिवाद वाद दायर किया गया। परिवाद जिला भाजपा उपाध्यक्ष संजय पांडे ने दायर किया है।दायर मुकदमा में गवाह के रूप में शंकर झा, ज्योति नारायण मंडल, महेंद्र पासवान उपस्थित रहे। दायर मुकदमा की जानकारी देते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता वरुण कुमार लाल दास ने बताया कि परिवार वाद केस दर्ज कर लिया गया। दायर केस के मुख्य अधिवक्ता वरुण कुमार ने वाद नंबर सीआर 61/23 बताया। अधिवक्ता दास ने कहा कि केस दर्ज की गयी है। जिनके साथ अधिवक्ता अभय नाथ झा ,अधिवक्ता मुकेश राय ,अधिवक्ता दिनेश्वर झा ने बताया की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में शिक्षा मंत्री डॉ चंद्रशेखर के विरुद्ध संजय पांडे ने धारा 153 ए 153 बी 295 ए 505 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।दायर केस के संदर्भ में भाजपा उपाध्यक्ष संजय पांडे ने बताया कि बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के निन्दनीय बयान की जितनी भर्त्सना की जाय वह कम होगा।संत तुलसीदास व उनकी श्रेष्ठ मार्गदर्शक धार्मिक आचरण की आत्मसात रचना रामचरित मानस रामायण जन- जन की भावनात्मक ग्रन्थ है।बताया कि सरकार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर का गलत बयान हिंदू समाज के आत्मा पर कुठाराघात है।

संपादकीय

मोदी को 'मुस्लिम कबूल'

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने अपने चुनावी लक्ष्य तय कर लिये हैं। हालांकि सभी 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव जीतना एक विराट और मुश्किल चुनौती है, क्योंकि भाजपा की स्थिति और संगठन सभी राज्यों में एक ही ठोस धरातल पर नहीं हैं। फिर भी भाजपा ने 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों का जो रोडमैप तैयार किया है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी ही बुनियादी मुद्दा हैं, मोदी ही चेहरा हैं, मोदी ही सूत्रधार और सहारा हैं। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह ने यहां तक हुंकार भरी है कि मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे और विरोधियों को लगातार तीसरी बार 'विपक्ष' में बैठना पड़ेगा। भाजपा ने 2024 का लक्ष्य 350 सीटें तय किया है, लेकिन अंतर्भाव यह भी है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का 404 सीटों का कीर्तिमान ध्वस्त किया जाए, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टीजनों को जो संदेश, उद्बोधन और रणनीतिक पाठ पढ़ाया है, वह परस्पर विपरीतार्थक है। प्रधानमंत्री अब भाजपा को राजनीतिक आंदोलन तक ही सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि सामाजिक आंदोलन में तबदील करने के पक्षधर हैं। यदि समाज का संदर्भ है, तो फिर सभी को साथ लेकर चलने की सोच और नीति तैयार करनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार चुनाव के व्यापक संदर्भों में आह्वान किया है कि पार्टी कार्यकर्ता पसमांदा, गरीब, पढ़े-लिखे और पेशेवर मुसलमानों तक जाएं। उनसे मुलाकातें कर समझाएं कि सरकार पूरे देश के लिए क्या कर रही है। मुस्लिमों के बोहरा समुदाय को भी संपर्क और संवाद की प्रक्रिया से जोड़ें। प्रधानमंत्री ने कुछ नाराजग़ी भरे अंदाज़ में निर्देश दिया

> भाजपा ने 2024 का लक्ष्य 350 सीटें तय किया है, लेकिन अंतर्भाव यह भी है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का 404 सीटों का कीर्तिमान ध्वस्त किया जाए, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने पार्टीजनों को जो संदेश, उद्बोधन और रणनीतिक पाठ पढ़ाया है, वह परस्पर विपरीतार्थक है। प्रधानमंत्री अब भाजपा को राजनीतिक आंदोलन तक ही सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि सामाजिक आंदोलन में तबदील करने के पक्षधर हैं। यदि समाज का संदर्भ है, तो फिर सभी को साथ लेकर चलने की सोच और नीति तैयार करनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार चुनाव के व्यापक संदर्भों में आह्वान किया है कि पार्टी कार्यकर्ता पसमांदा, गरीब, पढ़े-लिखे और पेशेवर मुसलमानों तक जाएं। उनसे मुलाकातें कर समझाएं कि सरकार पूरे देश के लिए क्या कर रही है।

कि कुछ लोग मुसलमानों के खिलाफ सिनेमाई अंदाज़ में बयानबाजी करते रहते हैं, लेकिन अब बेवजह की गलतबयानी न की जाए। भाजपा अतिरिक्त जनाधार की तलाश में है, ताकि ज्यादा सीटें जीती जा सकें और साबित किया जा सके कि भाजपा का 'चरम' अभी शेष है, लिहाजा मुसलमानों पर फोकस करने की रणनीति तय की गई है। 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत में 14.6 करोड़ पसमांदा मुस्लिम थे और बोहरा समुदाय की आबादी 12-13 लाख थी। जाहिर है कि एक दशक से अधिक के अंतराल में इन आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई होगी। अब सबसे प्रासंगिक सवाल यह है कि क्या मुस्लिम भाजपा की तरफ धुरवीकृत होंगे? चूंकि दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कालखंड में कुल 8-9 फीसदी मुसलमान ही भाजपा को वोट देते थे। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भी कमोबेश यही औसत रहा था। औसतन 40 फीसदी मुसलमान आज भी कांग्रेस को वोट देते हैं। उनमें से प्रधानमंत्री ने चुनिंदा जमात को चुना है, जो मुसलमानों की सबसे अधिक आबादी है। वे मुस्लिम आज भी अशिक्षित, गरीब, असंगठित हैं। प्रधानमंत्री ने इच्छा जताई है कि पसमांदा मुसलमानों को बताया जाए कि उनके कल्याण और आर्थिक, पेशेवर मदद के लिए सरकार ने क्या-क्या परियोजनाएं बनाई और चला रखी हैं। उनसे फायदा लिया जा सकता है। सवाल यह भी है कि भाजपा और प्रधानमंत्री ने चुनावी जीत के मद्देनजर मुसलमान को कबूल कर लिया है, क्या जवाब में मुस्लिम समाज भी कबूल करेगा? भाजपा के लिए यह जोख़िम भरी राजनीति है, क्योंकि अभी तक पार्टी को 'हिन्दूवादी' और व्यापक मायनों में 'राष्ट्रवादी' माना जाता रहा है, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी ने संदेश दिया है कि पार्टी को 'राष्ट्रव्यापी' बनाने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री मोदी ने एक और आह्वान किया है कि पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी सरहद के पास बसे गांवों तक भी जाएं और वहां के लोगों को भी पार्टी नीतियों और कार्यक्रमों के साथ जोड़ें। एक और महत्त्वपूर्ण निर्देश दिया गया है कि देश के 18-25 साल की उम्र के युवा वर्ग को जोड़ें और उन्हें खुलासा करें कि पिछला दौर कितना भ्रष्ट, कुशासन वाला, अनाचारी और लुंज-पुंज था, लिहाजा अब सरकार के सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासवादी दृष्टि देश के लिए कितने जरूरी हैं? बहरहाल भाजपा चुनावी मोड में है। उसका मुस्लिमवाद अभी स्पष्ट होना है।

कुछ अलग

एक जाग्रत जीवन जीने का संकल्प

पिछले सालभर में आपने कितनी साधना की है? मन के कितने दोष दूर किए हैं? मन का कितना अज्ञान दूर किया है? पिछले वर्ष में क्या किया? इस दिन यह विचार करना चाहिए कि पिछला साल तो हमारा यही सोचते हुए निकल गया कि साधना आज शुरू करेंगे, कल शुरू करेंगे। नए साल की शुरुआत में संकल्प करने की परंपरा है। बहुत लोग बहुत प्रकार के संकल्प करते हैं, जैसे—वजन कम करेंगे, मीठा नहीं खाएंगे, झूठ नहीं बोलेंगे। ऐसे संकल्प करना भी अच्छी बात है, क्योंकि उससे भी आपके मन की शक्ति बढ़ जाती है और मन की कमी दूर हो जाती है। बहुत-से लोग संकल्प तो करते हैं, परंतु उसे पूरा नहीं कर पाते हैं, क्योंकि मन बेईमान हो जाता है। जैसे पानी के लिए नीचे गिरना आसान और सहज होता है, परंतु अगर उसे ऊपर उठाना हो तो मोटरपंप की जरूरत पड़ती है। ऐसे ही हमारे मन के लिए नीचे गिरना आसान और सहज है। मन को ऊंचा उठाना बहुत मुश्किल है। मन के लिए अच्छी बातों से जुड़ना बहुत मुश्किल है, उनको छोड़ देना सहज है। मन की आदतें ऐसी होती हैं कि उन्हीं आदतों में मन को सुविधा महसूस होने लगती है। हमारा मन कुछ आदतों को पाल लेता है और उन्हीं में खुश रहता है। अपनी दिनचर्या में साधना को बढ़ाने का संकल्प अगर आप करते हैं तो उसको बिना किसी अटकाव के सालभर चलाते रहना बहुत जरूरी है। भूतकाल बीत चुका है, परंतु वर्तमान आपके हाथ में है। इसलिए आनेवाले कल में क्या होगा, यह आपके आज पर निर्भर करता है। अगर आप अपने आज को साधनापूर्ण, शांतिपूर्ण और सुंदर बना लोगे तो निश्चित रूप से आपका कल भी वैसा ही होगा। आनेवाले कल की चिंता आज नहीं करनी चाहिए, लेकिन आज की चिंता अवश्य करनी चाहिए। परंतु समस्या यह है कि लोग आनेवाले कल की चिंता तो बहुत करते हैं, पर आज की जरा भी नहीं करते। मैं आपको कुछ संकल्प करने को कहूंगी तो उसको आप आसानी से तोड़ सकते हो। परंतु जब आप ख़ुद संकल्प करोगे कि मैं यह करूंगा, तो आप उसे खुशी से कर लोगे। आपका अहंकार और अपने प्रति प्यार आपको उस संकल्प को पूरा करने के लिए मजबूर करेगा। इसलिए यह विचार अवश्य करना चाहिए कि हम अपने जीवन की नैया को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। नहीं तो सच बात यह है कि समय भागा जा रहा है। उपनिषद् में कहा है कि वास्तव में समय नहीं बीतता, हम बीत जाते हैं। 2022 नहीं बीता, हम बीत गए हैं। इस नए वर्ष में कुछ नए गुण, नई सोच, नई विधा, नया चिंतन और कुछ अच्छे कर्म आप अपने जीवन में ले आएं। किसी नादान की तरह मत जीएं। जीएं तो एक जाग्रत व्यक्ति की तरह होशपूर्वक जीएं। जाग्रत व्यक्ति की तरह जीने के लिए आपको जाग्रत व्यक्ति के साथ होना पड़ेगा। जाग्रत व्यक्ति के साथ होने का मतलब है कि वे जो ज्ञान दे रहे हैं, उस ज्ञान के साथ रहना। सत्संग के साथ, विचार के साथ, चिंतन के साथ जीएं। हमारे विचार ऐसे उत्तम होने चाहिए कि हमारे हाथ से कभी कुछ गलत हो ही नहीं। हमारी जीभ कुछ गलत बोले ही नहीं, हमारी आंख कुछ गलत देखे ही नहीं, हमारे कान कुछ गलत सुनें ही नहीं। याद रखना इस बात को कि जो कुछ आप अपने अंदर डालोगे, वही आपसे बाहर आएगा। वही देखें और सुनें, जिससे मन में प्रेम, करुणा, दया इत्यादि भावनाएं निर्मित हों। वही सुनें, जिससे साधना, ज्ञान, वैराग्य, भक्ति बढ़ती जाए। जिनसे मन में क्रोध, लोभ, कामना, दुविधा बढ़े, ऐसी चीजों से अपनी इंद्रियों को बचाएं। अगर आप भक्ति और ज्ञान की राह पर चलना चाहते हैं, तो आपको यह बात समझनी ही होगी कि आप बेहोशी में जीवन को नहीं जी सकते। समझदारी, सूझ-बूझ और होशपूर्वक जीवन जीने से आप अपने मन को अशांत होने से बचा सकते हैं। मन शांत, सात्त्विक और शुद्ध रहेगा, तो फिर प्रभु उस मन में बड़ा सुंदर आसन जमाकर बैठ जाएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सम्पत्ति 54.12 लाख करोड़ रुपये के पार जा चुकी है, जिससे 18 महीनों तक देश का पूरा बजट चलाया जा सकता है

अरबपतियों की संख्या बढ़ना अच्छा है पर गरीबों की आर्थिक सेहत कब सुधरेगी?

योगेश कुमार गोयल

> गरीबी उन्मूलन के लिए कार्यरत संस्था ऑक्सफैम इंटरनेशनल की वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक से ठीक पहले आई रिपोर्ट 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट : द इंडिया स्टोरी' में इसे लेकर कई चौंका देने वाले खुलासे किए गए हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 21 सबसे अमीर अरबपतियों के पास इस समय देश के 70 करोड़ लोगों से भी ज्यादा धन-दौलत है और वर्ष 2021 में भारत की कुल संपत्ति में से 62 फीसदी हिस्से पर देश के केवल 5 प्रतिशत लोगों का ही कब्जा था जबकि भारत की निचले तबके की बहुत बड़ी आबादी का देश की केवल तीन फीसदी सम्पत्ति पर ही कब्जा रहा। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2020 में अरबपतियों की संख्या 102 थी, जो 2022 में 166 पर पहुंच गई पिछले साल नवम्बर तक भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति में 121 फीसदी तक बढ़ोतरी देखी गई।

दुनियाभर में अमीरी और गरीबी के बीच खाई निरन्तर बढ़ती जा रही है, जो कोरोना काल के बीच और तेजी से बढ़ी है। इसी बढ़ती खाई को लेकर पूरी दुनिया में एक नई बहस छिड़ी है। गरीबी उन्मूलन के लिए कार्यरत संस्था ऑक्सफैम इंटरनेशनल की वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक से ठीक पहले आई रिपोर्ट 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्टः द इंडिया स्टोरी' में इसे लेकर कई चौंका देने वाले खुलासे किए गए हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 21 सबसे अमीर अरबपतियों के पास इस समय देश के 70 करोड़ लोगों से भी ज्यादा धन-दौलत है और वर्ष 2021 में भारत की कुल संपत्ति में से 62 फीसदी हिस्से पर देश के केवल 5 प्रतिशत लोगों का ही कब्जा था जबकि भारत की निचले तबके की बहुत बड़ी आबादी का देश की केवल तीन फीसदी सम्पत्ति पर ही कब्जा रहा। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2020 में अरबपतियों की संख्या 102 थी, जो 2022 में 166 पर पहुंच गई पिछले साल नवम्बर तक भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति में 121 फीसदी तक बढ़ोतरी देखी गई। एक ओर जहां आम आदमी कोरोना महामारी के दौर में पेट भरने का जुगाड़ करने के लिए संसाधन जुटाने को तरसता रहा, नौकरी संबंधी समस्याओं का सामना करता रहा, वहीं उस दौर में भी भारत के अरबपतियों की दौलत में प्रतिदिन 3608 करोड़ रुपये प्रतिदिन बढ़े। ऑक्सफैम की इस रिपोर्ट में पिछले दस वर्षों में देश में पैदा हुई सम्पत्ति के गैर-बराबर बंटवारे के मुद्दे को भी उठाते हुए कहा गया है कि 2012 से 2021 के बीच भारत में जितनी भी संपत्ति अस्तित्व में आई, उसका 40 प्रतिशत हिस्सा देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के हाथ में गया जबकि 50 फीसदी जनता के हाथ में केवल तीन फीसदी सम्पत्ति ही आई। रिपोर्ट के अनुसार भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सम्पत्ति 54.12 लाख करोड़ रुपये के पार जा चुकी है, जिससे 18 महीनों तक देश का पूरा बजट चलाया जा सकता है। यही कारण है कि सरकार को सलाह दी जाती रही है कि यदि भारतीय अरबपतियों की कुल सम्पत्ति पर महज दो फीसदी टैक्स ही लगा दिया जाए तो उसी से आगामी तीन वर्षों तक कुपोषण के शिकार बच्चों की सभी जरूरतों को बहुत आसानी

से पूरा किया जा सकता है। 1980 के दशक की शुरुआत में एक फीसदी धनाढ़यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर ही कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। वैसे तो पिछले कुछ वर्षों से लगातार यह तथ्य सामने आ रहे हैं कि देश की आधी सम्पत्ति देश के चंद अमीरों की तिजोरियों में बंद है और अमीर-गरीब के बीच खाई निरन्तर गहरी हो गई है लेकिन बढ़ती आर्थिक असमानता को लेकर स्थिति अब और भी बदतर होती जा रही है और यह केवल भारत की ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की समस्या है। कटु सत्य यही है कि महामारी के दौर में तो अमीर जहां और ज्यादा अमीर हुए, वहीं गरीबों तथा मध्यम वर्ग का हाल और बुरा हुआ है तथा आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में पहले भी कहा जा चुका है कि अमीर लोग महामारी के समय में आरामदायक जिंदगी का आनंद ले रहे थे जबकि स्वास्थ्य कर्मचारी, दुकानों में काम करने वाले और विक्रेता जरूरी भुगतान करने में असमर्थ थे और इस परिस्थिति से निकलने में वर्षों लग सकते हैं। ऑक्सफैम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ बेहर के मुताबिक रिपोर्ट से स्पष्ट है कि अन्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था से किस तरह सबसे बड़े आर्थिक संकट के दौरान सबसे धनी लोगों ने बहुत अधिक सम्पत्ति अर्जित की जबकि करोड़ों लोग बेहद मुश्किल से गुजर-बसर कर रहे हैं। ऑक्सफैम की पिछले साल की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि यदि कोरोना के कुबेरों से वसूली होती तो देश में आर्थिक असमानता को लेकर स्थिति इतनी खराब नहीं होती। इससे पूर्व 'रिफ्यूजी इंटरनेशनल' की एक रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ था कि कोरोना महामारी ने दुनियाभर में 16 करोड़ से भी ज्यादा ऐसे लोगों के रहने का ठिकाना छीन लिया, जो भुखमरी, बेरोजगारी तथा आतंकवाद के कारण अपने घर या देश छोड़कर दूसरी जगहों पर बस गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना महामारी सामाजिक असमानताओं को और उभार रही है। संयुक्त राष्ट्र और डेनवर विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में भी कहा जा चुका है कि महामारी के दीर्घकालिक परिणामों के चलते वर्ष 2030 तक 20.7 करोड़ और लोग बेहद गरीबी की ओर जा सकते हैं और यदि ऐसा हुआ तो दुनियाभर में बेहद गरीब लोगों की संख्या एक अरब को पार कर जाएगी। विश्व खाद्य कार्यक्रम के एक आकलन के अनुसार दुनियाभर में 82 करोड़ से भी ज्यादा लोग हर रात भूखे सोते हैं और बहुत जल्द 13 करोड़ और लोग भुखमरी तक पहुंच सकते हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरनमेंट इन फिगर्स 2020' रिपोर्ट में कहा गया था कि कोरोना से वैश्विक गरीबी दर में 22 वर्षों में पहली बार बढ़ोतरी होगी और भारत की गरीब आबादी में 1.2 करोड़ लोग और जुड़ जाएंगे, जो दुनिया में सर्वाधिक हैं। विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बढ़ती आर्थिक असमानता बेहद चिंताजनक है क्योंकि बढ़ती विषमता का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाई देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियां भी पैदा होती हैं। करीब दो वर्ष पहले भी यह तथ्य सामने आया था कि भारत के केवल एक फीसदी सर्वाधिक अमीर लोगों के पास ही देश की कम आय वाली 70 फीसदी आबादी की तुलना में चार गुना से ज्यादा और देश के अरबपतियों के पास देश के कुल बजट से भी ज्यादा सम्पत्ति है। विश्व आर्थिक पत्रिका 'फोर्ब्स' की अरबपतियों की सूची में सौ से भी ज्यादा भारतीय हैं जबकि तीन दशक पहले तक इस सूची में एक भी भारतीय नाम नहीं होता था। हालांकि देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ना हर भारतीय के लिए गर्व की बात होनी चाहिए लेकिन गर्व भी तभी हो सकता है, जब इसी अनुपात में गरीबों की आर्थिक सेहत में भी सुधार हो।

छोटे कदम, बड़े परिवर्तन

> राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार से संबंधित ठोस सलाह देने वाली तथा देश में राजनीति की पाठशाला मानी जाने वाली कंपनी 'विन्नोवेशन्स' हमारी कंपनी 'क्विकरिलेशन्स प्राइवेट लिमिटेड' का एक उपक्रम है जो विभिन्न राजनीतिक दलों और अग्रणी राजनीतिज्ञों के लिए काम करते हुए अथवा बहुत बार स्वतंत्र रूप से भी ऐसे शोध और अध्ययन करती रहती है जिनसे देश की समस्याओं, मतदाताओं के मूड आदि की सही पहचान होती है। हाल में 'विन्नोवेशन्स' का ध्यान एक ऐसे पहलू की ओर गया जिसकी लंबे समय से सिर्फ इसलिए उपेक्षा होती रही है क्योंकि विभिन्न सरकारें एफडीआई की चाह में कारपोरेट सेक्टर को खुश करने में ही व्यस्त रही हैं। पर उससे पहले कि मैं मूल विषय पर आऊं, अमेरिका में हुए एक अध्ययन की बात करना चाहूंगा ताकि मेरी बात पाठकों को आसानी से समझ आ सके। आज अमेरिका की 66 प्रतिशत यानी दो-तिहाई आबादी मोटापे का शिकार है। यदि संसद में किसी दल को दो-तिहाई बहुमत मिल जाए तो वह संविधान के एक बड़े भाग में मनचाहे संशोधन कर सकता है, देश की दशा-दिशा बदल सकता है। तो अमेरिका की यह आबादी भी देश की दशा-दिशा बदल रही है। वहां कपड़ों के प्लस-साइज़ के स्टोर खुले, एयरलाइन्स वालों ने तथा बसों, रेलों और थियेटरों में विशेष रूप से चौड़ी सीटें लगाईं ताकि लोग आराम से बैठ सकें। समस्या यह है कि अब यह रोग सिर्फ अमेरिका तक ही सीमित नहीं है बल्कि विश्व भर में फैल गया है।

शासन प्रशासन में, राजनीति में, खासकर चुनावों में छोटी-छोटी बातें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। छोटी-छोटी बातें भी चुनाव में किसी राजनीतिक दल की विजय अथवा पराजय के बड़े कारण बन जाते हैं। मतदाताओं का बहुत बड़ा वर्ग ऐसा होता है जो किसी एक राजनीतिक दल का स्थायी समर्थक अथवा विरोधी नहीं होता और वह परिस्थितियों के अनुसार और बदलती हवा के अनुसार तय करता है कि वह अपना मत किसे दे। खास बात यह है कि मतदाताओं का यह वर्ग भी कई उपवर्गों, यानी सबसेट्स में बंटा होता है और दल-निरपेक्ष मतदाताओं का यह वर्ग ही दरअसल राजनीतिक दलों के सत्तासीन होने या सत्ताविहीन होने की स्थिति बनाता है। चुनावों की सारी रणनीति इसी बात पर निर्भर करती है कि दल-विशेष इस दल-निरपेक्ष वर्ग के कितने उपवर्गों को लुभा पाता है। राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार से संबंधित ठोस सलाह देने वाली तथा देश में राजनीति की पाठशाला मानी जाने वाली कंपनी 'विन्नोवेशन्स' हमारी कंपनी 'क्विकरिलेशन्स प्राइवेट लिमिटेड' का एक उपक्रम है जो विभिन्न राजनीतिक दलों और अग्रणी राजनीतिज्ञों के लिए काम करते हुए अथवा बहुत बार स्वतंत्र रूप से भी ऐसे शोध और अध्ययन करती रहती है जिनसे देश की समस्याओं, मतदाताओं के मूड आदि की सही पहचान होती है। हाल में 'विन्नोवेशन्स' का ध्यान एक ऐसे पहलू की ओर गया जिसकी लंबे समय से सिर्फ इसलिए उपेक्षा होती रही है क्योंकि विभिन्न सरकारें एफडीआई की चाह में कारपोरेट सेक्टर को खुश करने में ही व्यस्त रही हैं। पर उससे पहले कि मैं मूल विषय पर आऊं, अमेरिका में हुए एक अध्ययन की बात करना चाहूंगा ताकि मेरी बात पाठकों को आसानी से समझ आ सके। आज अमेरिका की 66 प्रतिशत यानी दो-तिहाई आबादी मोटापे का शिकार है। यदि संसद में किसी दल को दो-तिहाई बहुमत मिल जाए तो वह संविधान के एक बड़े भाग में मनचाहे संशोधन कर सकता है, देश की दशा-दिशा बदल सकता है। तो अमेरिका की यह आबादी भी देश की दशा-दिशा बदल रही है। वहां कपड़ों के प्लस-साइज़ के स्टोर खुले, एयरलाइन्स वालों ने तथा बसों, रेलों और थियेटरों में विशेष रूप से चौड़ी सीटें लगाईं ताकि लोग आराम से बैठ सकें। समस्या यह है कि अब यह रोग सिर्फ अमेरिका तक ही सीमित नहीं है बल्कि विश्व भर में फैल गया है और विकासशील देशों में भी इसने पैर पसार लिये हैं। यहां तक कि विश्व स्वास्थ्य संगठन, यानी डब्ल्यूएचओ ने इसकी गंभीरता बताने के लिए इसे 'ग्लोबैसिटी' (ग्लोबल ओबैसिटी : वैश्विक मोटापा) का नाम दिया है। अमेरिका का सारा भोजन जंक फूड पर आधारित है। बर्गर, पिज्ज़ा, हॉट डॉग आदि में आलू-प्याज-टमाटर की कितनी ही कतलें डाल लें, सड़े आटे से बने ये सुविधाजनक भोज्य पदार्थ (कान्विनिएंस फूड) और इनके साथ पिये जाने वाले सॉफ्ट ड्रिंक वस्तुत) मोटापे का बड़ा कारण हैं। इस भोजन से भूख तो मिटती है लेकिन पोषण नहीं मिलता। हर नुक्कड़, हर मोड़ पर आसानी से उपलब्ध होने वाला यह भोजन पूरे विश्व की सेहत बिगाड़ रहा है लेकिन इनके आकर्षक विज्ञापन, बनाने, मंगाने और खाने की सुविधा के कारण इनका प्रचलन दुनिया भर में बढ़ता चला जा रहा है जो पूरी दुनिया को बीमार बना रहा है। भारतवर्ष में जैसे-जैसे इनका प्रचलन बढ़ा है, मोटापा तथा मोटापा-जनित बीमारों की संख्या भी उसी तेजी से बढ़ रही है। यह रुझान अभी इतना बड़ा नहीं नजर आता कि नीति-निर्धारकों की निगाह में आए, लेकिन जल्दी ही यह हमारे देश के लोगों के जीने (और यहां तक कि मरने) के ढंग को बदल देगा। भारतवर्ष में अभी जंक फूड के साथ-साथ भारतीय भोजन परोसने वाले ढाबों और रेस्तराओं की भी भरमार है, पर यह स्थिति कब बदल जाए, कहा नहीं जा सकता। आइए, अब मूल बात की ओर चलते हैं। भाजपा को सदैव से हिंदू समर्थक और व्यापारी समर्थक दल माना जाता है। भाजपा जब-जब सत्ता में आई है, व्यापारी वर्ग को कुछ न कुछ लाभ अवश्य मिला है। मोदी लंबी पारी खेलना चाहते हैं, इसलिए एक तरफ तो वे कारपोरेट सेक्टर को सुविधाएं दे रहे हैं, लेकिन वे छोटे व्यापारियों को भी यह महसूस नहीं होने देना चाहते कि उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है, हालांकि ऑनलाइन व्यापार की बढ़त के कारण अभी तक पारंपरिक व्यापार में शामिल लोगों को ऐसा कुछ नज़र नहीं आया है जिसे वे राहत मान सकें। नॉन-कारपोरेट सेक्टर माने जाने वाले छोटे व्यापारियों के विभिन्न वर्गों में छोटे व्यापारी, ट्रांसपोर्टर्स, ट्रक ऑपरेटर्स, लघु उद्यमी, हॉकर्स, स्वरोजगार एवं महिला उद्यमी शामिल हैं। इन सबका आग्रह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को बेहतर गति प्रदान करने के लिए अब सरकार को अपना ध्यान कॉर्पोरेट सेक्टर से हटाकर नॉन-कॉर्पोरेट सेक्टर पर केंद्रित करना चाहिए क्योंकि विगत लम्बे समय से नॉन-कॉर्पोरेट सेक्टर ने सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में योगदान, घरेलू उत्पाद, निर्यात एवं रोजगार के क्षेत्रों में कार्पोरेट सेक्टर को पीछे छोड़ा है। वस्तुस्थिति यह है कि आज़ादी से लेकर अब तक सदा नॉन-कॉर्पोरेट सेक्टर की बेहद उपेक्षा की गयी है। नॉन-कार्पोरेट सेक्टर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें हर स्तर के व्यक्ति के खपने की सुविधा है। सडक़ों के किनारे फड़ी लगाने वाले, ट्रैफिक लाइटों पर सामान बेचने वाले लोगों में आपको छोटे बच्चे, महिलाएं और दिव्यांग लोगों की भरमार मिलेगी जिससे कार्पोरेट सेक्टर महरूम है। इसके बावजूद एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि बैंक नॉन-कॉर्पोरेट सेक्टर को ऋष्ण देने में असफल हुए हैं क्योंकि अब तक इस सेक्टर के केवल 6 प्रतिशत लोगों को ही बैंकों से कजऱ् मिल पाया है, जबकि बचे 96 प्रतिशत लोग आज भी प्राइवेट मनी लेंडर या अन्य स्रोतों से कजऱ् लेने के लिए मजबूर हैं। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन रिटेल के कारण ऑफलाइन ट्रेड की चुनौतियों का जिक़्र करें तो हम पाते हैं कि रिटेल व्यापार और रिटेल ई-कॉमर्स व्यापार में एफडीआई की अनुमति के मामले में भी विसंगतियां स्पष्ट हैं। हमें यह भी स्वीकार करना ही होगा कि समय की सूइयों को वापिस नहीं घुमाया जा सकता और तकनीकी प्रगति के चलते होने वाले परिवर्तनों की अनदेखी भी नहीं की जा सकती। ग्राहकों को ऑनलाइन व्यवसाय से मिलने वाली सुविधाएं अधिक आकर्षित करती हैं तो अंततः बाज़ार में भी वही टिकेगा जिसे ग्राहक पसंद करेंगे। यही कारण है कि आज कोई भी सरकार ऑनलाइन ट्रेड की उपेक्षा करने की स्थिति में नहीं है। उद्यम की ओर प्रवृत्त होने वाला युवा वर्ग भी तकनीक का इस्तेमाल करके इसे वैश्विक स्तर पर ले जाने का इच्छुक है, यही कारण है कि ऑनलाइन ट्रेड का चलन तेज़ी से बढ़ रहा है। किसी भी सरकार के लिए समाज के विभिन्न वर्गों की अपेक्षाओं का संतुलित करना आसान नहीं होता। ऑनलाइन व्यापार अब शायद विश्व भर में अपनी सुविधा के लिए बढ़त पर है जिससे ऑफलाइन ट्रेड घबराया हुआ है। ऐसे में देखना होगा कि मोदी सरकार नॉन-कारपोरेट सेक्टर की आशाओं पर खरा उतरने के लिए क्या करती है? सरकार का निर्णय आम जनता को एक छोटा-सा कदम लग सकता है, पर उसके किसी भी निर्णय से बड़े परिवर्तन के आसार से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

नागरिक बोध

भारत में गरीबी-अमीरी की खाई

आजकल हम भारतीय लोग इस बात से बहुत खुश होते रहते हैं कि भारत शीघ्र ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। लेकिन दुनिया के इस तीसरे सबसे बड़े मालदार देश की असली हालत क्या है? इस देश में गरीबी भी उतनी ही तेजी से बढ़ती जा रही है, जितनी तेजी से अमीरी बढ़ रही है। अमीर होनेवालों की संख्या सिर्फ सैकड़ों में होती है लेकिन गरीब होनेवालों की संख्या करोड़ों में होती है। ऑक्सफॉम के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में सिर्फ 64 अरबपति बढ़े हैं। सिर्फ 100 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 54.12 लाख करोड़ रु. है याने उनके पास इतना पैसा है कि वह भारत सरकार के डेढ़ साल के बजट से भी ज्यादा है। सारे अरबपतियों की संपत्ति पर मुश्किल से 2 प्रतिशत टैक्स लगता है। इस पैसे से देश के सारे भूखे लोगों को अगले तीन साल तक भोजन करवाया जा सकता है। यदि इन मालदारों पर थोड़ा ज्यादा टैक्स लगाया जाए और उपभोक्ता वस्तुओं का टैक्स घटा दिया जाए तो सबसे ज्यादा फायदा देश के गरीब लोगों को ही होगा। अभी तो देश में जितनी भी संपदा पैदा होती है, उसका 40 प्रतिशत सिर्फ 1 प्रतिशत लोग हजम कर जाते हैं जबकि 50 प्रतिशत लोगों को उसका 3 प्रतिशत हिस्सा ही हाथ लगता है। अमीर लोग अपने घरों में चार-चार कारें रखते हैं और गरीबों को खाने के लिए चार रोटी भी ठीक से नसीब नहीं होती। ये जो 50 प्रतिशत लोग हैं, इनसे सरकार जीएसटी का कुल 64 प्रतिशत पैसा वसूलती है जबकि देश के 10 प्रतिशत सबसे मालदार लोग सिर्फ 3 प्रतिशत टैक्स देते हैं। इन 10 प्रतिशत लोगों के मुकाबले निचले 50 प्रतिशत लोग 6 गुना टैक्स भरते हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को अपनी रोजमर्रा के जरूरी चीजों को खरीदने पर बहुत ज्यादा टैक्स भरना पड़ता है, क्योंकि वह बताए बिना ही चुपचाप काट लिया जाता है। इसी का नतीजा है कि देश के 70 करोड़ लोगों की कुल संपत्ति देश के सिर्फ 21 अरबपतियों से भी कम है। साल भर में उनकी संपत्तियों में 121 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब जो नया बजट आनेवाला है, शायद सरकार इन ताजा आंकड़ों पर ध्यान देगी और भारत की टैक्स-व्यवस्था में जरुर कुछ सुधार करेगी। देश कितना ही मालदार हो जाए लेकिन यदि उसमें गरीबी और अमीरी की खाई बढ़ती गई तो वह संपन्नता किसी भी दिन हमारे लोकतंत्र को परलोकतंत्र में बदल सकती है।

देश दुनीया से

'मक्खियों' के सिर से यदि चीन हटा ले हाथ

लश्कर-ए-तैयबा उप-प्रमुख अब्दुल रहमान मक्की अब दुनिया भर के लिए खतरा मान लिया गया है। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर या लश्कर-ए-तैयबा मुखिया हाफिज मोहम्मद सईद की तरह उसे भी अब 'वैश्विक आतंकवादी' करार दे दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की '1267 अल-कायदा समिति' के नियमों के तहत ऐसा किया गया है, जो भारत सहित सभी अमन-पसंद मुल्कों के लिए एक उपलब्धि है। अमेरिका ने नवंबर, 2010 में ही मक्की को दहशतगर्द घोषित कर दिया था और तब से यह कोशिश चल रही थी कि संयुक्त राष्ट्र भी इसे 'वैश्विक आतंकी' घोषित करे। मगर जब भी भारत और अमेरिका समर्थित यह प्रस्ताव सुरक्षा परिषद में आता, तो चीन यह कहकर 'टेक्निकल' रोक लगा देता कि उसे और सूचनाओं की दरकार है। नतीजतन, भारत ने रणनीति बदली और अपने मित्र राष्ट्रों की सहायता से चीन को वैश्विक मंचों पर घेरना शुरू कर दिया। इसी रणनीति के तहत वोटिंग की मांग की जाती रही, जिसमें चीन साफ-साफ अलग नजर आता रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि अपनी इज्जत बचाने के लिए भी वह 'टेक्निकल' रोक जैसे कदमों से बचने लगा, और भारत के लिए राह आसान हो गई। मसूद अजहर को भी भारत ने इसी तरह वैश्विक आतंकी घोषित करवाया था। फिर भी, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान की मदद करने और भारत के साथ दुश्मनी निभाने का कोई भी मौका शायद ही चीन छोड़ना पसंद करेगा। हाफिज सईद के बाद मक्की न सिर्फ लश्कर-ए-तैयबा को संभाल रहा था, बल्कि सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देशों से संगठन के लिए फंड भी जुटाता था। वैश्विक आतंकी घोषित होने के बाद अब उसकी ये तमाम गतिविधियां बंद हो जाएंगी। दरअसल, वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने के बाद मूलतः तीन तरह की पाबंदी लगाई जाती है। पहली, घोषित आतंकी के कहीं आने-जाने, यानी देश से बाहर आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। दूसरी, उसकी फंडिंग रोक दी जाती है

> संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की '1267 अल-कायदा समिति' के नियमों के तहत ऐसा किया गया है, जो भारत सहित सभी अमन-पसंद मुल्कों के लिए एक उपलब्धि है। अमेरिका ने नवंबर, 2010 में ही मक्की को दहशतगर्द घोषित कर दिया था और तब से यह कोशिश चल रही थी कि संयुक्त राष्ट्र भी इसे 'वैश्विक आतंकी' घोषित करे। मगर जब भी भारत और अमेरिका समर्थित यह प्रस्ताव सुरक्षा परिषद में आता, तो चीन यह कहकर 'टेक्निकल' रोक लगा देता कि उसे और सूचनाओं की दरकार है। नतीजतन, भारत ने रणनीति बदली और अपने मित्र राष्ट्रों की सहायता से चीन को वैश्विक मंचों पर घेरना शुरू कर दिया।

व तमाम संपत्ति जब्त कर ली जाती है और तीसरी, किसी भी तरह से उसे हथियार मुहैया कराना संभव नहीं रह जाता। वह भी प्रतिबंधित हो जाता है। जाहिर है, इससे वह अपने संगठन के लिए एक 'सफेद हाथी' बन जाता है। चूंकि ये अनिवार्य प्रावधान हैं, इसलिए दुनिया के हर देश इन पर अमल करते हैं। हालांकि, भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उसके इस दावे को पर्याप्त बल मिलता है कि पाकिस्तान आतंकियों को खाद-पानी देने का काम कर रहा है, जो न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए भी खतरा हैं। पाकिस्तान की जमीन पर पलने वाले जितने अधिक आतंकी सुरक्षा परिषद् की वैश्विक आतंकी सूची में शामिल होंगे, जाहिर है कि भारत उतनी अधिक मजबूती से खुद को विश्व मंच पर पेश करेगा। रही बात चीन की, तो उसने बेशक मजबूरी में अपनी 'टेक्निकल' रोक हटाई है, लेकिन वह यही जताने की कोशिश करेगा कि उसने भारत की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया है, और वह क्षेत्रीय स्थिरता का हिमायती है। मगर शायद ही भारत इस झांसे में आएगा। फिर, इस सच्चाई से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि इन दिनों चीन की अर्थव्यवस्था कमजोर हो गई है और पिछले साल इसमें महज तीन प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जिसका मतलब है कि उसे अपनी आर्थिकी संभालने के लिए भारत जैसे बड़े बाजार की सख्त जरूरत है। बहरहाल, इस पूरे घटनाक्रम पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिता काफी दिलचस्प हो सकती है। पिछले साल जब इसी प्रस्ताव पर चीन ने रोक लगाई थी, तब पाकिस्तान ने कई तरह से अपनी खुशी जाहिर की थी। उसने तमाम तरह की डींगें भी हांकी थीं। अब इस प्रतिबंध पर उसका क्या रुख होगा, यह गौरतलब है? वैसे, अगर वह चीन से खफा भी होता है, तो उसकी नाराजगी शायद ही मायने रखेगी, क्योंकि बीजिंग पर वह काफी हद तक निर्भर है।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने इस्तीफा देकर चौंकाया, बोलीं- अब नहीं बची ऊर्जा

वेलिंगटन ।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने इस्तीफा देने का एलान कर चौंका दिया। गुरुवार को पार्टी की वार्षिक कॉकस बैठक में जेसिंडा ने कहा कि काम करने के लिए अब ऊर्जा नहीं बची है। अब इस्तीफा देने का समय है। मैं जा रही हूं, क्योंकि इस तरह की खास भूमिका के साथ जिम्मेदारी जुड़ी होती है। यह जानने की जिम्मेदारी कि आप नेतृत्व करने के लिए कब सही व्यक्ति हैं और कब नहीं। मुझे पता है कि इस काम के लिए कितनी मेहनत लगती है। मुझे पता है कि मेरे पास इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए अब पर्याप्त शक्ति नहीं बची है।

7 फरवरी को समाप्त होगा कार्यकाल - प्रधानमंत्री के रूप में जेसिंडा का कार्यकाल 7 फरवरी को समाप्त होगा। उन्होंने कहा, मैं इंसान हूं, राजनेता भी इंसान होते हैं। जब तक हम कर सकते हैं, हम वह सब करते हैं जो हम कर सकते हैं। जेसिंडा ने कहा कि मैंने गर्मियों की छुट्टी के दौरान विचार किया था कि क्या मेरे पास भूमिका में बने रहने की ऊर्जा है या नहीं और निष्कर्ष निकला कि ऊर्जा नहीं थी।

जीवन के सबसे संतोषजनक साढ़े पांच साल - जेसिंडा ने कहा, ये मेरे जीवन के सबसे संतोषजनक साढ़े पांच साल रहे हैं। लेकिन इसकी अपनी चुनौतियां भी हैं- आवास, बाल गरीबी और जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित एजेंडा के बीच हमने एक घरेलू आतंकी घटना, एक बड़ी प्राकृतिक आपदा, एक वैश्विक महामारी और एक आर्थिक संकट का सामना किया है। अर्डर्न ने कहा कि उनके पास अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के अलावा भविष्य की कोई योजना नहीं है। यह पूछे जाने पर कि न्यूजीलैंड के लोग उनके नेतृत्व को कैसे याद रखेंगे, अर्डर्न ने कहा कि एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो हमेशा दयालु बनने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा, मैं इसलिए नहीं जा रही हूं क्योंकि मेरा मानना है कि हम चुनाव नहीं जीत सकते, बल्कि इसलिए कि मुझे विश्वास है कि हम जीत सकते हैं और जीतेंगे और हमें उस चुनौती के लिए नए नेतृत्व की जरूरत है।

वित्त मंत्री ग्रांट रॉबर्टसन दौड़ में सबसे आगे - अर्डर्न की जगह कौन लेगा, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। उप नेता और वित्त मंत्री ग्रांट रॉबर्टसन को इस भूमिका के लिए सबसे आगे माना जाएगा। हालांकि उन्होंने गुरुवार को कहा कि वह इस पद की मांग नहीं करेंगे। एक बयान में उन्होंने कहा कि मैं खुद को लेबर पार्टी के नेतृत्व का उम्मीदवार बनने के लिए आगे नहीं रख रहा हूं। 2017 में जेसिंडा दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला प्रधानमंत्री बनी थीं।

न्यूज ब्रीफ

सूखे के चलते बंद हो गई अमेरिकी कस्बे की पानी सप्लाई, अब टॉयलेट साफ करने के लिए भी बारिश के पानी पर निर्भर

वाशिंगटन । एरिजोना इन दिनों सूखे की चपेट में है। पानी बचाने के लिए लोग नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इस बीच यहां के एक शहर स्कॉट्सलेट ने रियो वर्डे की जल आपूर्ति ही रोक दी है, जिससे सैकड़ों परिवार एक जनवरी से पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। स्कॉट्सलेट के इस विवादास्पद कदम से आक्रोशित लोगों ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया हैं। उधर, स्कॉट्सडेल का कहना है कि वह रियो वर्डे की जल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार नहीं है। स्कॉट्सलेट ने कहा है कि वह कई वर्षों से रियो वर्डे को चेतावनी और सलाह देता आ रहा है कि वह सूखे की अवधि के दौरान हमारी आपूर्ति पर निर्भर नहीं रह सकता। रियो वर्डे के करीब 500 से ज्यादा घर ऐसे हैं, जहां पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं है। लोग दैनिक कार्यों के लिए नए-नए और कठिन प्रयोग कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे टॉयलेट के लिए बारिश के पानी का उपयोग कर रहे हैं तो खाने के लिए पेपर की प्लेट प्रयोग में ला रहे हैं, जिससे पानी बच सके। वहीं एक अन्य निवासी डी थॉमस ने बताया कि वह अपने परिवार की जरूरतों के लिए पूल में इकट्ठा हुए बारिश के पानी को प्रयोग करने के लिए मजबूर है। आम दिनों में वह इसका प्रयोग नहाने के लिए करते हैं। उधर, स्थानीय निवासियों की ओर से इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुकदमे में कहा गया है, परिवारों के लिए खुद नहाने या अपने शौचालयों को फ्लश करने के लिए पानी नहीं है। यहां तक की उनके पास पीने का पानी भी नहीं बचा है, जो एक बुनियादी आवश्यकता है। उधर, राज्य के सांसदों द्वारा हाल ही में एक बिल पेश किया गया है।

मास्क न पहनने पर भारतीय मूल की महिला पर हुई थी नस्लीय टिप्पणी, छाती पर मारी गई थी लात

सिंगापुर । सिंगापुर में दो साल पहले भारतीय मूल की महिला पर हुए हमले और नस्लीय टिप्पणी मामले में अदालती सुनवाई हुई। इस दौरान पीड़ित महिला हिंडोचा नीता विष्णुभाई ने सात मई, 2021 को कांग हाउसिंग एस्टेट में हुई घटना का जिक्र किया है। पीड़ित महिला ने बताया है कि आरोपी ने उस पर नस्लीय टिप्पणी की और उसकी छाती पर लात मारी थी। वहीं आरोपी वोंग जिंग फोंग ने खुद पर लगे आरोपों से इनकार किया है। बुधवार को मामले में पहले ट्रायल के दिन पीड़ित हिंडोचा अदालत में पेश हुई। वह आरोपी जिंग फोंग को देखते ही रोने लगी, जिसके बाद न्यायाधीश शैफुद्दीन सरुवन ने मामले को थोड़ी देर के लिए रोक दिया। करीब 30 मिनट बाद सुनवाई फिर से शुरू हुई, जिसके बाद हिंडोचा ने अदालत को बताया कि हमले के बाद वह काफी डरी हुई थी और रो रही थी। हिंडोचा ने बताया कि घटना उस समय की है, जब कोरोना को लेकर सिंगापुर में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया था। पीड़िता ने बताया कि वह आमतौर पर तेज कदमों से चलती है, ऐसे में सांस लेने के लिए उसने अपना मास्क थोड़ा नीचे कर लिया था।

तिब्बत में एवलांच, 8 की मौतः कई लापता लोगों की तलाश 24 घंटे बाद भी जारी, चीन ने रातोंरात 131 लोगों की टीम भेजी

ल्हासा। तिब्बत में एवलांच की चपेट में आने से 8 लोगों की मौत हो गई । स्टेट मीडिया के मुताबिक हादसा तिब्बत के दक्षिण-पश्चिमी इलाके न्यिंगची शहर में डोक्सोंग ला सुरंग के पास हुआ। चीनी सरकार ने घटनास्थल पर रेस्क्यू टीम भेजी है। ये टीम मृतकों के शवों को बाहर निकाल रही है। साथ ही लापता लोगों की तलाश में जुटी है।मंगलवार रात 8 बजे के करीब हुए हादसे के बाद कई वाहन और लोग डोक्सोंग ला सुरंग के पास फंसे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के 24 से ज्यादा घंटे बीत चुके हैं। लोकल अधिकारियों ने बताया कि अभी यह पता नहीं लग पाया है कि कितने लोग लापता हैं। घटना की जानकारी मिलते ही 131 लोगों के सुरक्षा दलों और 28 वाहनों को बचाव कार्य के लिए भेजा गया था।

यूएन चीफ ने दी बड़े खतरों की चेतावनी

जेलेंस्की बोले- जंग खत्म करने के लिए पूरी दुनिया के समर्थन की जरूरत

दावोस ।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बुधवार को विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में वैश्विक हालातों पर चिंता जाहिर की है। इस दौरान उन्होंने इन हालातों से निपटने के तरीकों को लेकर चेतावनी भी दी है। उन्होंने कहा कि दुनिया कई मोर्चों पर बड़े संकटों का सामना कर रही है। इस पर अब तक बहुत कुछ किया भी जा चुका है। इसके अलावा इन बड़े खतरों के नुकसान को नियंत्रित करने और अवसरों का लाभ लेने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने विशेष संबोधन दिया। इसमें उन्होंने जीवाश्म ईंधन के प्रति बढ़ती निर्भरता को कम करने और प्रकृति के खिलाफ किए रहे युद्ध को रोकने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दुनिया पर मंडरा रहे बड़े संकटों से निपटने के लिए कोई सटीक समाधान नहीं होता है, लेकिन हम नुकसान को नियंत्रित करने और अवसरों को हासिल करने के लिए काम कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अब इस बात की जरूरत पहले से कहीं अधिक है कि हम अपनी खंडित दुनिया में सहयोग के रास्ते तैयार करें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मैं यहां उस चुनौती के पैमाने या हमारी दुनिया की दयनीय स्थिति को गले लगाने के लिए नहीं हूं। हम समस्याओं का सामना तब तक नहीं कर सकते जब तक कि हम उन्हें पूरी तरह से आंखों में न देखें। हमारी दुनिया कई मोर्चों पर बड़े खतरों से त्रस्त है। जलवायु परिवर्तन, भूख, संघर्ष, वित्तीय संकट, मानवाधिकारों का उल्लंघन, वैश्विक विभाजन सरीखी कई समस्याएं हैं। दुनिया के कई हिस्से मंदी का सामना कर रहे हैं। बावजूद इसके इन पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

अर्थशास्त्रियों ने जताई 2023 में वैश्विक मंदी की आशंका - विश्व आर्थिक मंच के अधिकांश मुख्य अर्थशास्त्रियों ने 2023 में वैश्विक मंदी की आशंका जताई है। उन्होंने अमेरिका और यूरोप में और अधिक मौद्रिक तंगी का भी अनुमान जताया है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में एक रिपोर्ट जारी की गई है। ये

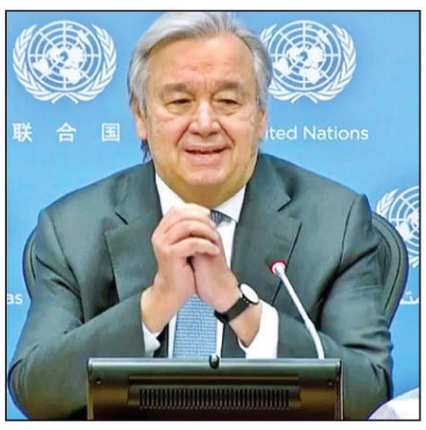

निष्कर्ष डब्ल्यूईएफ की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक के दौरान मुख्य अर्थशास्त्री आउटलुक: जनवरी 2023 नाम से जारी एक रिपोर्ट का हिस्सा हैं। लगभग दो-तिहाई मुख्य अर्थशास्त्रियों का मानना है कि 2023 में वैश्विक मंदी आने के आसार है। इनमें से 18 प्रतिशत इसे अत्यंत संभावित मानते हैं। यह सितंबर 2022 में किए गए पिछले सर्वेक्षण की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। डब्ल्यूईएफ ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि एक तिहाई उत्तरदाताओं का मानना है कि इस साल वैश्विक मंदी की संभावना नहीं है। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि एक आम सहमति बनी हुई है कि 2023 में आर्थिक विकास की संभावनाएं धूमिल हैं। इसमें खासकर यूरोप और अमेरिका की स्थिति और खराब होने वाली है।

रूस-यूक्रेन युद्ध दो व्यवस्थाओं के बीच की जंग - यूक्रेनी नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ऑलेक्ज़ेंड्रा मत्वीचक ने मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाले देशों के लिए चिंता जताई है। दावोस में बुधवार को विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2023 के दौरान लोकतंत्र पर एक सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाले देश पूरी दुनिया के लिए खतरा हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन में युद्ध सिर्फ दो राज्यों के बीच का युद्ध नहीं है। यह दो व्यवस्थाओं - अधिनायकवाद और लोकतंत्र के बीच युद्ध है।

गौरतलब है कि ऑलेक्ज़ेंड्रा मत्वीचक कीव स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज की प्रमुख हैं। उन्हें 2022 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वे उन लोगों के साथ काम करती हैं जो रूसी कैद से बच गए थे।

रूस ने आतंकियों के बीच बनाई जगह - यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लगभग एक साल होने को आया है। इस मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने बुधवार को विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि रूस को युद्ध शुरू करने के लिए कुछ सेकंड चाहिए थे, लेकिन दुनिया ने उसपर प्रतिबंध लगाने में कई दिन लगा दिए। इस दौरान ज़ेलेंस्की ने कहाकि रूस ने आतंकवादियों के बीच एक जगह अर्जित की है। उन्हें अपनी गलतियों को पहचानना चाहिए और उन्हें हमारी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान कीव से एक विशेष ऑनलाइन संबोधन में उन्होंने कहा कि जब रूस ने बिना किसी हिचकिचाहट के क्रीमिया पर आक्रमण किया तो दुनिया उस पर प्रतिबंध लगाने में हिचकिचा रही थी। वैश्विक समुदाय से रूस के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया को अब संकोच नहीं करना चाहिए। दुनिया को रूस की तुलना में तेज़ी से आगे बढ़ना चाहिए।

जेलेंस्की ने कहा कि वह हम नहीं थे जिन्होंने युद्ध शुरू किया था। हालांकि अब हमें ही इस युद्ध को समाप्त करना होगा। इसके लिए पूरी दुनिया को यूक्रेन का समर्थन करने के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि इस युद्ध को जीतने और संकट से उबारने के लिए यूक्रेन को सेना के साथ-साथ वित्तीय सहायता की भी जरूरत है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता नहीं है, वह कहीं नहीं जाना चाहते हैं और युद्ध लड़ने के लिए उन्हें बस गोला-बारूद की जरूरत है।

अमेरिका के मैरीलैंड में लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं अरुणा मिलरः भगवत गीता पर ली शपथ; पद संभालने वाली पहली इंडियन-अमेरिकन सिटीजन

मैरीलैंड।

भारत में पैदा हुईं अरुणा मिलर ने अमेरिका में इतिहास रच दिया है। वे अमेरिका के मैरीलैंड राज्य की पहली इंडियन-अमेरिकन लेफ्टिनेंट गवर्नर बन गई हैं। उन्होंने भगवत गीता पर हाथ रखकर शपथ ली और पद संभाला। 58 साल की अरुणा का जन्म भारत के हैदराबाद में हुआ था। वे 1972 में अपने परिवार के साथ अमेरिका गई थीं। उन्हें साल 2000 में अमेरिका की नागरिकता मिली थी। अरुणा मैरीलैंड राज्य की 10वीं लेफ्टिनेंट गवर्नर हैं। 2010 से 2018 तक वे मैरीलैंड के हाउस ऑफ डेलीगेट में भी रही थीं। उन्होंने वहां अपने दो कार्यकाल पूरे किए थे। अरुणा भारतीय-अमेरिकी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर के चुनाव में कई ट्रंप समर्थकों ने उनका समर्थन किया था।

अरुणा पेशे से कैरियर ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियर हैं। उन्होंने 25 साल तक मैरीलैंड के ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट में काम किया है। उनके पिता भी एक मैकेनिकल इंजीनियर थे और 1960 के दशक में अमेरिका गए थे। 1972 में वे अपनी पत्नी और 3 बच्चों को भी अमेरिका ले गए थे। उस समय अरुणा 7 साल की थीं। अरुणा ने शपथ के बाद स्पीच में सफलता का श्रेय अपने परिवार को दिया। उन्होंने स्पीच में अमेरिका में स्कूल के पहले दिन की घटना का खास जिक्र किया। उन्होंने बताया- कोई भी मेरे जैसा नहीं दिख रहा था। मुझे अंग्रेजी बिल्कुल नहीं आती थी लेकिन मैं सबके साथ फिट होना चाहती थी। इसलिए मैंने सोचा कि जैसा बाकी बच्चे करेंगे, मैं भी ठीक वैसा ही करुंगी। मैंने उस दिन कैंटीन में पहली बार अमेरिकी खाना खाया और ठंडा दूध पीया। पहले मुझे सब ठीक लग रहा था लेकिन क्लास में पहुंचते ही मुझे उल्टी हो गई। इसके बाद मेरी मां मुझे स्कूल से घर ले गई। मैंने अपनी मां से कहा कि मुझे वापस अपनी दादी के पास भारत जाना है। बड़े होने पर एहसास हुआ कि दूसरों के बनाए स्पेस में मुझे फिट होने की कोई जरूरत नहीं है। जरूरी यह है कि मैं हर जगह जैसी सच में हूं, वैसी ही रहूं। मेरीलैंड में तीन उच्च पदों पर अश्वेत चुने गए हैं। वेस मूरे को गवर्नर चुना गया है, अरुणा लेफ्टिनेंट गवर्नर बनी हैं और एंथनी ब्राउन अर्टानी जनरल बने हैं।

सैन्य और कूटनीति में मिला करारा जवाब, तो जलयुद्ध की तैयारी कर रहा चीन! भारत ने भी कसी कमर

बीजिंग ।

कूटनीति और सैन्य नीति के मोर्चे पर भारत से करारा जवाब मिलने के बाद चीन अब नई चाल चल रहा है। भारत के साथ वह जल युद्ध लड़ने की तैयार में है। चीन के रुख को भांपते हुए अब दिल्ली सरकार उसे इस चाल में भी मात देने की तैयारी में जुट गई है। भारत नहीं चाहता कि वह किसी भी मोर्चे पर चीन से कमजोर साबित हो, ऐसे में उसने अरुणाचल प्रदेश में चीन की नई चाल के खिलाफ घेरेबंदी शुरू कर दी है।

भारत सरकार ने अरुणाचल के सुबानसिरी में चल रहे 11 हजार मेगावाट के हाईड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को फास्टट्रैक पर डाल दिया है। इसके अलावा उसने पहले से तीन स्थापित प्रोजेक्ट के विस्तार का काम भी शुरू कर दिया है।

चीन की नई चाल भारत के साथ जल युद्ध लड़ने की है। वह भारत को सूखे या फिर बाढ़ से नुकसान पहुंचाना चाहता है। इसके लिए चीन अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास यारलुंग जैंगबो नदी(ब्रह्मपुत्र) पर 60 हजार मेगावाट का डैम बना रहा है, जिसने भारत की चिंता बढ़ा दी है। अधिकारियों को चिंता है कि चीन इस डैम के जरिए ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को डाइवर्ट कर सकता है, या फिर पानी को छोड़कर भारत में

बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो अरुणाचल प्रदेश, असम, समेत कई राज्यों में समस्या उत्पन्न होगी, साथ ही बांग्लादेश पर भी असर पड़ेगा।

चीन को जल युद्ध के मोर्चे पर भी करार जवाब देने के लिए भारत ने कमर कस ली है। अरुणाचल प्रदेश में डैम प्रोजेक्ट के काम को तेज कर दिया गया है, उधर 2000 मेगावाट वाला सुबंसीरी प्रोजेक्ट इस साल के मध्य में तैयार हो जाएगा। इसके आलवा अन्य हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट भी लाइन में हैं। ये प्रोजेक्ट एक साल तक पानी स्टोर कर सकते हैं। अगर चीन डैम के जरिए पानी छोड़ता है, तो उसे रोका भी जा जकता है। बता दें, भारत के लिए ब्रह्मपुत्र नदी काफी अहम है। यह नदी का 30 प्रतिशत ताजे पानी का स्रोत है, तो 40 प्रतिशत बिजली उत्पादन भी इसी से होता है। वहीं इस नदी का 50 फीसदी हिस्सा चीन में पड़ता है, जिस पर वह डैम बना रहा है।

हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास, विदेश मंत्री बोले- भारत-मालदीव संबंधों के लिए बेहद अहम

माले ।

भारत के विदेश मंत्री तीन दिवसीय दौरे पर मालदीव और श्रीलंका के दौरे पर हैं। दौरे के तहत जयशंकर प्रसाद बुधवार को मालदीव पहुंचे। वहां मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के साथ भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान भारतीय विदेश मंत्री ने हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुनर्विकास प्रोजेक्ट को भारत और मालदीव के संबंधों के लिए ऐतिहासिक पड़ाव बताया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की मालदीव के साथ साझेदारी, एक दूसरे के हितों की पूर्ति और कल्याण की इच्छा पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि हमारी साझेदारी एक दूसरे की मदद से चुनौतियों का सामना करने के लिए है, जैसा हालिया कोरोना महामारी के दौरान देखने को मिला। आज के मुश्किल भू-राजनैतिक समय में, जब नए गतिरोधों की वजह से दुनिया का हर देश प्रभावित है। ऐसे समय में परस्पर सहयोग और साझेदारी और भी अहम हो गई है।

कार्यक्रम के बाद एक ट्वीट में जयशंकर प्रसाद ने लिखा कि मालदीव में बढ़ती भारतीय पर्यटकों की संख्या से पता चलता है कि दोनों देशों के संबंध

मजबूत हो रहे हैं। मोदी सरकार में अब आधारभूत ढांचे और कनेक्टिविटी को बेहतर करने पर फोकस किया जा रहा है। मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने कहा कि हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट काफी सुनियोजित तरीके से स्टडी के बाद शुरू किया जा रहा है। देश के माले क्षेत्र से अलग यह एक महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है।

सोलिह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की फंडिंग 2.1 बिलियन एमवीआर एक्जिम बैंक ऑफ इंडिया ने की है। साथ ही इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की जिम्मेदारी भारत की कंपनी जेएमसी को दी गई है। राष्ट्रपति सोलिह ने बताया कि इस परियोजना के पूरा होने से मालदीव के उत्तरी क्षेत्र में भी आर्थिक प्रगति देखने को मिलेगी। इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पुनर्विकास से इस इलाके में गेस्ट हाउस, होटल और पर्यटन संबंधी सुविधाओं का विकास होगा। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और यह क्षेत्र आर्थिक केंद्र के रूप में उभरेगा।

पाकिस्तान को मिला अमेरिका का साथ

यूएसए ने कहा- जितनी हो सकेगी, उतनी मदद करेंगे

वॉशिंगटन ।

गंभीर आर्थिक संकट में फंसे पाकिस्तान को अपने पुराने सहयोगी अमेरिका का समर्थन मिला है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से कम हो रहा है। इस बीच अमेरिकी सरकार के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान आर्थिक रूप से निर्भर बने। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 4.3 बिलियन डॉलर हो गया है, जिससे सिर्फ तीन हफ्ते का निर्यात किया जा सकेगा। ऐसे में अगर पाकिस्तान को जल्द मदद नहीं मिली तो उसकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा सकती है।

अमेरिकी सरकार के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बुधवार को अपनी रोजाना होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि यह (पाकिस्तान का आर्थिक संकट) एक चुनौती है और हमारी भी इस पर नजर

है। पाकिस्तान, आईएमएफ और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों के साथ बातचीत कर रहा है। वो बातचीत चल रही हैं और हम भी जहां तक कर सकते हैं वहां तक अपने पाकिस्तानी सहयोगियों की मदद करेंगे लेकिन आखिरकार यह बातचीत पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थानों के बीच का मामला है। हम चाहते हैं कि पाकिस्तान आर्थिक रूप से निर्भर बने। पाकिस्तान को आईएमएफ से मिलने वाली अगली किस्त का इंतजार है जो उसकी परेशानियों को कुछ कम कर सकती है लेकिन आईएमएफ ने अभी अगली किस्त पर रोक लगाई हुई है। इस गतिरोध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 6 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय मोनेट्री फंड की चीफ क्रिस्टालिना जियोर्जियेवा से बातचीत भी की थी। हालांकि आईएमएफ ने फिलहाल नई किस्त जारी करने पर रोक लगाई हुई है। दरअसल आईएमएफ का कहना है कि पाकिस्तान ने पिछली किस्त जारी करने के समय जो वादा किया था, वह उसे नहीं निभा रहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में आर्थिक हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि वहां खाने-पीने की जरूरी चीजों का संकट पैदा हो गया है। आटा, दाल आम आदमी की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं, साथ ही आटे-दाल की कमी भी आम जनता की परेशानी बढ़ा रही है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत के सामने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान ने भारत के साथ तीन युद्ध लड़े हैं। अब पाकिस्तान ने अपना सबक सीख लिया है। हम दोनों पड़ोसी देश हैं और दोनों को एक दूसरे के साथ रहना है। अब यह हमारे ऊपर है कि हम मिलजुलकर शांति से रहें या फिर लड़ाई झगड़े में समय के सात संसाधनों की भी बर्बादी करें।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज अलग-अलग विभाग : मनोहर लाल

चंडीगढ़ (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि जिन पूर्व सरपंचों ने अब तक पंचायत का रिकॉर्ड जमा नहीं करवाया है, उनसे तुरंत रिकॉर्ड लेकर नवनिर्वाचित सरपंचों को सौंपे ताकि गांवों के विकास कार्यों में कोई बाधा न आए। मुख्यमंत्री गुरुवार को चंडीगढ़ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला उपायुक्तों के साथ बैठक कर रहे थे। मनोहर लाल ने उपायुक्तों व अतिरिक्त उपायुक्तों के अलावा प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के साथ ग्राम संरक्षक योजना के तहत सौंपी गई शिवधाम नवीनीकरण योजना, पार्क एवं व्यायामशाला, आंगनबाड़ी केन्द्रों की निगरानी की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री ने पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, चाहे वह पंच हो या सरपंच हो, ब्लॉक समिति या जिला परिषद का सदस्य हो, से स्पष्ट किया कि ग्रामीण विकास विभाग व पंचायती राज दोनों अलग-अलग हैं। गांव के विकास की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास विभाग की होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सरपंचों, ब्लॉक समिति या जिला परिषद के चेयरमैनों को डीडीओ की शक्तियां दी हैं। इसके लिए सरकार जल्द ही अधिसूचना जारी करेगी। मनोहर लाल ने कहा कि पहले चरण में प्रदेशभर में एक हजार पार्क एवं व्यायामशालाएं बनाई जा रही हैं।

सुरक्षा बलों ने एक 120 एमएम के मोर्टार शेल को किया निष्क्रिय

पुंछ (हि.स.)। जम्मू संभाग के पुंछ जिले के सीमावर्ती गांव में सुरक्षा बलों ने एक 120 एमएम के मोर्टार शेल का पता लगाकर उसे निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि पुंछ की नियंत्रण रेखा के पास कलसियां गांव में ग्रामीणों ने बुधवार देर शाम को एक खेत में मोर्टार पा होने की सूचना सुरक्षा बलों को दी। सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों की एक टीम मौके पर पहुंची और मोर्टार को एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और गुरुवार को निष्क्रिय किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह पाकिस्तानी मोर्टार है, जिसे दो साल पहले सीमा पार से गोलाबारी के दौरान दागा गया था। स्थानीय लोगों का मानना है कि इलाके में जमीन के नीचे कुछ और मोर्टार दबे हुए हैं। उन्होंने सुरक्षा बलों से उनका पता लगाने का भी आग्रह किया है।

घर से अगवा कर दुष्कर्म करने वाले दोषी को 20 साल कैद की सजा

कैथल (हि.स.)। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूनम सुनेजा ने दुष्कर्म के दोषी गुलशन को 20 साल कैद व 35 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न देने पर सात साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इसी मामले में दोषी अंकुश उर्फ साहिल व मैनपाल को दो-दो साल की सजा व दस-दस हजार जुर्माने की सजा सुनाई गई है। पीड़िता को 4 लाख 50 हजार रुपए की रकम जिला विधिक सहायता प्राधिकरण की मार्फत देने का आदेश भी न्यायालय ने दिया है। दोषी से जुर्माना वसूल होने होने पर पीड़िता को 20 हजार की रकम भी मिलेगी। पीड़ित लडी के पिता ने थाना राजौंद में 17 फरवरी 2020 को केस नंबर 17 दर्ज करवाया था। अभियोजन पक्ष की पैरवी करने वाले डीडीए जेबी गोयल ने बताया कि शिकायतकर्ता की 17 वर्षीया बड़ी बेटी दस जमा दो की छात्रा है। जब लडी स्कूल से आती व जाती थी तो उसके पड़ोस का गुलशन उसे तंग करता था। इस बारे लडी ने अपनी मां को बताया था। शिकायतकर्ता के मकान की छत पर 27 अक्तूबर 2019 को एक फोन मिला जिसमें गुलशन ने मैसेज में कई आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थी। इस बारे में शिकायतकर्ता ने गुलशन के पिता व माता को बताया तो उन्होंने माफी मांग ली। इसके बाद भी गुलशन अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। उसके बाद शिकायतकर्ता के घर के नंबर पर रात को 29 जनवरी 2020 को 11 बजे गुलशन का फोन आया। इसके बाद रात को ही शिकायतकर्ता अपनी प प्रतिशती को लेकर उसके घर पर जहां गुलशन के परिजन मिले। शिकायतकर्ता ने कहा कि आपके लडे ने मेरे फोन पर रात को फोन किया है। इस पर उन्होंने शिकायतकर्ता को ही धमकी दी और कहा कि तुझे समाज में मुंह दिखाने के लायक नहीं रहने देंगे। 5 फरवरी 2020 को शिकायतकर्ता किसी रिश्तेदारी में मौत होने पर गया हुआ था। शाम को जब वह घर पर आया तो उसकी लडी घर पर नहीं मिली। उसने महेन्द्र सिंह से पूछा तो पता चला कि महेन्द्र का लडा गुलशन भी पर नहीं मिला। उसने शक जाहिर किया कि गुलशन ने उसकी लडी को अगवा किया है। अंकुश और मैनपाल ने अपहरण में गुलशन की मदद की। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज करके आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान अदालत में पेश किया। लडी को दिल्ली से बरामद किया गया। उसका मेडिकल करवाया गया तो दुष्कर्म की पुष्टि हुई। मामले में कुल 17 गवाह पेश किए गए। अपने 59 पेज के फैसले में एडीजे पूनम सुनेजा ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद तीनों को दोषी पाया तथा उपरोक्त सुजा सुनाई। दोषी गुलशन पहले से ही जेल में है जबकि अंकुश व मैनपाल जमानत पर चल रहे थे।

सोनीपत की 26 हजार एकड़ भूमि जल भराव से प्रभावित

सोनीपत (हि.स.)। हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक की मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ली। गुरुवार को बैठक में उपायुक्त ललित सिवाच ने उन्हें जानकारी दी कि सोनीपत के 57 गांवों में लगभग 26 हजार एक भूमि जल भराव से प्रभावित है। मुख्यमंत्री ने विस्तार से सूखा राहत व बाढ़ नियंत्रण के लिए किये जा रहे प्रबंधों पर चर्चा कर रहे थे। उपायुक्त ललित सिवाच ने सुझाव दिया, जिसे सीएम ने स्वीकृति दी है। पूरे हरियाणा प्रदेश के लिए एक योजना बनकर तैयार होगी, जिसका विशेष लाभ जलभराव की स्थिति में मिलेगा। बरसाती पानी को जल्दी निकालने में विशेष सहायता मिलेगी। किसानों को विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। उपायुक्त ने कहा कि सोनीपत में लगभग 57 गांवों में करीब 26 हजार एकड़ भूमि जल भराव से प्रभावित क्षेत्र में पानी निकालने के लिए करीब 246 पंपसेट हैं, जिनमें 80 स्थानों पर स्थाई तौर पर जल निकासी की व्यवस्था की गई है। अभी जिला की ओर से 70 नये पंपसैट उपलब्ध करवाने की मांग की गई है, जिनमें 50 इलैक्ट्रिक पंपसेट तथा 20 डीजल पंपसेट शामिल हैं। सोनीपत में अधिकारियों के संयुक्त प्रयासों से हालात पर काबू पाया जाता है, जनहित में इसी प्रकार प्रयास जारी रखे जाएंगे। जिला राजस्व अधिकारी हरिओम अत्री, जनस्वास्थ्य विभाग के एसई एसपी जोशी, एक्सईएन गुलशन कुमार, एक्सईएन अश्विनी फोगाट, जेडटीओ राजेंद्र चुघ आदि उपस्थित थे।

रोजगार मेले के तहत पीएम 20 को लगभग 71 हजार नवनियुक्तों को बांटेंगे नियुक्ति पत्र

जयपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 जनवरी को सुबह 10.30 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 71 हजार नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नवनियुक्तों को संबोधित भी करेंगे। रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। उम्मीद है कि यह रोजगार मेला और अधिक रोजगार सृजन के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। देश भर से चुने गए ये नवनियुक्त भारत सरकार के तहत कनिष्ठ अभियंता, लोको पायलट, तकनीशियन, इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, कनिष्ठ लेखाकर्मी, ग्रामीण डाक सेवक, आयकर निरीक्षक, शिक्षक, नर्स, डॉक्टर, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, पीए, एमटीएस जैसे विभिन्न पदों पर आसीन होंगे। इस रोजगार कार्यक्रम के दौरान, नए शामिल अधिकारियों के 'कर्मयोगी प्रारंभ' मॉड्यूल से सीखने से जुे अनुभवों को भी साझा किया जाएगा। 'कर्मयोगी प्रारंभ' मॉड्यूल विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नवनियुक्त लोगों के लिए एक ऑनलाइन दिशानिर्देश पाठ्यक्रम है। प्रदेश में भी जयपुर और उदयपुर में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जयपुर के कार्यक्रम में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भाग लेंगे और उदयपुर में केन्द्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। जयपुर में आयोजित होने वाले रोजगार मेले में करीब 350 नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे, इनमें भारतीय रेल, गृह मंत्रालय के बीएसएफ और असम राइफल्स, आयकर विभाग, भविष्य कर्मचारी निधि संस्थान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं अन्य विभागों के नवनियुक्त नियुक्ति पत्र प्राप्त करेंगे। वहीं उदयपुर में विभिन्न विभागों के करीब 105 नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे, जिसमें भारतीय रेल, गृह मंत्रालय, केन्द्रीय विद्यालय, ईएसआईसी व अन्य विभाग शामिल हैं।

तीन साल की बालिका के ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

श्रीगंगानगर (हि.स.)। हिन्दुलमलकोट थाना क्षेत्र के फतुही रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर 17 जनवरी को तीन साल की बच्ची का शव मिलने के मामले का थाना पुलिस ने खुलासा किया है। बच्ची की हत्या उसकी मां ने अपने प्रेमी के साथ मिल गला दबाकर की थी। बाद में शव को चलती ट्रेन से रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। जिला पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि मंगलवार, 17 जनवरी की सुबह पुलिस को करीब तीन साल की एक बच्ची का शव हिन्दुलमलकोट थाना क्षेत्र में लक्ष्मीनारायण वितरिका के पास रेलवे ट्रैक पर मिला था। अज्ञात बच्ची की हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंका गया था। घटना के खुलासे के लिए एसएचओ संजीव चौहान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। अनुसंधान के दौरान गठित टीम द्वारा कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए तकनीकी अनुसंधान एवं मुखबिरों की सूचना पर बच्ची की हत्या के आरोप में मूलत: बरगदेई जिला प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश निवासी मां सुनीता देवी प प्रतिशती बिंदेश्वरी उर्फ दिनेश कुमार तथा सलवन जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश निवासी प्रेमी सन्नी उर्फ माल्टा पुत्र रामगोपाल को गिरफ्तार किया है। शर्मा ने बताया कि जांच में सामने आया कि आरोपी मां सुनीता पति दिनेश उर्फ बिंदेश्वरी को छोड़ अपने प्रेमी सन्नी उर्फ माल्टा के साथ शास्त्री नगर बस्ती रेलवे अंडर ब्रिज के पास रहती है। सुनीता के 5 बच्चे हैं, तीन बच्चे अपने पिता के साथ तथा 4 वर्षीय खुशबू और करीब 3 वर्षीय किरण मां सुनीता और आरोपी सन्नी के साथ रहती थी। दोनों आरोपी बच्चियों को खत्म करने का प्लान पिछले काफी समय से बना रहे थे। 16-17 जनवरी की रात 3 बजे के आसपास सुनीता ने बच्ची किरण को गला घोटकर मार दिया। सन्नी की मदद से एक चादर में शव लपेट कर रात में ही रेलवे स्टेशन श्रीगंगानगर पर जाकर बैठ गए। सुबह 6ः10 बजे दिल्ली जाने वाली ट्रेन में बैठे। 6ः45 से 7 के बीच फतुही रेलवे स्टेशन से कुछ पहले लक्ष्मीनारायण नहर के पुल पर जब ट्रेन पहुंची तो चलती ट्रेन से बच्ची के शव को नहर में गिराने का प्रयास किया। परंतु शव रेलवे ट्रैक के पास ही गिर गया। उसके बाद दोनों अबोहर रेलवे स्टेशन गए, वहां से दूसरी ट्रेन में बैठ कर वापस श्रीगंगानगर आ गए।

भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह

कठुआ (हि.स.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार पर तमाम तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। पंजाब के पठानकोट में रैली के बाद शाम को राहुल गांधी जम्मू कश्मीर के प्रवेश द्वार लखनपुर से कठुआ पहुंचेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। उनकी रैली को लेकर यहां भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जानकारी के अनुसार राहुल गांधी शाम को कठुआ पहुंचने पर आरटीओ कार्यालय के समीप बनाए गए अस्थाई कमरों में प्रवास करेंगे। शुक्रवार सुबह वह लखनपुर से ही अपनी यात्रा शुरू करेंगे। राहुल गांधी की रैली को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। यात्रा रूट पर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। गुरुवार दोपहर के बाद से जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग से यातायात को भी डाइवर्ट किया जाएगा। रैली के चलते यात्रा रूट पर सुरक्षा एजेंसियों ने डेरा जमा लिया है। यात्रा को लेकर यातायात रूटों को भी बदला गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को पठानकोट के लिए वाया थीन डैम से डायवर्ट किया गया है।

मिशन जागृति संस्था ने शुरू किया सेनेटरी पैड बैंक

फरीदाबाद (हि.स.)। फरीदाबाद में क्राकरी बैंक, पौधा बैंक, बुक बैंक तो बहुत थे पर अब शहर की बड़ी सामाजिक संस्था मिशन जागृति की महिला शाखा के द्वारा पहला सेनेटरी पैड बैंक शुरू किया गया है। संस्था की महिला जिला प्रधान लता सींगला ने बताया कि जागरूकता की कमी होने के कारण महिलाएं माहवारी के दौरान गंदे कपड़े का इस्तेमाल करती हैं और संक्रमण सहित अनेक बीमारियों की चपेट में आ जाती हैं। फंगल इन्फेक्शन या यूरिन इन्फेक्शन के जोखिम को कम करने के लिए मासिक धर्म (पीरियड्स) के दौरान सैनिटरी पैड का इस्तेमाल किया जाना फायदेमंद होता है। सेनेटरी नैपकिन या पैड महिलाओं को पीरियड्स के दौरान सुरक्षा का अनुभव कराता है, जिसके कारण वह मासिक धर्म में भी बाहर जा सकती हैं और काम काज में अपना सहयोग प्रदान कर सकती हैं। उन्होंने बताया की इस प्रोजेक्ट की डायरेक्टर श्रीमती संगीता तेवतीया सह निदेशक सोनल मान और मोनिका रहेंगी। महिला टीम की संयोजक संतोष अरोड़ा इस प्रोजेक्ट की भी संयोजक रहेगी जिनका साथ हमारी एन आई टी की प्रधान गीता शर्मा और उनकी टीम देगी। इस अवसर पर जिला महिला महासचिव भावना चौधरी ने कहा की पीरियड्स यानी माहवारी एक ऐसा विषय है जिसके संबंध में आज भी हमारे समाज में खुलकर बात नहीं की जाती है। पीरियड्स की भुग्तभोगी लड़कियां भी इसपर खुलकर बोलने में शर्माती हैं। जिससे इसके संबंध में लोगों का ज्ञान आधा-अधूरा ही है। इसका परिणाम यह है कि महिलाओं और किशोरियों को माहवारी के दौरान तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए मिशन जागृति महिला टीम के द्वारा स्कूल कॉलेज स्लम बस्तियों और गाओं मे जाकर बेटियों को जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर सोनल मान ,संगीता और मोनिक ने कहा की हमारी महिला प्रधान ने जो जिम्मेदारी हमें दी है उसे हम अच्छे से पूरा करेंगे। उन्होंने शहर के गणमान्य लोगों और रोटरी क्लब से अनुरोध किया है की इस प्रोजेक्ट मे हमारा साथ दे ताकि कोई भी बेटी महिला सेनेटरी पैड के अभाव मे बीमार न पड़े।

पब्लिसिटी एडवाईजर नियुक्त होने पर सीएम का जताया आभार

पंचकूला (हि.स.)। सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा में नव नियुक्त पब्लिसिटी एडवाईजर तरूण भंडारी ने गुरूवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता के साथ चंडीगढ स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंच कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया और उनका आर्शीवाद लिया। इस अवसर पर तरूण भंडारी के साथ पंचकूला जिला के सैंकों लोग उपस्थित थे। हरियाणा सरकार ने बुधवार को आदेश जारी कर पंचकूला के सेक्टर-4 निवासी तरूण भंडारी को सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग में पब्लिसिटी एडवाईजर के पद पर नियुक्त किया है। तरूण भंडारी ने कहा कि उन्हें पब्लिसिटी एडवाईजर नियुक्त करने पर वे मुख्यमंत्री मनोहर लाल का हृदय से आभार प्रकट करते हैं। विश्वास दिलाते हैं कि जो दायित्व उन्हें सोंपा गया है उसका वे पूरी लगन व निष्ठा से निर्वहन करेंगे। भंडारी ने कहा कि मनोहर लाल का पंचकूलावासियों से विशेष स्नेह रहा है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के लोगों विशेषकर पंचकूलावासियों में भारी उत्साह है।

युवक की हत्या के जुर्म में दो को उम्र कैद की सजा

जींद (हि.स.)। सेशन जज रितू गर्ग की अदालत ने युवक की हत्या के जुर्म में दो दोषियों को उम्र कैद व 25-25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने पर दोषियों को छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। 11 नवंबर 2018 को गांव अलेवा निवासी प्रेम ने अलेवा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह तथा उसका बेटा रविंद्र व बिजेंद्र गांव बिघाना तथा कटवाल के बीच ठेके पर लिए गए खेतों में गए हुए थे। उसी दौरान रविंद्र के रिश्ते के भतीजे राजू व गांव भागल कैथल निवासी सुनील बाइक लेकर खेत में पहुंचे और अपने पास मौजूद असलाह से रविंद्र पर फायर कर दिया। जिसमें गोली लगने से रविंद्र मौत हो गई थी। प्रेम ने पुलिस को बताया था कि उसके भतीजे बल्ली की रंजिशन हत्या कर दी गई थी। उसने बल्ली की जमीन को ठेके पर लिया हुआ था। बल्ली का बेटा राजू ठेके पर ली गई जमीन को वापस लेना चाहता था। इसी रंजिश के चलते उसके बेटे की गोली मार कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजू तथा सुनील के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। वीरवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश रितू गर्ग की अदालत ने राजू तथा सुनील को को आजीवन कारावास तथा 25-25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने पर दोषियों को छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

खुशखबरी! राजस्थान के किसानों को मिलेंगे 1500 मिनी हेलिकॉप्टर

जयपुर। कृषि कार्यों में ड्रोन तकनीक द्वारा फसलों में खाद और दवाई के छिड़काव करने की तैयारी जोरों पर है। किसानों को तकनीक से अवगत कराया जा सके, इसके लिए लाइव प्रेजेंटेशन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा के बाद राज्य के कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने राज्यस्तरीय कार्यक्रम में खेती की अत्याधुनिक सुविधाओं के इस्तेमाल की शुरुआत कर दी है। इस दौरान सैंकड़ों किसानों की उपस्थिति में कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने ड्रोन से दवाओं का छिड़काव किया। सभी जिलों में कृषि अधिकारियों ने भी किसानों को जागरूक करने के लिए कुल 20 हेक्टेयर जमीन पर मिनी हेलिकॉप्टर कहे जाने वाले ड्रोन से खेतों में दवा और खाद का छिड़काव किया। कृषि मंत्री ने कहा कि पहले चरण में नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। इससे यूरिया की कमी को पूरा किया जा सकेगा. कृषि विभाग की ओर से बुधवार को जोशीवास गांव, जोबनेर जयपुर में राज्यस्तरीय ड्रोन तकनीकी का लाइव प्रदर्शन कृषि मंत्री लालचंद कटारिया द्वारा किया गया. कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 2 वर्षों में 1500 ड्रोन उपलब्ध कराए जाएंगे. इसमें ड्रोन पर लागत का 40 प्रतिशत (अधिकतम 4 लाख रुपये) के साथ ही किसानों में जागरूकता पैदा करने एवं खेतों पर प्रदर्शन हेतु अधिकतम 6 हजार रुपये प्रति हेक्टर का अनुदान दिया जाएगा. प्रदेश के ऐसे कृषक जो सीमित आय के कारण उन्नत एवं महंगे कृषि उपकरणों को क्रय करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें ड्रोन किराए पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे किसान कम लागत एवं कम समय में व्यापक कृषि क्षेत्र में रसायनों का छिड़काव कर सकेंगे। राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश के सभी 33 जिलों में एक साथ ड्रोन द्वारा रसायनों का छिड़काव किया गया। राज्य सरकार ने किसानों से कृषि तकनीकी के समावेश के संबंध में कृषि क्षेत्र में लगातार इनोवेशन को अपनाने की अपील भी की है। किसानों को अत्याधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने और कृषि क्षेत्र को विकसित करने के राज्य सरकार के इन प्रयासों को भारत सरकार द्वारा भी सराहा गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2022-23 में 'समृद्ध किसान-खुशहाल राजस्थान' के नारे के साथ प्रदेश का पहला कृषि बजट पेश किया। बजट घोषणा में कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 11 मिशन की घोषणा की गई। राज्य सरकार ने किसानों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ देने के लिए राजकिसान साथी पोर्टल विकसित किया है। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी दिनेश कुमार ने कहा कि किसानों को कम लागत में खेती से ज्यादा मुनाफा दिलाने के लिए दुनिया भर में कृषि कार्यों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन तकनीक के कई फायदें कृषि आयुक्त कानाराम ने कहा है कि पारंपरिक तरीके से छिड़काव के मुकाबले ड्रोन से छिड़काव में 70-80 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है। खड़ी फसल में पोषक तत्वों की कमी का निर्धारण एवं उनकी पूर्ति ड्रोन के माध्यम से आसानी से की जा सकती है। कृषि आयुक्त ने कहा कि ड्रोन रसायन छिड़काव के साथ सिंचाई निगरानी, फसल स्वास्थ्य की निगरानी, मृदा विश्लेषण, फसल नुकसान का आकलन और टिड्डी नियंत्रण जैसे कार्यों को बेहतर ढंग से करने में उपयोगी है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल : जयपुर म्यूजिक स्टेज पर पहले दिन लिफाफा और पक्षी ने जमाया रंग

जयपुर (हि.स.)। राजधानी जयपुर में गुरूवार को होटल क्लार्क्स आमेर में जयपुर म्यूजिक स्टेज ने पहले दिन की शुरुआत जबरदस्त प्रस्तुतियों से की। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के समानांतर चलने वाले इस म्यूजिकल फेस्टिवल में फ्यून बैंड, पक्षी औरकंटेम्पररी इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक प्रोडक्शन हाउस, लिफाफा ने अपने सुरों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। अपने 16वें संस्करण में, फेस्टिवल नामी सितारों के साथ-साथ उभरते हुए कलाकारों को भी दुनिया के सबसे बेसाहित्यिक शो में अपनी बात रखने का मौका दे रहा है।जयपुर म्यूजिक स्टेज में पक्षी ने अपनी प्रस्तुति में क्लासिकल और मॉडर्न म्यूजिक के फ्यून के साथ श्रोताओं का मन मोह लिया। अपनी परफॉरमेंस के बारे में बात करते हुए, पक्षी ने कहा, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 में प्रस्तुति देना हमारे लिए गर्व की बात है! ये सबसे मशहूर फेस्टिवल है और ये कबसे हमारी लिस्ट में शामिल था। तो दुनिया केबेहतरीन कलाकारों और साहित्यकारों के बीच प्रस्तुति का अवसर मिलना एक् वाब के सच होने जैसा है। हम पहली बार अपने कुछ नए गाने भी श्रोताओं के लिए बजाने जा रहे हैं और उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए हम उत्सुक हैं। फेस्टिवल के प्रति अपना रोमांच साझा करते हुए, लिफाफा, यानी सूर्यकांत साहनी ने कहा, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने आखिरकार 21वीं सदी के रोमांच को साझा किया है। शाम के जोश में जोश मिलाते हुए लिफाफा जयपुर म्यूजिक स्टेज के श्रोताओं को सुरों के एक अलग ही सर पर ले गया। जयपुर म्यूजिक स्टेज की ओपनिंग नाईट में श्रोताओं ने आकर्षक मर्चेन्डाइज, लजीज व्यंजन और खूबसूरत माहौल का भी लुत उठाया

इंडसइंड का मुनाफा 58प्रतिशत और सेंट्रल बैंक का 64 फीसदी बढ़ा, ग्रॉस एनपीए रहा 2.06 प्रतिशत

नई दिल्ली ।
इंडसइंड बैंक को दिसंबर तिमाही में 1,964 करोड़ का मुनाफा हुआ है जो दिसंबर, 2021 के 1,242 करोड़ की तुलना में 58प्रतिशत ज्यादा है। सकल बुरा फंसा कर्ज (ग्रॉस एनपीए) 2.06 फीसदी रहा। इसका जमा 3.25 लाख करोड़ और कर्ज 2.84 लाख करोड़ रुपये रहा। सेंट्रल बैंक ने बुधवार को बताया कि दिसंबर तिमाही में फायदा 64प्रतिशत बढ़कर 458 करोड़ रहा जो 2021 में 279 करोड़ रुपये था। बैंक की कुल आय बढ़कर 7,635 करोड़ रुपये रही। शुद्ध एनपीए 4.39प्रतिशत से घटकर 2.09प्रतिशत रहा।

एसबीआई ने जुटाए 9,718 करोड़ रुपये - भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को कहा, उसने 9,718 करोड़ रुपये इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड से जुटाए हैं। इस पर वह 7.70 फीसदी ब्याज देगा। बैंक ने कहा इस रकम का उपयोग लंबी अवधि के लिए दिए जाने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर और सस्ते घरों के कर्ज पर किया जाएगा। इस बॉन्ड की अवधि 15 साल की होगी।

वित्त मंत्रालय ने मांगा अंतिम अनुदान के लिए खर्च प्रस्ताव - संसद के बजट सत्र से पहले वित्त मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से अनुदान की दूसरी एवं अंतिम अनुपूरक मांगों को लेकर खर्च प्रस्ताव देने को कहा है। मंत्रालय ने ज्ञापन में कहा कि 2022-23 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों के अंतिम बैच को संसद के आगामी सत्र में रखे जाने का प्रस्ताव है। सभी मंत्रालयों विभागों से अनुरोध किया गया है कि वे स्वीकृत संशोधित अनुमान सीमा के तहत खर्च नियंत्रित करें।

लग्जरी मकानों की कीमतों में 12 फीसदी तक उछाल - देश के प्रमुख शहरों में 2022 में लग्जरी या महंगी संपत्तियों की कीमतें 8-12 फीसदी बढ़ी हैं। इसके साथ ही कीमतें 2015 के पिछले उच्चतम स्तर को पार कर गई। इंडिया सोथबीज इंटरनेशनल रियल्टी ने रिपोर्ट में कहा, 2023-24 में 61 फीसदी धनाढ्य व अति धनाढ्य लोग महंगे घर खरीदने की योजना बना रहे हैं। सर्वे में शामिल 65 फीसदी लोग 4-10 करोड़ और 33 फीसदी 10 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की संपत्ति खरीदना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलेगा ज्यादा ब्याजः केनरा बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। केनरा बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट कराने पर अब आपको ज्यादा ब्याज मिलेगा। बैंक ने 2 करोड़ रुपए से कम की फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। अब केनरा बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट कराने पर 3.25 से लेकर 7.15 तक का ब्याज मिलेगा। नई ब्याज दरों के अनुसार अगर अब आप केनरा बैंक में 1 साल के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं तो आपको सालाना 6.75प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। वहीं 2 साल की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.80, 3 साल और 5 साल की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.50प्रतिशत ब्याज मिलेगा। वहीं बैंक 400 दिन की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7.15प्रतिशत ब्याज ऑफर कर रहा है। फिक्स्ड डिपॉजिट से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह से टैक्सेबल होता है। आप एक साल में फिक्स्ड डिपॉजिट पर जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ता है। कुल आय के आधार पर, आपका टैक्स स्लैब निर्धारित किया जाता है। चूंकि फिक्स्ड डिपॉजिट पर अर्जित इंटरेस्ट इनकम को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज माना जाता है, इसलिए इसे टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स के तहत चार्ज किया जाता है। जब आपका बैंक आपकी ब्याज आय को आपके अकाउंट में जमा करता है, तो उसी समय काट लिया जाता है। यदि आपकी कुल आय एक वर्ष में 2.5 लाख रुपए से कम है, तो बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट पर नहीं काटता है। हालांकि, इसके लिए आपको फॉर्म 15 जमा करना पड़ेगा। ऐसे में अगर आप बचाना चाहते हैं तो फॉर्म 15जरूर जमा करें।

निदेशक बोलीं- हम भारत में 200 परियोजनाओं पर काम कर रहे, इनमें 37 अरब डॉलर का निवेश संभव

नई दिल्ली । यूएस ट्रेड एंड डेवलपमेंट एजेंसी भारत में 200 ऐसे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही जिसमें करीब 37 अरब डॉलर के निवेश की संभावना बनेगी। संस्थान की निदेशक इनोह टी इबोंग ने बुधवार दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि ये 200 प्रोजेक्ट्स स्वच्छ ऊर्जा के ट्रांसपोर्टेशन, डिजिटल ढांचा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं। इबोंग ने कहा, हमारा अनुमान है कि ये परियोजनाएं करीब 37 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करेंगी। हम ऐसी परियोजनाएं तैयार करते हैं जिन्हें निजी क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र और बहुपक्षीय बैंकों की ओर से वित्त पोषित किया जा सकता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इन परियोजनाओं को लागू किया जाए और निवेशकों को परियोजनाओं में विश्वास हो। भारत के हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने पर यूएसटीडीए की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यूएसटीडीए नई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में भारत के साथ सहयोग में रुचि रखता है। उन्होंने कहा मैंने देश की योजनाओं के बारे में बहुत कुछ सुना है। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के लिए नई तकनीक विकसित करने में सहयोग करने में हम बहुत रुचि रखते हैं।

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म में जल्द होगी छंटनीः स्विगी अपने 6,000 के टोटल वर्कफोर्स में से 8-10प्रतिशत एम्प्लॉइज को निकालेगी

नई दिल्ली । फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी में जल्द ही छंटनी होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्विगी फंडिंग स्लोडाउन के बीच छंटनी के एक और राउंड पर विचार कर रही है। कॉस्ट को रेशनेलाइज बनाने के लिए फूड एंड ग्रॉसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म अपने 6,000 के टोटल वर्कफोर्स में से 8-10प्रतिशत एम्प्लॉइज की छंटनी करने का प्लान बना रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस बार छंटनी में प्रोडक्ट, इंजीनियरिंग और ऑपरेशन डिपार्टमेंट्स के एम्प्लॉइज पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ने की संभावना है। स्विगी ने पहले कहा था कि वह पहले ऑपरेशनली प्रॉफिटेबल होने का लक्ष्य बना रही है, जो हाल के महीनों में टेक स्टॉक्स के खराब परफॉर्मेंस के कारण इस साल के लेटर हाल्फ में डिले हो गया है। कंपनी ने अक्टूबर 2022 में अपने परफॉर्मेंस रिव्यू को पूरा किया था। जिसके बाद सभी एम्प्लॉइज को परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट प्लान के तहत रखा गया था। सूत्रों के मुताबिक, स्विगी के एम्प्लॉइज पर काम का भारी दबाव है, क्योंकि मैनेजमेंट नंबर्स हासिल करने के लिए टीमों में फेरबदल लॉन्च करने से पहले पॉजिटिव यूनिट इकोनॉमिक्स को प्रभावित कर रहा है।

10प्रतिशत डिस्काउंट में खरीदें अडाणी के शेयर : 27 जनवरी को खुल रहा अडाणी एंटरप्राइजेज का एफपीओ

मुंबई।
अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड का 20,000 करोड़ रुपए का फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर 27 जनवरी को खुल रहा है। इसका प्राइस बैंड 3,112-3,276 रुपए प्रति शेयर है। अगर प्राइस बैंड के निचले हिस्से को देखे तो शेयर करीब 10प्रतिशत डिस्काउंट पर मिल रहा है। एफपीओ में रिटेल निवेशकों को 64 रुपए प्रति शेयर की छूट भी दी जाएगी। एफपीओ में मिनिमम बिड लॉट 4 शेयर और उसके बाद 4 शेयरों के मल्टिपल में है।

कंपनी 100प्रतिशत बुक-बिल्ट ऑफर के तहत पार्ट्ली पेड बेसिस पर नए शेयर जारी करेगी। एफपीओ के तहत, एम्प्लॉई कोटा 5प्रतिशत, रिटेल 35प्रतिशत और नॉन-इंस्टीट्यूशनल 15प्रतिशत निर्धारित किया गया है। एंकर इन्वेस्टर के लिए एफपीओ दो दिन पहले यानी 25 जनवरी को खुलेगा। एफपीओ के तहत मिले शेयरों को डीमैट अकाउंट में 7 फरवरी तक क्रेडिट किया जाएगा। 8 फरवरी से ये शेयर ट्रेड के लिए उपलब्ध होंगे।

एक्सपेंशन और कर्ज कम करने में मदद - सिक्योरिटीज, जेफरीज कैपिटल मार्केट्स को एफपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है। एफपीओ से जुटाई रकम गौतम अडाणी को एक्सपेंशन और कर्ज कम करने में मदद करेगी। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफपीओ के कारण गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले प्रमोटर्स की हिस्सेदारी करीब 3.5प्रतिशत घटेगी।

डिस्काउंट पर शेयर खरीदने का मौका - स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट में इक्विटी मार्केट हेड गिरीश सोडानी ने कहा, एफपीओ रिटेल निवेशकों के लिए डिस्काउंटेड वैल्यूएशन पर स्टॉक खरीदने का एक अच्छा मौका है। ऐसा इसलिए क्योंकि स्टॉक ने अतीत में अच्छा प्रदर्शन किया है। ग्रुप ने नए बिजनेसेज में प्रवेश किया है और अपने बिजनेस का तेजी से विस्तार किया है। सितंबर तिमाही में, कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिस साल-दर-साल दोगुना से ज्यादा बढ़कर 460.94 करोड़ रुपए हो गया, जबकि कंसोलिडेटेड रेवेन्यू सालाना लगभग तीन गुना बढ़कर 38,175.23 करोड़ रुपए हो गया।

प्रमोटर्स की 72.63प्रतिशत हिस्सेदारी - सितंबर 2022 तक, प्रमोटरों के पास अडाणी एंटरप्राइजेज का

72.63प्रतिशत हिस्सा था, जबकि शेष 27.37प्रतिशत पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास था। लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन के पास पब्लिक शेयरहोल्डर्स के बीच 4.03प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि नोमुरा सिंगापुर, एपीएमएस इन्वेस्टमेंट फंड, एलारा इंडिया ऑपर्च्युनिटीज फंड और एलटीएस इन्वेस्टमेंट फंड के पास 1प्रतिशत और 2प्रतिशत के बीच हिस्सेदारी थी।

एफपीओ क्या है - एफपीओ यानी फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर एक ऐसी प्रोसेस है जिसमें स्टॉक एक्सचेंज में पहले से लिस्टेड कंपनी मौजूदा शेयरधारकों या नए निवेशकों को नए शेयर जारी करती है। यह अलग है जहां कंपनी फंड इकट्ठा करने के लिए पहली बार अपने शेयर जारी करती है। एफपीओ के जरिए कंपनी अपने इक्विटी बेस का विस्तार करती है।

एफपीओ में क्या होता है - एफपीओ में जारी शेयर की कीमत मार्केट प्राइस से कम होती है। कम कीमत पर शेयर जारी करने के पीछे प्राथमिक मकसद इसके इश्यू के लिए ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित करना होता है। हालांकि, सब्सक्रिप्शन में शेयर की कम कीमत होने के कारण अकसर बाजार मूल्य भी नीचे आ जाता है और वो एफपीओ प्राइस के करीब पहुंच जाता है।

शेयर में 3.50प्रतिशत की गिरावट - अडाणई एंटरप्राइजेज के एफपीओ का प्राइस बैंड घोषित होने के बाद इसके शेयर में गिरावट देखी जा रही है। अडाणी का शेयर करीब 130 रुपए या 3.50प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,463.60 रुपए पर कारोबार कर रहा है।

एफपीओ के लिए अप्लाय कैसे करें - एफपीओ के लिए भी अप्लाय करने के लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। इसे अप्लाय करने की प्रोसेस भी है। अडाणी एंटरप्राइजेज का सब्सक्रिप्शन ओपन होने के बाद 4 शेयर की मिनिमम बिड लगाई जा सकती है। उससे ज्यादा शेयर चाहिए तो 4 के मल्टिपल में बिड कर सकते हैं। जितने शेयरों के लिए अप्लाय करेंगे उतना अमाउंट आपके अकाउंट में ब्लॉक हो जाएगा।

बेहद कठिन काम संभाल रही हैं, सीतारमण पर बोले आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, बजट पर दी ये सलाह

नई दिल्ली ।
दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के समिट के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर बड़ी टिप्पणी की है। एक निजी चैनल से बातचीत के दौरान राजन ने कहा कि सीतारमण एक बेहद कठिन कार्य संभाल रहीं हैं। रघुराम राजन जो भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार की ज्यादातर पॉलिसीज के आलोचक रहे हैं उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बारे में कहा है कि वे एक कठिन कार्य कर रहीं हैं, ऐसे में मैं अच्छे या बुरे के रूप में उनके कार्य का मूल्यांकन करने वाला कोई नहीं होता।

दावोस में जब एक पत्रकार ने राजन से पूछा कि वे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को क्या रैंक देंगे तो उन्होंने कहा कि मैं उन्हें रैंक नहीं दे सकता, मैंने ऐसा कभी नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे एक कठिन कार्य कर रहीं हैं, ऐसे में जो व्यक्ति काम कर रहा है उन्हें मैं कोई रैंकिंग नहीं दे सकता है।

रघुराम राजन ने कहा कि असली चिंता लोअर मिडिल क्लास की है। राजन के अनुसार इस वर्ग को लेकर अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी चिंता है। यहां रोजगार की कमी है। बड़े व्यवसाय बढ़िया कर रहे हैं। उन्होंने अपने कर्ज का भुगतान महामारी के दौरान भी किया। बैंकों ने भी अपना बैड लोन राइट ऑफ कर दिया है। ऐसे में बैंक और बड़े कारोबार आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। पर दिक्कत लोअर मिडिल क्लास के साथ है।

कोरोना के दौरान उनमें से कुछ लोगों की नौकरियां तक चली गई हैं। छोटे और मध्यम उद्योग अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे फिर से बेहतर करने की कोशिशों में जुटे हैं, वे वापस लौट रहे हैं। इस वर्ष 7प्रतिशत का विकास दर रहना शानदार है।

उन्होने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत में हमने अच्छी वृद्धि की पर बाद के महीनों में विकास की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई। हम 5प्रतिशत के दर पर आ गए जो कि चिंता की बात है। वैश्विक मंदी की आशंकाओं को देखते हुए लगता है कि यह पांच प्रतिशत से भी नीचे जाएगा, यही चिंता की बात है और इसलिए हम वर्तमान स्थिति से संतुष्ट नहीं हो सकते।

ईवी स्पेयर पार्ट्स पर एक समान जीएसटी की उम्मीदः बजट में फेम सब्सिडी बढ़ाने की घोषणा करेगी सरकार, कस्टमर को मिलेगा सीधा फायदा

नई दिल्ली।
सोसाइटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एसएमईवी) को उम्मीद है कि सरकार ईवी इंडस्ट्री को प्रोत्साहन देना जारी रखेगी। इसके साथ ही उम्मीद है कि सरकार इस बजट में घरेलू स्तर पर आर एंड डी को बढ़ावा देने, सप्लाई संबंधी दिक्कतों को दूर करने और मजबूत ईवी इकोसिस्टम को बढ़ावा देकर भारत को ग्लोबल हब बनाने के लिए नई योजनाएं और उपाय भी लाएगी। एसएमईवी डीजी सोहिंदर सिंह गिल ने बताया कि उम्मीद है कि सरकार बजट में फेम सब्सिडी बढ़ाने की घोषणा करेगी और इसका लाभ सीधे ग्राहक को ट्रांसफर करने के प्रावधान लागू होंगे। एक तरफ जहां इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी की दर 5प्रतिशत है। वहीं स्पष्टता नहीं होने की वजह से स्पेयर पार्ट्स पर 28प्रतिशत तक जीएसटी चुकाना पड़ता है। हमें उम्मीद है कि सरकार सभी ईवी स्पेयर पार्ट पर यूनिफॉर्म 5प्रतिशत जीएसटी की दर लागू करेगी। ईवी उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले लिथियम आयन सेल पर कस्टम ड्यूटी घटाकर 0प्रतिशत करने से ईवी की लागत घटाने में मदद मिलेगी।

फेम 2 की वैधता मार्च 2024 में समाप्त हो रही है। हमें उम्मीद है कि सरकार ईवी इंडस्ट्री को सहारा देने में मददगार इस स्कीम को आगे बढ़ाने की घोषणा भी इस

बजट में करेगी। यह भी उम्मीद है कि फेम 2 स्कीम में ऐसे प्रावधान लाए जाएंगे। इससे सब्सिडी सीधे कस्टमर के खाते में ट्रांसफर हो। भारत की ईंधन खपत में ट्रकों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। अगर सकरार फेम का दायरा कमर्शियल वाहनों यानी ट्रकों और ट्रैक्टर्स तक भी बढ़ाती है तो इससे ईवी ट्रक और ट्रैक्टर निर्माण को बढ़ावा मिलेगा और ईंधन की खपत के साथ उत्सर्जन में भी कमी आएगी। देश में बीते 5 वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है, ऐसे में लिथियम आयन बैटरियों की रिसाइकलिंग के लिए नीति बनाया जाना बहुत आवश्यक है।

माइक्रोसॉफ्ट में सबसे बड़ी छंटनी, टेक कंपनियों ने छह दिन में 30611 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली।
वैश्विक मंदी के डर से दुनियाभर की प्रौद्योगिकी कंपनियां बड़े स्तर पर छंटनी कर रही हैं। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भी पांच फीसदी यानी 11,000 तक कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा सकती है। माइक्रोसॉफ्ट में इसे अब तक की सबसे बड़ी छंटनी माना जा रहा है। कंपनी जुलाई में भी 1,000 कर्मियों को निकाल चुकी है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा कि आज हम ऐसे बदलाव कर रहे हैं, जो हमसे जुड़े व्यक्ति के लिएचुनौतीपूर्ण है। निकाले जाने वाले कर्मचारियों को सूचना दे दी गई है। इसमें से कुछ को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इस कदम से कंपनी को करीब 1.2 अरब डॉलर की बचत होगी। इस बीच, विभिन्न रिपोर्ट में कहा गया है कि नौकरियों के लिहाज से नए साल की शुरुआत खराब रही है। अमेजन समेत अन्य कंपनियां जनवरी के पहले छह दिनों में 30,611 लोगों को निकाल

चुकी हैं। शेयरचैट ने भी 20 फीसदी छंटनी की घोषणा की है। माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि प्रभावित कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति भुगतान के साथछह महीनों तक स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं दी जाएंगी।साथ ही, उन्हें दो महीने पहले नौकरी से निकालने का नोटिस दिया जाएगा। मॉर्निंगस्टार के विश्लेषक डैन रोमनॉफ के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट में छंटनी का एक और दौर बताता है कि हालात बेहतर नहीं हो रहे हैं। प्रौद्योगिकी क्षेत्र जल्द स्थिर नहीं होने वाला है। नौकरियों के लिहाज से आगे हालात और खराब होंगे।

माइक्रोसॉफ्ट में 30 जून, 2022 तक करीब 2.21 लाख कर्मचारी थे। इनमें 1.22 लाख कर्मचारी अमेरिका में कार्यरत हैं, जबकि 99,000 भारत समेत अन्य देशों में हैं। देश की चार सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस और एचसीएल टेक में भर्तियों में 97 फीसदी की गिरावट आईहै। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022-23 की दिसंबर तिमाही में चारों कंपनियों ने शुद्ध रूप से 1,940 कर्मचारी जोड़े।यह पिछली 11 तिमाहियों में सबसे कम भर्ती है।2021-22 की समान तिमाही में इन चारों कंपनियों ने 61,137 लोगों को नौकरियां दी थीं।चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से तुलना करें तो भर्तियां 94 फीसदी घटी हैं। दिसंबर, 2022 तक टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 2,197 घट गई।इस दौरान कंपनी का एट्रिशन रेट भी घटकर 21.3प्रतिशत रह गया।

देश में आसमान क्यों छू रहे गेहूं के भाव पिछले साल की तुलना में 16प्रतिशत चढ़े दाम

नई दिल्ली ।
एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार के कई हिस्सों में गेहूं की कीमतें 3000 रुपये प्रति क्विंटल के पार पहुंच गई हैं। इसका कारण पूर्वी भारत में अनाज की कमी है। अनाज कारोबार से जुड़े लोगों और कारोबारियों ने इसकी पुष्टि की है। बाजार के जानकारों का मानना है कि केंद्र सरकार ने गेहूं को खुले बाजार में ओएमएसएस (ओपन मार्केट सेल स्कीम) के तहत बेचने की पहल अब तक नहीं की है। इस कारण गेहूं की कीमतें रोज नई ऊंचाई पर पहुंच रही हैं। भारतीय रोलर फ्लावर मिल्स फेडरेशन (आरएफएमएफआई) के अध्यक्ष प्रमोद कुमार का मानना है कि खुले बाजार में गेहूं नहीं है। पूर्वी भारत में भी गेहूं उपलब्ध नहीं है। जब से केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत गेहूं का आवंटन रोका है, खुले बाजार में इसकी मांग बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश में गेहूं की कीमतें रोज नई ऊंचाई पर पहुंच रही हैं। देश का उत्तरी सूबा गेहूं की किल्लत का सामना कर रहा है। नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर दक्षिण भारत के एक व्यापारी ने ये बातें कही। दिल्ली स्थित एक कारोबारी के अनुसार गेहूं के सबसे बड़े उत्पादक राज्य यूपी को इसे गुजरात से खरीदना पड़ रहा है। बाजार के जुड़े लोगों के अनुसार उत्तर

प्रदेश में गेहूं की कीमतें 3050 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं। वहीं राजस्थान में यह अनाज 2800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर बिक रहा है। मीलरों को ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा अलग से उठाना पड़ रहा है। कृषि मंत्रालय की इकाई एगमार्केट के आंकड़ों के अनुसार आठ जनवरी को गेहूं के भाव 2788 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गए। पिछले साल की तुलना में ये करीब 20 फीसदी अधिक है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार खुदरा बाजार में गेहूं के भाव करीब 31.17 रुपये प्रति किलो हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 15.76 फीसदी ज्यादा है। वहीं गेहूं का आटा 37.03 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 18.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। गेहूं की कीमतें 2022 के रबी सीजन में तय न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल की तुलना में लगातार बढ़ते रहे हैं। वर्ष 2023 के खरीफ सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 2125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। एक ट्रेड एनालिस्ट के अनुसार अनाजों खासकर गेहूं और चावल के मामले में आपूर्ति से जुड़ी दिक्कतें हैं। यह स्थिति उत्पादन के आंकड़ों पर भी संदेह पैदा करता है। उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल अपने लक्ष्य 60 लाख टन अनाज खरीदारी के लक्ष्य की तुलना में अब तक सप्लाई की कमी के कारण महज 20 लाख टन अनाज की खरीदारी ही कर पाया है। ट्रेड एनालिस्ट्स मानते हैं कि महंगाई के आंकड़ों को देखें तो पता चलता है कि कोर महंगाई दर में कमी नहीं आई है क्योंकि अनाज की कीमतों में उछाल जारी है। जानकारों के मुताबिक गेहूं के भाव अगले पखवाड़े तक 3300 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच सकते हैं। यह स्थिति फरवरी महीने के अंत या मार्च की शुरुआत तक बनी रह सकती है। तब तक गुजरात में गेहूं की नई फसल बाजार में आ जाएगी।

आरएफएमएफआई के प्रमोद कुमार के अनुसार उत्तर प्रदेश और अन्य उत्तरी राज्यों में गेहूं के फसल की आवक मार्च महीने के अंत तक शुरू होगी। इस स्थिति में केंद्र सरकार को अपने कोटे स्टॉक से ओएमएसएस स्कीम के तहत अनाज की बिकवाली करनी पड़ सकती है।

एयरबैग में खराबी के चलते मारुति सुजुकी वापस मंगाएगी 17,362 कारें, ब्रेजा और बलेनो भी शामिल

नई दिल्ली । एयरबैग में खराबी के चलते मारुति सुजुकी 17,362 गाड़ियों को वापस मंगाएगी। इनमें ऑल्टो के10, ब्रेजा और बलेनो शामिल हैं। एयरबैग नियंत्रक फिर से पूरी तरह से ठीक किया जाएगा। कंपनी ने बुधवार को बताया कि एस-प्रेसो, ईको और ग्रैंड विटारा के भी एयरबैग में खराबी मिली है। इन कारों को 8 दिसंबर, 2022 से 12 जनवरी, 2023 के बीच बनाया गया है। जरूरत पड़ी तो एयरबैग को मुफ्त में बदला जाएगा। संभावित डिफेक्ट के कारण वाहन दुर्घटना की स्थिति में एयरबैग और सीट बेल्ट प्रेटेंसर काम नहीं कर सकते हैं। जब तक खराब पुर्जे को नहीं बदला जाता तब तक वाहन न चलाएं। टाटा नेक्सन ईवी के बेस ट्रिम की कीमत 14.99 लाख रुपए से 50,000 रुपए घटकर 14.49 लाख रुपए हो गई है। नेक्सन ईवी मैक्स में एक नया वैरिएंट एक्सएम भी जुड़ा है। इसकी कीमत 16.49 लाख से शुरू है।

ढाई साल बाद सुशांत के कुत्ते की भी हो गई मौत

-बहन हुई भावूक बोली- तुम भी अपने दोस्त के पास चले गए

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड इंडस्ट्री जाने-माने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के जाने के बाद करीब ढाई साल बाद अब उनका कुत्ता भी इस दुनिया को अलविदा कह गया है। इस बात की जानकारी सुशांत की बहन प्रियंका सिंह ने दी है। इस खबर के बाद एक बार फिर सुशांत सिंह के फैंस दुखी हैं। सुशांत की बहन प्रियंका ने डॉगी फज की दो तस्वीरें अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर की इनमें से एक में फज सुशांत संग प्यार करता दिख रहा है तो दूसरी में प्रियंका जमीन पर लेटे फज के साथ स्माइल करती नजर आ रही हैं। तस्वीरों को शेयर कर प्रियंका ने लिखा इतना लंबा फज! फज आखिरकार तुम भी अपने दोस्त के पास स्वर्ग में चले गए। जल्द मिलेंगे..तब तक...मेरा दिल बुरी तरह टूट चुका है। प्रियंका के इस पोस्ट को देखने के बाद कमेंट सेक्शन में सुशांत के फैंस के कमेंट्स की बाढ आ गई है। वे फज संग सुशांत के बॉन्ड को याद करते हुए भावुक हो रहे हैं और फज के निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं। बता दें 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड की खबर मिली थी जिसने सबको शॉक्ड कर दिया था। वहीं पिछले साल दिसंबर में कूपर अस्पताल के एक कर्मचारी ने दावा किया था कि सुशांत सिंह राजपूत का सुसाइड नहीं हत्या हुई है। इसके बाद से दिग्गज एक्टर शेखर सुमन सहित कई स्टार्स ने सुशांत के मौत मामले को फिर से खोलने की मांग की। बता दें कि सुशांत सिंह 14 जून 2020 को इस दुनिया से विदा हो गए थे। सुशांत सिंह का डॉग फज जो एक्टर के बेहद करीब था अपने चहेते मालिक को खोने से फज काफी सदमे में आ गया था।

बिग बॉस का 16वां सीजन का प्रोमो रीलिज

-पहले दिन दिया घरवालों को राशन टास्क

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस का 16वां सीजन के मेकर्स ने जो 17 जनवरी के एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया है उसमें देखा जा सकता है कि बिग बॉस टिकट टु फिनाले वीक में पहले दिन घरवालों को राशन टास्क देते हैं लेकिन इसके साथ खोई हुई प्राइज मनी की रकम भी जुड़ी है। घरवालों को राशन में सिर्फ अपने-अपने लिए शॉपिंग करनी है। राशन के हर आइटम पर उसकी कीमत लिखी है। लेकिन हर आइटम की कीमत देख सबके होश उड़ जाते हैं। जब राशन उठाने के लिए सौंदर्या शर्मा की बारी आती है तो वह कीमत देखकर हैरान रह जाती हैं। बदले में सौंदर्या अर्चना के लिए सामान उठाने लगती हैं। यह देख बिग बॉस सौंदर्या को टोक देते हैं और बोलते हैं कि पर्सनल शॉपिंग हो रही है और आप अर्चना के लिए सामान उठा रही हैं। इसी बीच अर्चना कूद पड़ती हैं और कहती हैं कि शिव टाकरे भी बाद में अपना सामान घरवालों से एक्सचेंज करेगा। इसी बात को लेकर शिव-अर्चना की लड़ाई हो जाती है। शिव ठाकरे अर्चना से कहते हैं तेरी नीयत तेरी सोच इतनी गंदी है। ये जो पानी दिख रहा है ना गंदा इससे भी गंदी है। गंदी सोच की पापी गुड़िया उंगली मत कर। वहीं अर्चना शिव पर घटिया कमेंट करती है। मालूम हो कि शिव ठाकरे और अर्चना गौतम के बीच हमेशा छत्तीस का आंकड़ा रहा है। अब देखना यह होगा कि इस वीकेंड का वार में अर्चना और शिव के इस झगड़े पर होस्ट का क्या रिएक्शन होगा। मालूम हो कि बिग बॉस के घर में आए दिन कई सारे टर्नस एंड ट्विस्ट देखने को मिल रहे हैं। निमृत कौर अहलूवालिया बिग बॉस 16 की पहली फाइनलिस्ट बन गई हैं। इसके साथ ही कैप्टेंसी भी शिव के बाद सीधे निमृत के हाथ आ गई है। वहीं टिकट टु फिनाले वीक की शुरूआत हो चुकी है और इसके साथ ही शिव ठाकरे फुल फॉर्म में नजर आते हैं। आने वाले एपिसोड में वह दो कंटेस्टेंट्स प्रियंका चाहर चौधरी और अर्चना गौतम का पदार्फाश करते नजर आएंगे।

रवीना शेयर किया किचन गार्डन का वीडियो

- खेत में उगाए गए ताजे पपीते और मूली

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने अपने खेत में उगाए गए ताजे पपीते और मूली का एक वीडियो शेयर किया। रवीना ने अपने बगीचे से सुंदर गुलाब और गेंदे के फूलों की मिनी क्लिप भी पोस्ट किया। एक्ट्रेस ने अपने प्यारे डॉग के साथ भी फोटोज क्लिक की। एक्ट्रेस को नेचर और जानवरों के साथ समय बिताते देखा जा सकता है। कमेंट सेक्शन में कई फैंस ने उनकी पोस्ट पर कमेंट किए। रवीना ने अपनी कार की खिड़की से बाहर देखते हुए अपने डॉग के साथ एक छोटा सा वीडियो शेयर किया। फिर एक्ट्रेस ने अपने खेत का वीडियो भी शेयर किया। फोटो में रवीना अपने डॉग के साथ बैठी और सेल्फी क्लिक की। उन्होंने पपीते और मूली की ताजा फसल भी दिखाई। वीडियो में रवीना अपने डॉगी से कहते हुए सुना जा सकता है मुस्कुराओ मुस्कुराओ..तुम अपने आप को कहाँ धकेल रहे हो कहाँ जा रहे हो? इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए रवीना ने अच्छा मैसेज लिखा है। फार्म पोस्ट पर फीडबैक देते हुए उनके एक फैंन ने लिखा मैम कम से कम आप इन वफादार जानवरों का ख्याल रखें भगवान आपको आशीर्वाद दें हमेशा खुश रहें। एक अन्य ने लिखा शानदार एस्केप..अपनी खुद की जगह का आनंद लें। दूसरे फैन ने लिखा बहुत खूबसूरत लग रही हो1 काम के बात करें तो फैंस ने रवीना को आखिरी बार केजीएफः चैपटर 2 में देखा था। वह अगली बार संजय दत्त के साथ घुड़चड़ी में दिखाई देंगी। उनके पास सतीश कौशिक के साथ अरबाज खान की पटना शुक्ला भी है साथ ही उनके वेब शो अरण्यक का दूसरा सीजन उनके लेटेस्ट प्रोजेक्टस के रूप में है। बता दें कि रवीना ने 2004 में अनिल थडानी से शादी की। उनके दो बच्चे हैं राशा (जन्म 2005) और रणबीर (2008)। रवीना ने अपनी शादी से पहले 1995 में पूजा और छाया नाम की दो लड़कियों को गोद लिया था जब वह महज 21 साल की थीं। उनकी गोद ली हुई दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है और उनके खुद के बच्चे भी हैं।

फिल्म भोला के लिए अजय ने रिलीज किया तब्बू का फर्स्ट लुक

दृश्यम 2की अपार सफलता के बाद अजय देवगन के फैंस उनकी अगली फिल्म भोला की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज को अभी बहुत वक्त है। इस मूवी में फिर अजय देवगन और तब्बू के बेजोड़ अभिनय का कमाल देखने को मिलेगा। मेकर्स ने भोला से अजय का फर्स्ट लुक पहले ही जारी कर दिया था। अब तब्बू के किरदार की भी पहली झलका सामने आ चुकी है। भोला को अजय देवगन ही डायरेक्ट और प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह तब्बू के साथ उनकी 9वीं फिल्म होगी। मूवी से मेकर्स ने तब्बू का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है जिसमें वह एक दबंग पुलिस अफसर दिख रही हैं। अजय ने तब्बू के लुक को शेयर करते हुए वीडियो शेयर किया है। फैंस ने भोला को अजय और तब्बू के करियर की अगली ब्लॉकबस्टर फिल्म बताया है। एक यूजर ने कमेंट किया तब्बू जी फिर से एक बार बॉक्स ऑफिस पर बवाल मचाने को तैयार हैं। एक अन्य ने इस ब्लॉकबस्टर लोडिंग मूवी बताया है।

एक्टर जेरेमी रेनर को आ रही है घर की याद

हॉकआई एक्टर जेरेमी रेनर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की जिसमें उनके नेवादा वाले घर के पास बर्फीलें द्रश्य को दिखाया गया है। एक्टर ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा मुझे मेरी जगह की याद आ रही है..। इस पोस्ट से साफ समझ आ रहा है कि एक्टर को अपने घर की याद बहुत सता रही है। एक्टर लंबे वक्त से अस्पताल में भर्ती हैं। 7 जनवरी को अस्पताल में अपना 52 वां जन्मदिन मनाने वाले रेनर ने आखिरी बार पिछले शुक्रवार को एक अपडेट साझा किया जब उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर मेडिकल स्कैन के लिए एक नर्स द्वारा खुद को एक कमरे में ले जाने का एक वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने क्लिप के ऊपर लिखा मैं आप सभी के लिए विशेष रात की कामना करता हूं। रेनर को 1 जनवरी को एक स्थानीय चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया था।

छतरीवाली फिल्म सेक्स एजुकेशन को लेकर : रकुलप्रीत

छतरीवाली फिल्म सेक्स एजुकेशन को लेकर है। इसे माता-पिता के साथ भी देखा जा सकता है। यह कहना है कि फिल्म की अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह का। रकुल प्रीत सिंह ने स्कूल में यौन शिक्षा के साथ अपने अनुभव के बारे में बात की। अभिनेत्री ने कहा कि यह एक पारिवारिक ड्रामा है और इसे माता-पिता के साथ भी देखा जा सकता है। रॉनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित और तेजस प्रभा विजय देओस्कर द्वारा निर्देशित छतरीवाली में रकुल प्रीत सिंह और सुमीत व्यास हैं। अभिनेत्री ने कहा यह छतरीवाली एक पारिवारिक फिल्म है एक ऐसी फिल्म जिसे मैं अपने परिवार या माता-पिता या अपने पिता के साथ मेरे बगल में बैठकर देख सकती हूं क्योंकि फिल्म में एक भी संवाद ऐसा नहीं है या इसका दोहरा अर्थ नहीं है। सब कुछ तथ्य की बात है और यह समय की मांग है। यह एक लड़की की कहानी है और वह कैसे सुरक्षित सेक्स के महत्व को समझती है और वह क्यों इसके बारे में स्वतंत्र रूप से और खुले तौर पर बोलने की जिम्मेदारी खुद पर लेती है इस बारें में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा जब मैं 9वीं और 10वीं कक्षा में थी और जब भी सेक्स एजुकेशन की क्लास होती थी टीनएजर्स के रूप में हम इस विषय पर हंसते और शमार्ते थे और इन कक्षाओं को बंक करने के बहाने ढूंढते थे। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म देखने वाले लोगों के धष्टिकोण में बदलाव आएगा।

मुंबई प्रेस क्लब के एक कार्यक्रम में शामिल हुए रणबीर कपूर और आलिया भट्ट

फिल्म अभिनेता रणबीर कपूर और आलिया भट्ट बुधवार शाम अपने घर से निकले और मुंबई प्रेस क्लब के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। कपल की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए गए। इंस्टाग्राम पर एक पैपराजो ने कार्यक्रम के अंदर दोनों कपल की वीडियो और फोटोज पोस्ट किया जैसे ही वे प्रेस क्लब में अंदर सीढ़यां चढ़े, उसके अगल-बगल की दीवारों पर कई फोटो फ्रेम लगे थे, जिनमें उनकी शादी की भी तस्वीर थी और रणबीर की मां अभिनेत्री नीतू कपूर और पिता अभिनेता ऋषि कपूर की कई तस्वीरें भी थीं। उन दोनों ने कई मिनटों तक दीवार की तरफ देखा। आलिया और रणबीर कपूर ने भी कुछ तस्वीरों की ओर इशारा किया आपस में बात भी की । तस्वीरें प्रेस क्लब की दीवार पर देखकर खुश और इमोशनल हुए एक्टर रणबीर कपूर। कपल ने लोगों का शुक्रिया भी किया और तस्वीरें भी खिंचवाई। जहां आलिया भीड़ को देख मुस्कुरा रही थीं, वहीं रणबीर ने उनकी तरफ हाथ जोड़े खड़े थे। आउटिंग के लिए आलिया ने ग्रे क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग ब्लेजर और पैंट और हील्स पहनी थी। रणबीर ने जैकेट, डेनिम्स और स्नीकर्स के नीचे एक सफेद टी-शर्ट का एक कलेक्शन चुना।

शाहरुख ने की दीपिका की तारीफ, कहा- बेशरम रंग गाने जैसे सीक्वेंस को शानदार अंदाज में वह ही कर सकती हैं

फिल्म पठान के 'बेशरम रंग' गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के धमाकेदार रोमांस ने इस गाने को भारी विवादों में डाल दिया। दीपिका की भगवा बिकनी ने कई लोगों को नाराज कर दिया, जिन्होंने फिल्म की रिलीज पर भी आपत्ति जताई। अब फिल्म की रिलीज में सिर्फ एक सप्ताह बाकी है। इस बीच शाहरुख खान ने 'बेशरम रंग' में दीपिका पादुकोण के प्रदर्शन की काफी सराहना की है। फिल्म में दीपिका पादुकोण की मौजूदगी को लेकर शाहरुख खान का कहना है, "यह एक्शन से भरपूर फिल्म है। इसके लिए वास्तव में दीपिका जैसी ही किसी एक्ट्रेस की जरूरत है, जो 'बेशरम रंग' गाने जैसे सीक्वेंस को शानदार अंदाज में कर सकती हैं और दीपिका ही यह सब कर सकती हैं। निमार्ताओं द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में, किंग खान ने 'पठान' में अपनी भूमिका के बारे में कहा कि मेरा 32 साल का सपना फिल्म पठान से पूरा होने जा रहा है। मैं एक एक्शन हीरो बनने के लिए फिल्म जगत में आया था, पर इसके बजाय एक रोमांटिक हीरो बन गया। मेरा मतलब है कि मुझे डीडीएलजे, राहुल और राज वाले रोल भी काफी पसंद आए, लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि मैं एक एक्शन हीरो हूं, इसलिए मेरे लिए यह मेरा सपना सच होने जैसा है। शाहरुख खान इस फिल्म में एक्शन हीरो के अवतार में दिखाई देने वाले हैं। किंग खान का कहना है कि 'पठान' एक सामान्य सा शख्स है।

सेलेना गोमेज को मिला उनका प्यार गायिका ने स्वीकारा रिश्ता

गायिका-अभिनेत्री सेलेना गोमेज इन दिनों द चेनस्मोकर्स स्टार ड्रू टैगगार्ट के साथ समय बिता रही हैं। जाहिर तौर पर यह जोड़ा अपने रिश्ते को दिखाने से डरता नहीं है। 30 वर्षीय गायिका को लगता है कि अब उनको अपना प्यार मिल गया है। पूर्व डिजनी चैनल स्टार को अपने साथी संगीतकार के साथ प्यार है क्योंकि यह जोड़ी नियमित रूप से डेट नाइट्स का आनंद लेती दिखाई देती है। एक सूत्र ने दावा किया है कि वे अपने रोमांस के शुरूआती चरण में हैं। इस साल के गोल्डन ग्लोब अवार्डस के लिए रेड कार्पेट पर अपनी उपस्थिति के बाद सेलेना को उनके मोटापे के लिए जब कुछ लोगों ने ट्रोल किया तो उन्होंने उसका जवाब देते हुए स्वीकार किया कि वह थोड़ी मोटी हो गई है।

अजय देवगन के साथ एक बार फिर नजर आएंगी तब्बू, रोमांटिक-थ्रिलर में दिखेंगे साथ

तब्बू और अजय देवगन बी-टाउन में सबसे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक हैं। दोनों की जोड़ी को काफी सराहा गया है। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर दृश्यम 2 सहित कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। पहले से ही अजय देवगन की निर्देशित फिल्म भोला लाइन में है। यह इस साल 30 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। मंगलवार को ही राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री ने फिल्म से अपना लुक साझा किया था। अब खबर है कि तब्बू एक और रोमांचक फिल्म में अजय देवगन के साथ काम करेंगी। दोनों नीरज पांडे की आगामी रोमांटिक-थ्रिलर के लिए एक साथ आएंगे, जो कथित तौर पर दो अलग-अलग युगों में सेट है। सूत्रों के अनुसार, नीरज तब्बू को ऑनबोर्ड करने के लिए बेहद उत्सुक थे, क्योंकि उन्हें लगता है कि तब्बू इस फिल्म के किरदार के लिए उपयुक्त हैं। अजय और तब्बू एक-दूसरे के अपोजिट हैं और जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। वह फिल्म में एक बहुत ही अलग अवतार में नजर आएंगी। जिमी शेरगिल और सई माजरेकर भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

हॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू को लेकर एसएस राजामौली ने किया बड़ा खुलासा

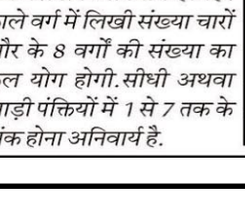

एसएस राजामौली, यह नाम कुछ साल पहले तक बहुत ज्यादा प्रचलित नहीं था, लेकिन आज यह भारत सहित पूरी दुनिया में गूंज रहा है। राजामौली सबसे पहले 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'बाहुबली द बिगिनिंग' के बाद सुर्खियों में आये थे। इसके बाद बाहुबली द कन्क्लूजन और आरआरआर जैसी फिल्मों ने उन्हें देश के सबसे शानदार निर्देशकों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया। फिलहाल वे अपनी फिल्म आरआरआर को लेकर जमकर सुर्खियों बटोर रहे हैं। दरअसल, उनकी इस फिल्म के क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड जीतने के बाद हॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर स्टीवन स्पीलबर्ग और जेम्स कैमरून ने राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' की जमकर तारीफ की है। इस सफलता के बाद अब राजामौली हॉलीवुड फिल्मों में हाथ आजमाने की प्लानिंग कर रहे हैं। एक मैगजीन से बात करते हुए राजामौली ने कहा, "मुझे लगता है कि दुनिया का हर फिल्म मेकर हॉलीवुड में फिल्म बनाने का सपना देखता है और मैं उनसे अलग नहीं हूं। मैं हॉलीवुड में एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार हूं।" हालांकि इस बातचीत में राजामौली ने ये भी कहा कि वो अभी थोड़ा कंफ्यूज हैं, क्योंकि तेलुगु फिल्म बनाते वक्त उनके पास क्रिएटिव फ्रीडम की आजादी होती है। मुझे वहां कोई नहीं बता सकता कि फिल्म कैसे बनानी है। आखिर में उन्होंने यह जरूर साफ किया कि अगर वे हॉलीवुड में फिल्म बनाते हैं तो उनकी फिल्म वे किसी के साथ मिलकर ही बनाएंगे।

सूडोकु नवताल- 6318

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6317 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

गणित पहेली - 5378

50		2		5		5	=	52
52		80		78		10	=	44
97		58		25		2	=	16
20		3		20		2	=	20
=		=		=		=		=
25		21		38		27	=	4 / 15

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5377

145	+	31	-	32	-	50	=	94
-		-		+		-		-
60	-	30	+	20	-	25	=	25
-		+		+		-		+
50	-	44	+	24	-	15	=	15
+		-		-		+		-
10	x	5	-	40	+	15	=	25
=		=		=		=		=
45	-	40	+	36	-	25	=	59 / 16

अष्टयोग- 6018

	2		3		1	
2	32	4	39	7	34	4
		7	4			
5	30	3	38	6	31	1
			6	4		
3	27	2	25	1	31	6
	6		4		3	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6017 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

पहलवानों के प्रदर्शन पर प्रियंका गांधी बोलीं- खिलाड़ी देश की शान, आरोपों की जांच हो

नई दिल्ली ।
दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का विरोध प्रदर्शन लगातार राजनीतिक रूप लेता जा रहा है। पहलवानों के आरोपों पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट किया है और जांच के बाद कार्रवाई की मांग की है। प्रियंका गांधी ने धरने पर बैठे पहलवानों को लेकर लिखा हमारे खिलाड़ी देश की शान हैं। विश्व स्तर पर अपने प्रदर्शन से वे देश का मान बढ़ाते हैं। कुश्ती फेडरेशन व उसके अध्यक्ष पर खिलाड़ियों ने शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन खिलाड़ियों की आवाज सुनी जानी चाहिए। आरोपों की जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। हमारे खिलाड़ी देश की शान हैं। विश्व स्तर पर अपने प्रदर्शन से वे देश का मान बढ़ाते हैं। कुश्ती फेडरेशन व उसके अध्यक्ष पर खिलाड़ियों ने शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन खिलाड़ियों की आवाज सुनी जानी चाहिए।

आरोपों की जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए - पहलवान गीता फोगाट ने भी ट्वीट कर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों का समर्थन किया है। उन्होंने लिखा बहुत दुख: हुआ यह तस्वीर देखकर की हमारे देश के गौरव ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी दिल्ली मे जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे है। ये तानाशाही बंद होनी चाहिये हम पूर्ण रूप से अपने खिलाड़ी साथियो की मांगों का समर्थन करते है। यह तस्वीर देखकर की हमारे देश के गौरव ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी दिल्ली मे जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे है। ये तानाशाही बंद होनी चाहिये आज हम पूर्ण रूप से अपने खिलाड़ी साथियो की मांगों का समर्थन करते है। पहलवान से नेता बनीं बबीता फोगाट ने भी इस मामले पर ट्वीट कर पहलवानों का समर्थन किया है। उन्होंने लिखा मैं अपने खिलाड़ियों की इस लड़ाई में उनके साथ हूं। मुझे सरकार पर पूरा भरोसा है कि वह विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ाने वाले देश के खिलाड़ियों के साथ न्याय करेगी।

मैं अपने खिलाड़ियों की इस लड़ाई में उनके साथ हूँ - मुझे सरकार पर पूरा भरोसा है कि वह विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ाने वाले देश के खिलाड़ियों के साथ न्याय करेगी इसके बाद उन्होंने दूसरा ट्वीट कर लिखा कुश्ती के इस मामले में मैं अपने सभी साथी खिलाड़ियो के साथ खड़ी हूं। मैं आप सबको विश्वास दिलाती हूं कि सरकार से हर स्तर पर इस विषय को उठाने का काम करूंगी और खिलाड़ियों के भावनाओं के अनुरूप ही आगे का भविष्य तय होगा।

कुश्ती के इस मामले में मैं अपने सभी साथी खिलाड़ियो के साथ खड़ी हूँ। मैं आप सबको विश्वास दिलाती हूँ कि सरकार से हर स्तर पर इस विषय को उठाने का काम करूँगी और खिलाड़ियों के भावनाओं के अनुरूप ही आगे का भविष्य तय होगा।

क्या है मामला - भारत के 30 पहलवान दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने में बैठ गए। इनमें बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट जैसे बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने भारतीय कुश्ती संघ और संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बजरंग ने कहा कि जो लोग कुश्ती संघ चला रहे हैं, उन्हें खेल के बारे में कुछ नहीं पता है। हमें कोच तक नहीं दिए जाते और इसका विरोध करने पर धमकाया जाता है। वहीं, विनेश फोगाट ने कहा कि संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने कई खिलाड़ियों का यौन शोषण किया है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के चहेते लोग लड़कियों का शोषण करते हैं। पुरुष कोच भी लड़कियों के साथ-साथ महिला कोच का भी शोषण करते हैं।

बृजभूषण सिंह 2011 से भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष बने हुए हैं। 2019 में उन्होंने तीसरी बार इस पद पर चुनाव जीता था। वह छह बार से लगातार सांसद हैं। फिलहाल वह कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद हैं।

न्यूज ब्रीफ

डब्लूडब्लूई रेसलर की तरह नजर आए रोबिन उथप्पा: दुबई की आईएलटी20 लीग में मिला ग्रीन बेल्ट, नेटिजन्स ने किए मजेदार कमेंट्स

नई दिल्ली । भारत और कर्नाटक के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा, ने पिछले साल सितंबर में भारतीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की। रॉबी अब विदेश की टी-20 लीग में हिस्सा ले रहा है। इस समय वे इंटरनेशनल लीग टी-20 में खेल रहे है। वे दुबई कैपिटल्स के लिए खेलते है। वे दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में गल्फ जायंट्स के खिलाफ 46 गेंदों पर 79 रन की पारी के बाद ग्रीन बेल्ट प्राप्त करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। उथप्पा वर्तमान में 122 रनों के साथ टॉप रन स्कोरर है। ग्रीन बेल्ट के साथ रॉबी की फोटो वायरल हो गई। कई लोग उनकी तुलना डब्लूडब्लूई रेसलर्स से कर रहे है। क्योंकि बेल्ट हूबहू डब्लूडब्लूई में मिलने वाले चैंपियनशिप बेल्ट की तरह ही लग रहा है। नेटिजन्स ने इंटरनेट पर इसे लेकर फनी कमेंट भी किए। जिस तरहर आईपीएल में टॉप रन स्केरर को ऑरेंज कैप मिलती है। ठीक उसी तरह दुबई की इस लीग में प्लेयर को ग्रीन बेल्ट दिया जाता है। उथप्पा 2007 टी-20 वर्ल्ड कप का थे हिस्सा उथप्पा 2007 में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे। भारत ने ये वर्ल्ड कप महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था। रॉबिन ने पाकिस्तान के खिलाफ टाई हुए मुकाबले के बाद जब बॉल-आउट हुआ था। तब उन्होंने सहवाग और हरभजन के साथ थ्रो किया था। जिससे टीम इंडिया को जीत मिली थी। आईपीएल में बनाए 4000 से भी ज्यादा रन उथप्पा ने भारत की तरफ से 46 वनडे और 13 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले। वनडे में 6 अर्धशतकीय पारी की बदौलत उन्होंने 934 रन बनाए। जबकि टी20 में 1अर्धशतक के साथ उनके नाम 249 रन रहे। इसके अलावा उथप्पा आईपीएल में 205 मुकाबले खेल चुके हैं।

दूसरे दौर में ही ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर हुए शीर्ष दो खिलाड़ी, कैस्पर रुड को जेनसन ने हराया

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 में उलटफेर का सिलसिला जारी है। पुरुष एकल में शीर्ष वरीयता वाले राफेल नडाल के बाद दूसरी वरीयता वाले कैस्पर रुड भी दूसरे दौर में ही हारकर बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में कैस्पर रुड को अमेरिका के जेन्सन ब्रुक्सबी ने 6-3, 7-5, 6-7, 6-2 से हराया। इसके साथ ही खिताब जीतने के दो प्रबल दावेदार टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। इससे पहले शीर्ष वरीयता वाले राफेल नडाल को टेनिस रैंकिंग में 65वें स्थान पर काबिज अमेरिका के मैकेंजी मैक्डोनाल्ड ने सीधे सेटों में हराया था। नडाल और केस्पर रुड के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद सितसिपास और नोवाक जोकोविच पुरुष एकल में खिताब जीतने के सबसे प्रबल दावेदार हैं। नडाल ने इस टूर्नामेंट के पहले राउंड में जैक ड्रैपर को मात दी थी। हालांकि, वह बहुत अच्छी लय में नहीं दिख रहे थे। दूसरे राउंड में उन्होंने अच्छी शुरुआत की, लेकिन पहला सेट हार गए। दूसरे सेट में वह चोटिल हो गए और ब्रेक लिया। ब्रेक से वापस आने के बाद वह पुरानी लय में नहीं दिखे और मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। कैस्पर रुड के भी इस टूर्नामेंट से बाहर होने का तरीका नडाल से मिलता-जुलता है। दूसरे राउंड में शुरुआती दो सेट गंवाने के बाद उन्होंने मेडिकल टाइम आउट लिया था और तीसरा सेट 7-6 के करीबी अंतर से अपने नाम किया।

पाक में नाइट टूर्नामेंट के जरिए बढ़ रहा महिला क्रिकेट: 2016 में पहली बार हुआ था टूर्नामेंट; इस साल 5 टूर्नामेंट्स होंगे

कराची। पाकिस्तान में महिला क्रिकेट के प्रति दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। खेलो क्रिकेट की संस्थापक हदील ओबैद की मेहनत की बदौलत ज्यादा से ज्यादा लड़कियां इससे जुड़ रही हैं। 2016 में आयोजित हुए पहले महिला टूर्नामेंट को याद करते हुए ओबैद ने कहा कि काश वो उस वक्त लोगों की भावनाओं को कैद कर पातीं। अपनी बेटियों को मैदान में छोड़ने आए माता-पिता उन्हें खेलता देख भावुक हो गए थे और लगातार ओबैद को धन्यवाद कह रहे थे। सामाजिक रूप से रूढ़िवादी देश में महिला एथलीटों के अवसर बढ़ रहे हैं। यहां पुरुषों की टीम में कई खिलाड़ी सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों से आते हैं, वहीं महिला टीम की खिलाड़ी धनी परिवारों से आती हैं, जो महिलाओं के खेलने पर आपत्ति नहीं जताते हैं।

पंड्या के बोल्ड होने पर विवाद : गिल ने लगातार 3 छक्के जड़कर पूरा किया दोहरा शतक

नई दिल्ली ।
हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला गया। इसे भारतीय टीम ने 12 रनों से जीता। सांसे थाम देने वाले इस रोमांचक मुकाबले में कई रोचक पल देखने को मिले तो कुछ विवाद भी उठे। 40वें ओवर में थर्ड अंपायर का हार्दिक पंड्या को आउट करार दिया जाना सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा। इससे पहले शुभमन गिल ने छक्कों की हैट्रिक के साथ अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। भारतीय फास्ट बॉलर मोहम्मद सिराज अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे थे। सिराज के खेल का लुत्फ उठाने उनकी फैमिली मेंबर्स स्टेडियम पहुंचे थे। इस स्टोरी में इन तमाम पलों की यादों को फिर से ताजा करेंगे।

क्या है मामला - भारतीय पारी का 40वां ओवर चल रहा था। डेरिल मिचेल बॉलिंग कर रहे थे और हार्दिक पंड्या क्रीज पर थे। वे गिल के साथ 5वें विकेट के लिए 74 रन जोड़ चुके थे। तभी मिचेल की चौथी बॉल पंड्या मिस कर गए और बॉल विकेटकीपर टॉम लैथम के दस्तानों में चली गई। लैथम ने ग्लव्स से गिल्लियां गिरा दीं। ऐसा लगा कि बॉल गिल्लियों के पास से होते हुए लैथम के ग्लव्स में गई थी। पंड्या क्रीज में थे तो उनके स्टंप होने का सवाल नहीं उठता था। फील्डिंग टीम की अपील पर ग्राउंड अंपायर ने मामला थर्ड अंपायर के पास भेज दिया। थर्ड अंपायर का मानना था कि गिल्लियां बॉल लगने से गिरीं या विकेटकीपर के ग्लव्स से यह रिप्ले देखकर कहना मुश्किल है। चूंकि ग्राउंड अंपायर का सॉफ्ट सिग्नल आउट था इसलिए थर्ड अंपायर ने पंड्या को बोल्ड आउट करार दे दिया। पंड्या और खुद गेंदबाज डेरिल मिचेल भी इस फैसले से हैरान रह गए।

गिल ने 49वें ओवर में जमाए लगातार 3 छक्के...और दोहरा शतक पूरा - भारतीय पारी के 48 ओवर समाप्त हो चुके थे और गिल 182 रनों के निजी स्कोर पर खेल रहे थे। अब पारी की 12 बॉल ही बची थीं। कमेंटेटर्स यह डिबेट कर थे कि क्या गिल को डबल सेंचुरी बनाने का मौका मिल पाएगा कीवी कप्तान ने 49वां ओवर फेंकने के लिए लोकी फर्ग्युसन को बॉल थमा दी। गिल ने फर्ग्युसन की पहली, दूसरी और तीसरी बॉल पर लगातार तीन छक्के जमाए और अपने वनडे करियर का पहला दोहरा शतक पूरा कर लिया। दोहरा शतक जड़ने के बाद 50वें ओवर में भी उन्होंने एक छक्का लगाया। दोहरे शतक के बाद गिल ने विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर की तरह एग्रेसिव सेलिब्रेशन किया। आखिरकार वे 149 बॉल में 208 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी में उन्होंने 19 चौके और 9 छक्के जड़े।

सिराज की मां ने देखा मैच - मोहम्मद सिराज की मां और बाकी रिश्तेदार भी हैदराबाद में भारत-न्यूजीलैंड का वनडे मैच देखने पहुंचे। सिराज हैदराबाद में ही रहते हैं। इस कारण उनकी मां शबाना बेगम अपने बच्चों और रिश्तेदारों को लेकर मैच देखने पहुंचीं। सिराज ने मैच में 4 विकेट अपने नाम किए।

रन के कॉल में कन्फ्यूजन, तो शार्दूल ने गिल के लिए दी कुर्बानी - भारतीय पारी के 47वें ओवर में शुभमन गिल 169 रन पर बैटिंग कर रहे थे। फर्ग्यूसन की फुलर लेंथ बॉल को गिल ने कवर्स की दिशा में शॉट मारा और सिंगल लेने के लिए दौड़ पड़े। मिचेल सैंटनर ने बॉल उठाई और कीपर की ओर थ्रो कर दिया।

नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े शार्दूल ठाकुर क्रीज से बाहर निकले और गिल को क्रीज के अंदर भेजा, जिससे कि वे रन आउट हो जाएं और गिल खेलना जारी रख अपना दोहरा शतक पूरा करें। शार्दूल 3 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए।

ईशान ने हाथ से गिराई गिल्लियां और अपील भी की - दूसरी पारी में भारत का 16वां ओवर कुलदीप यादव फेंक रहे थे। स्पिनर कुलदीप ने गुड लेंथ पर गेंद फेंकी। जिसे न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने बैकफुट पर डिफेंस कर दिया। बॉल रोहित शर्मा के पास गई, तभी लैथम की गिल्लियां भी गिर गईं। भारत के विकेटकीपर ईशान किशन ने विकेट की अपील की। मामला थर्ड अंपायर के पास गया, लेकिन रिप्ले में साफ नजर आया कि लैथम हिट विकेट नहीं हुए थे। किशन ने कीपिंग ग्लव्स से गिल्ली गिराई थीं। थर्ड अंपायर ने लैथम को नॉटआउट करार दिया। फैसले के बाद किशन मजाकिया अंदाज में मुस्कुराने लगे, क्योंकि उन्होंने लॉथम को ट्रोल करने के लिए ही ऐसा किया था। लॉथम ने पहली पारी में 2-3 बार अपने ग्लव्स से गिल्लियां गिराई थीं।

आखिरी ओवर का रोमांच - 350 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 49 ओवर में 330 रन बना लिए थे। आखिरी ओवर में 20 रन की जरूरत थी। पहली ही बॉल पर शार्दूल ठाकुर को छक्का पड़ गया। दूसरी बॉल उन्होंने वाइड फेंकी और अगली ही गेंद पर यॉर्कर फेंक कर माइकल ब्रेसवेल को आउट कर दिया। ब्रेसवेल ने रिव्यू लिया और रिप्ले में भी वे आउट ही नजर आए। अगर रिव्यू का फैसला न्यूजीलैंड के हक में जाता तो माइकल ब्रेसवेल कीवी टीम को मुकाबले में जीत दिला भी सकते थे।

भारत का तीसरा मैच वेल्स से, क्वार्टर फाइनल में सीधे पहुंचने के लिए ये हैं समीकरण

भुवनेश्वर ।
भारत को हॉकी विश्वकप के क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश के लिए वेल्स पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। पूल डी में भारत और इंग्लैंड के चार-चार अंक हैं, लेकिन इंग्लैंड ज्यादा गोल करने की वजह से शीर्ष पर है। इसके साथ ही इंग्लैंड भी अपने अंतिम मुकाबले में स्पेन पर जीत दर्ज कर पूल डी में शीर्ष पर बने रहने का प्रयास करेगा। भारत ने अपने पहले मैच में स्पेन को 2-0 से हराया था, जबकि दूसरा मुकाबला इंग्लैंड के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। इंग्लैंड ने अपने पहले मैच में वेल्स पर 5-0 की जीत दर्ज की थी। तीसरे स्थान पर चल रहे स्पेन ने वेल्स को 5-1 से हराया था। इस पूल में अंतिम स्थान पर चल रहे वेल्स को छोड़कर शेष तीनों देश अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने के दावेदार हैं। विश्वकप में खेल रही 16 देशों की टीमों को 4-4 के पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल के पहले नंबर की टीम को सीधे अंतिम आठ का टिकट मिलेगा। शेष चार टीमें क्रॉस ओवर के जरिये क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। भारत वेल्स को हरा दे और स्पेन व इंग्लैंड का मैच ड्रॉ हो जाए, तो सात अंकों के साथ भारत पहले नंबर पर पहुंच जाएगा। भारत और इंग्लैंड दोनों जीत जाएं या दोनों के मुकाबले ड्रॉ रहें, तब जिसके गोल ज्यादा होंगे, वह पहले स्थान पर रहेगा। स्पेन इंग्लैंड को हरा दे। वेल्स भारत को ड्रॉ पर रोक दे या हरा दे, तब स्पेन शीर्ष पर पहुंच जाएगा। पिछले दो मैचों में भारत को नौ पेनाल्टी कॉर्नर मिले। इनमें से सिर्फ एक पर स्पेन के खिलाफ गोल हुआ था। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ मिले चारों पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं हो सके। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ भारत की रक्षापंक्ति ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड को मिले आठ पेनाल्टी कॉर्नर भारतीय टीम ने नाकाम किए थे। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के पास अपने घर में इस बार विश्वकप जीतने का सुनहरा मौका है। स्टार ड्रैग फ्लिकर कप्तान हरमनप्रीत पेनाल्टी कॉर्नर पर गेंद को नियंत्रित करने में चूक रहे हैं। उन्हें और शेष खिलाड़ियों को आक्रामक रुख अपनाते हुए ज्यादा से ज्यादा गोल करने पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत और वेल्स के बीच अब तक कुल तीन हॉकी मुकाबले हुए हैं। इनमें भारतीय टीम ने सभी मैच जीते हैं।

कोको गॉफ ने एमा रादुकानू को किया बाहर, इगा स्विटेक और मेडिसन कीज भी अगले दौर में पहुंचीं

मेलबर्न ।
अमेरिका की युवा खिलाड़ी कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में शानदार जीत हासिल की। उन्होंने 2021 में यूएस ओपन जीतने वाली ब्रिटेन की एमा रादुकानू को हरा दिया। सातवीं वरीयता प्राप्त कोको ने 6-3, 7-6 (4) से उन्हें शिकस्त दी। यह उनके करियर की 100वीं जीत है। 18 साल की कोको ने 100 मैच जीतने वाली सबसे युवा महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने कैरोलिना वोज्नियाकी को पीछे छोड़ा। वोज्नियाकी ने 2009 में यह उपलब्धि हासिल की थी। महिलाओं में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्विटेक, तीसरी वरीय जेसिका पेगुला, छठी वरीय मारिया सकारी, दसवीं वरीय मेडिसन कीज ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। स्विटेक ने कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-3 से हराया। वहीं, कीज ने चीन की वांग जिनयू को 6-3, 6-2 से हरा दिया।

राफेल नडाल को मिली हार

शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा विजेता राफेल नडाल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में अमेरिकी खिलाड़ी मैकेंजी मैकडोनाल्ड से 6-4, 6-4, 7-5 से हार गए। विश्व के 65वें नंबर के मैकेंजी ने नडाल को हराने के लिए दो घंटे 32 मिनट का समय लिया। 22 ग्रैंड स्लैम विजेता 36 वर्षीय राफेल नडाल अपने रंग में नहीं थे। मैच के दौरान उनके कूल्हे में चोट लग गई।

दूसरे दौर में विश्व के नंबर दो खिलाड़ी नडाल जब 3-4 से पीछे थे, तब उनके बाएं कूल्हे में चोट लग गई। स्कोर 3-5 हो गया तब नडाल ने फिजियो की मदद के लिए मेडिकल टाइम आउट लिया। राफेल दूसरी बार शुरुआती चरण में ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर हुए हैं। इससे पहले 2016 में वह हमवतन वर्दास्को फर्नांडो से पहले दौर में ही हार गए थे। 27 वर्षीय मैकडोनाल्ड ने राफेल नडाल को पहली बार हराया है। इससे पहले वह फ्रेंच ओपन 2020 में नडाल से हार गए थे। अन्य खिलाड़ियों में स्टेफानोस सितसिपास, फ्रांसिस टायफो, फेलिक्स ऑगर अलियासिमे, यानिक सिनर, करेन खचानोव ने तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा की हार्ड ट्रेनिंग, आनंद महिंद्रा का ट्वीट- वर्कआउट देख कमर तोड़ प्रयास याद आया, कुछ भी आसानी से नहीं मिलता

पानीपत।
देश के फेमस उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के वर्कऑउट का एक वीडियो शेयर किया। अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किए गए इस वीडियो के साथ कैप्शन के माध्यम में आनंद महिंद्रा ने युवाओं समेत तमाम मेहनतकश लोगों को बड़ा संदेश दिया। आनंद महिंद्रा ने लिखा- नीरज चोपड़ा के वर्कआउट रूटीन को देखकर मुझे उस कमर तोड़ने वाली मेहनत की याद आ जाती है, जो किसी भी जीत के पर्दे के पीछे होती है। कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा इस वक्तच में है। वे 2023 सीजन के लिए च के प्रशिक्षण ले रहे हैं। च में उनके वर्कऑउट का एक वीडियो 16 जनवरी को आनंद महिंद्रा ने शेयर किया। इस वीडियो के साथ महिंद्रा ने याद दिलाया कि जीत आसान नहीं है।

उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने अपने ट्वीट में लिखा, नीरज चोपड़ा के वर्कआउट रूटीन को देखने मात्र से ही मुझे उस असाधारण, कमर तोड़ने वाले प्रयास की याद आ जाती है, जो किसी भी जीत के पर्दे के पीछे होता है। कुछ भी आसान नहीं होता।

दरअसल, नीरज चोपड़ा इस साल होने वाली तीन बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी कर रहे हैं। जिसमें वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियाई खेल 2023 और डायमंड लीग का फाइनल शामिल है। हाल ही में जेवेलिन थ्रोअर ने पत्रकारों से कहा था कि इस साल जेवलिन में 90 मीटर के आंकड़े को छूने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा की ये एक जादुई आंकड़ा जिस तक कड़ी मेहनत के बाद ही पहुंच पाना संभव होता है। इसी साल होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है। 19 से 27 अगस्त के बीच हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में वर्ल्ड चैंपियनशिप होगी। चीन के ह्वांगझू में एशियन गेम्स भी है। 2024 में पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफिकेशन प्रोसेस इसी साल शुरू होना है। झारखंड एथलीट्स संघ, रांची में 2023 में 2 बड़े आयोजन करेगा। पहला आयोजन फरवरी में होगा, जबकि दूसरा जुलाई में होगा। फरवरी में मोरहाबादी इंटरनेशनल रेस वॉक चैंपियनशिप और जुलाई में 62वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन होगा।

जो कि एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का क्वालिफिकेशन इवेंट होगा। इस चैंपियनशिप में ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा सहित अन्य एथलीट शामिल होंगे।

चंदा जुटाकर वर्ल्ड कप खेलने आई वेल्स टीम

कोई साइंटिस्ट तो कोई टीचर, पार्टटाइम हॉकी खेलकर पहली बार वर्ल्ड कप पहुंचे

राउरकेला/भुवनेश्वर।
हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का सामना वेल्स से होगा। भारतीय टीम 2 मैचों से 4 पॉइंट लेकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की होड़ में कायम है। वहीं, वेल्स की टीम इससे पहले लगातार दो मैच हारकर नॉकआउट की रेस से बाहर होने के करीब है। इसके बावजूद वेल्स का इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करना ही अपने आप में एक बड़ी सक्सेस स्टोरी बन गई है। कारण यह है कि वेल्स की टीम ज्यादातर उन खिलाड़ियों से मिलकर बनी है जिनके लिए हॉकी खेलना जीवन चलाने का उपाय नहीं है। इस टीम में कोई साइंटिस्ट है, तो कोई इंजीनियर। कुछ स्कूल टीचर्स भी टीम का हिस्सा हैं। यानी ज्यादातर खिलाड़ी जॉब करते हैं और पार्टटाइम हॉकी खेलते हैं। इन सबने अपने जुनून और हुनर से टीम को वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई तो करा दिया था, लेकिन भारत आने के लिए टीम के पास पैसे नहीं थे। इन्होंने अपने पैसे मिलाकर और चंदा जुटाकर वेल्स से भुवनेश्वर तक का सफर तय किया है।

हर खिलाड़ी हर साल 1 लाख रुपए टीम में देता है - वेल्स की हॉकी टीम को न तो वहां की सरकार से खास सपोर्ट हासिल है और न ही कॉरपोरेट जगत से। खेल का खर्च पूरा करने के लिए टीम के सभी खिलाड़ी हर साल 1-1 हजार पाउंड (करीब 1-1 लाख रुपए) का कॉन्ट्रीब्यूशन करते हैं। इससे हॉकी स्टिक, बॉल, अन्य इक्विपमेंट के खर्चे निकल आते हैं। कुछ समय पहले तक टीम वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप-30 से बाहर थी, लेकिन अब यह टॉप-15 में है। लगातार बेहतर होते खेल की बदौलत इन्होंने इतिहास में पहली बार वर्ल्ड कप

के लिए क्वालिफाई कर लिया। हालांकि, यहां से नई समस्या शुरू हो गई। वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई तो कर लिया लेकिन भारत आते कैसे टीम के पास इतने पैसे नहीं थे कि भारत यात्रा का खर्च निकाला जा सके।

फिर क्राउड फंडिंग का सहारा लिया - वेल्स की टीम ने अपने देश के लोगों से मदद की अपील की। क्राउड फंडिंग के जरिए चंदा जुटाकर भारत आने का फैसला किया गया। टारगेट रखा गया कि 25,000 पाउंड (करीब 25 लाख रुपए) जुटाए जाएं। हालांकि, कलेक्शन टारगेट से बहुत कम हुआ। टीम को क्राउड फंडिंग से 5 लाख रुपए ही मिले। फिर सभी खिलाड़ियों ने अपनी जेब से और पैसे मिलाए और वर्ल्ड कप में खेलने का सपना साकार किया।

प्रैक्टिस के लिए सैलरी भी कटवाते हैं - वेल्स हॉकी टीम के कप्तान रुपर्ट शिपर्ले ने बताया कि उनकी टीम में एक बायो साइंटिस्ट और एक इंजीनियर भी है। तीन खिलाड़ी स्कूल में पढ़ाने का काम करते हैं। एक खिलाड़ी जिम ट्रेनर है और एक खिलाड़ी न्यूट्रिशनिस्ट का काम करता है। इन प्लेयर्स के लिए डेली प्रैक्टिस करना मुश्किल होता है। ये सोमवार से शुक्रवार अपने-अपने जॉब में लगे रहते हैं। शनिवार और रविवार को वेल्स की राजधानी कार्डिफ में जुटते हैं और हॉकी की प्रैक्टिस करते हैं। किसी बड़े टूर्नामेंट से पहले अच्छे अभ्यास के लिए इन्हें दफ्तर से छुट्टी लेनी पड़ती है। इसके लिए कई बार सैलरी भी कटवानी पड़ती है। टीम के एक खिलाड़ी लंदन के सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल में क्लिनिकल वैस्कुलर साइंटिस्ट के रूप में काम करते हैं। उन्होंने बताया कि सप्ताह में करीब 45 घंटे ड्यूटी करने के बाद वे 2 दिन प्रैक्टिस के लिए भी निकालते हैं। देश में भी यह खेल बहुत फेमस नहीं है। इस कारण ड्यूटी के बाद प्रैक्टिस करना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

देश में एक ही ग्राउंड, वहां बस 400 दर्शकों की जगह - वेल्स टीम के कोच ने कहा कि उनके यहां हॉकी को लेकर ज्यादा सुविधाएं नहीं हैं। कार्डिफ में एक ही ग्राउंड है, जहां ज्यादा से ज्यादा 400 लोग मैच देख सकते हैं।

नकारात्मक लोगों को कैसे पहचानें?

जिन लोगों के साथ आप समय बिताते हैं वो जाने-अनजाने में आपके जीवन पर बहुत बड़ा असर डालते हैं। कहीं न कहीं हम उनकी तरह बात करने, उनकी तरह बनने और वैसा ही करने की कोशिश अनजाने में करने लगते हैं, ये मानवीय पकृति है जिसे हर कोई करता है और इसे बदलना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि संगत का असर दिमाग पर पड़ता है और दिमाग एक जटिल अंग है जिसे समझ पाना असंभव है। कई बार हमें पता ही नहीं चलता है कि जो लोग हमारे साथ या आसपास हैं वो कितने बेकार और नकारात्मक सोच वाले हैं। ऐसे लोग विषैले सांप की तरह होते हैं जो कभी न कभी आपको भी नुकसान पहुंचाते ही हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि ऐसे लोगों को पहचानें और उनसे दूरी बना लें। ऐसे लोग अपनी बातों या अपने कामों से आएं दिन किसी न किसी का दिल दुखाते रहते हैं। वे हमेशा कोशिश करेंगे कि वे आपको बहुत भला चाहते हैं लेकिन आपको निराश करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। ऐसे लोगों को स्मार्टली हैंडल करना सीखें और उनसे भावनात्मक दूरी बना लें। वरना वे आपमें भी ऐसी आदत पनपा सकते हैं। ऐसे लोग हमेशा परेशान रहते हैं। वो जीवन में कभी खुश नहीं रहते हैं। चाहें परिस्थितियां कितनी भी अच्छी क्यों न हों, उन्हें हमेशा शिकायत और समस्या ही रहती है। समय रहते ऐसे लोगों से दूर हो जाएं। जो लोग आपको किसी काम को करने के लिए प्रेरित नहीं करते हैं बल्कि हमेशा हतोत्साहित करते रहते हैं वे लोग टॉक्सिक होते हैं। ऐसे लोग जीवन में नकारात्मकता लेकर आते हैं। जितना संभव हो, ऐसे लोगों से दूर रहें। जहरीले स्वभाव वाले लोगों से आप जब भी बात करें, तो वे दूसरों के बारे में हमेशा खराब ही बोलेगें। इससे आपके नजरिए पर भी असर पड़ता है। इसलिए, अच्छा होगा कि ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखें।

डीवीडी देखकर व्यायाम न करें...

एक नए शोध में पता चला है कि फिटनेस डीवीडी देखते हुए घर में व्यायाम करने का विचार अच्छा लग सकता है, लेकिन इसका काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऑरिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के परिणामों से पता चला है कि इस तरह के वीडियो से व्यक्ति की सोच नकारात्मक दिशा की ओर मुड़ सकती है और उनके प्रेरणा स्तर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। फिटनेस के लिए मिलने वाली डीवीडी के अध्ययन से यह भी सामने आया है कि इस तरह की डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली निराशाजनक भाषा से व्यायाम करने वालों पर पड़ने वाले प्रभाव का स्तर कम हो सकता है। इसके साथ ही ऐसा वीडियो देखने वाले व्यक्तित की आशा और क्षमता पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव मनोवैज्ञानिक क्षति का कारण बन सकता है। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने व्यायाम का प्रशिक्षण देने वाले 10 लोकप्रिय डीवीडी की समीक्षा की। इस तरह के डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली भाषा और वीडियो का मूल्यांकन किया गया। इस शोध का लक्ष्य इस तरह के डीवीडी में दिए जाने वाले संदेशों और वीडियो को बेहतर तरीके से समझना और उपयोगतकर्ताओं पर इनके प्रभाव का आकलन करना था। इन फिटनेस डीवीडी का 25 करोड़ डॉलर का उद्योग है, लेकिन इनकी सुरक्षा से संबंधित कोई भी वैज्ञानिक सबूत नहीं है। इस शोध के परिणामों के बाद सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया कि वे इस तरह के डीवीडी को खरीदते समय या इनका इस्तेमाल करते समय इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के प्रति जागरूक रहें।

सैनिक स्कूलों में लड़कियों को भी मिल सकता है दाखिला

सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों के दाखिले की भी अनुमति दी जा सकती है। करीब 55 साल पहले जब एक सैनिक स्कूल खुला था तो वह सिर्फ पुरुष प्रधान ही था यानी सिर्फ छात्रों का ही दाखिला होता था। मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया कि नागरिक उड्डयन मंत्री अशोक गजापति राजू ने एक पत्र लिखा था जिसके आधार पर रक्षा मंत्रालय ने इन स्कूलों में लड़कियों को भी दाखिला देने की संभावना तलाशनी शुरू कर दी है। रक्षा मंत्रालय अभी देश भर में 22 सैनिक स्कूल चलाता है। अधिकारी ने बताया कि राजू ने रक्षा मंत्री मनोहर पारिज्कर को एक पत्र लिखकर आग्रह किया जिस पर पार्रिकर ने इस मामले पर गौर करने का वादा किया। देश भर में नैशनल डिफेंस अकेडमी और आर्मी में महिलाओं के दाखिले को लेकर विभिन्न स्तरों पर बहस चल रही थी। सैनिक स्कूल में छात्राओं के प्रवेश को इस दिशा में पहला कदम माना जाएगा।

रक्षा मंत्री को लिखे पत्र में राजू ने उल्लेख किया, 'आज के आधुनिक समय में रक्षा सेवाएं अपवाद नहीं रह गई हैं जहां महिलाएं अपनी भूमिका न निभा सकें। इस संदर्भ में मैं आपके ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि कई पैरंट्स सैनिक स्कूल, कोरुकोंडा (विजयनगरम) के माध्यम से देश की सेवा में अपनी लड़कियों को भेजना चाहते हैं।'

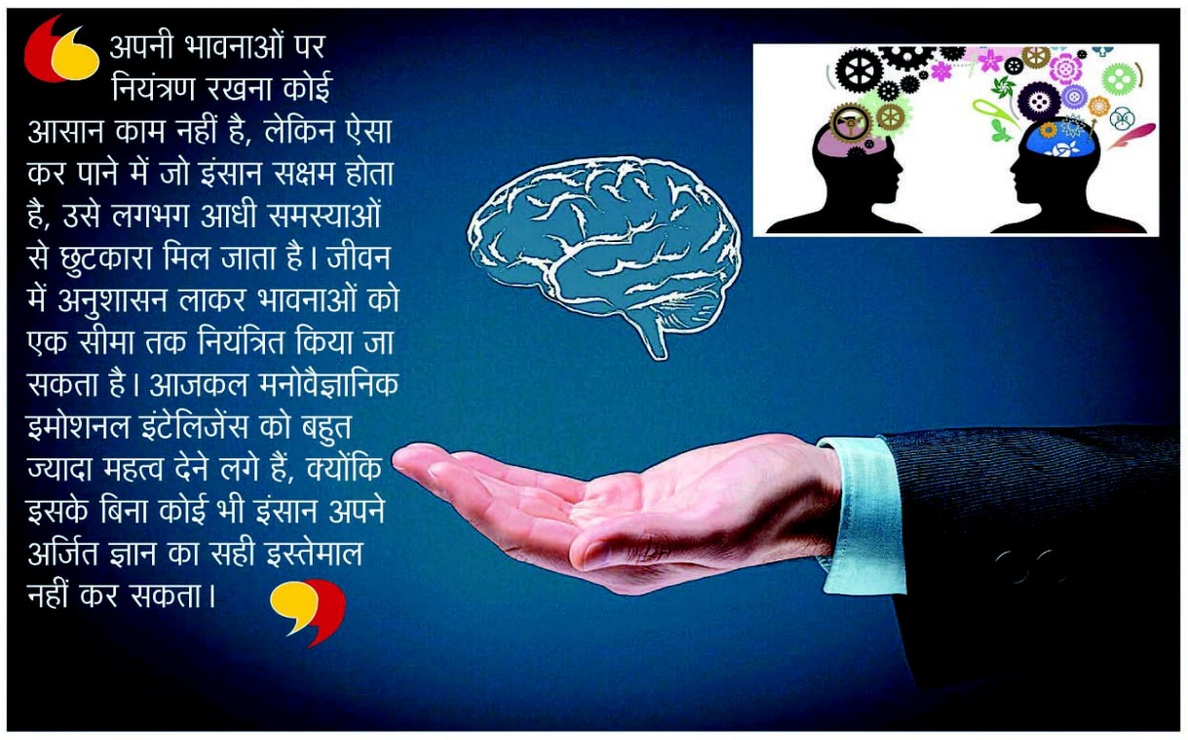

अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन ऐसा कर पाने में जो इंसान सक्षम होता है, उसे लगभग आधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। जीवन में अनुशासन लाकर भावनाओं को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। आजकल मनोवैज्ञानिक इमोशनल इंटेलिजेंस को बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, क्योंकि इसके बिना कोई भी इंसान अपने अर्जित ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता।

इमोशनल इंटेलिजेंस भी जरूरी...

आज की जटिल जीवन स्थितियों में खुशी और कामयाबी हासिल करने के लिए व्यक्ति का केवल मेहनती और बुद्धिमान होना ही काफी नहीं, बल्कि इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता भी बहुत जरूरी है। आपने यह अनुभव किया होगा कि एक ही जैसी स्थितियों में लोग अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।कुछ लोग छोटी-छोटी परेशानियों से हताश हो जाते हैं तो कुछ बेहद मुश्किल हालात में भी घबराने के बजाए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी समस्याओं का हल ढूंढने की कोशिश करते हैं। इसमें से दूसरी तरह के लोग भावनात्मक रूप से बुद्धिमान माने जाते हैं और वे जीवन के हर मोर्चे पर कामयाब होते हैं। आजकल मनोवैज्ञानिक भावनात्मक विवेक को बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, क्योंकि इसके बिना कोई भी इंसान अपने अर्जित ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता। भावनात्मक विवेक के सिद्धांत के प्रतिपादकों का ऐसा मानना है कि पारंपरिक रूप से जिसे हम आइक्यू कहते हैं, उसका क्षेत्र बहुत सीमित है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस का दायरा बहुत विस्तृत है।

क्या है इमोशनल इंटेलिजेंस

इमोशनल इंटेलिजेंस के अंतर्गत समस्त मानवीय व्यवहार समाहित हैं। जीवन में सफल होने के लिए केवल मेहनत करके तकनीकी कौशल सीखना और जानकारियां हासिल करना ही काफी नहीं, बल्कि इंसान को अपनी भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करना भी आना चाहिए। बौद्धिक रूप से कोई भी इंसान चाहे कितना ही सक्षम क्यों न हो लेकिन भावनात्मक परिपक्वता के अभाव में वह असफल हो सकता है।

अंतर्मन के आईने में

अपने व्यक्तित्व को अच्छी तरह समझना भी भावनात्मक विवेक का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि आप किन बातों से खुश होते हैं, कौन सी बातें आपको नापसंद हैं, अगर कभी आपका मूड खराब है तो आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस वजह से आपका मूड खराब है। किन बातों को लेकर आप चिंतित और परेशान होते हैं, आपके मन में किन बातों को लेकर असुरक्षा है, यह आपको स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए। जब कभी आप शांतिपूर्वक अकेले बैठे हों तो तटस्थ हो कर दूसरों की नजर से आत्मविश्लेषण करें। जब आप ईमानदारी के साथ अपने व्यक्तित्व का मूल्यांकन करेंगे, तभी आप अपनी भावनाओं को अच्छी तरह समझने में सक्षम होंगे। इससे अपने मनोभावों को नियंत्रित और संतुलित करना आपके लिए सहज होगा।

भावनात्मक अनुशासन

अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन ऐसा कर पाने में जो इंसान सक्षम होता है, उसे लगभग आधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। जीवन में अनुशासन लाकर भावनाओं को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। अगर आप अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढेंगे और जीवन के लिए यह दिशा-निर्देश तय करेंगे कि मन में नकारात्मक भावनाओं को आने नहीं देना है तो क्रोध, ईर्ष्या-द्वेष जैसी भावनाओं से काफी हद तक ऊपर उठ सकते हैं। अगर कोई क्रोध में आकर आपके साथ बुरा व्यवहार करता है तो उसकी प्रतिक्रिया में आपका नाराज होना उचित नहीं है। उस वक्त आप शांत रहें और बाद में जब उस व्यक्ति का गुस्सा शांत हो जाए तब आप उसे उसकी गलती का एहसास कराएं। कोई भी निर्णय लेते समय इंसान को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि भावावेश में आकर जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अकसर गलत साबित होता है।

भावनात्मक परिपक्वता

जब इंसान अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है तो वह स्वतः भावनात्मक परिपक्वता की ओर बढ़ने लगता है। जीवन में सफलता और सच्ची खुशी हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति का भावनात्मक रूप से परिपक्व होना बहुत जरूरी है। कोई भी इंसान भावनात्मक रूप से कितना परिपक्व होगा, यह इस बात पर निर्भर है कि वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के प्रति कितना सचेत है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों में आठ सम्यक सूत्रों का उल्लेख मिलता है, जिनके माध्यम से जीवन के हर क्षेत्र में संतुलित आचरण अपनाने की शिक्षा दी गई है। गौतम बुद्ध ने एक बार अपने शिष्यों से कहा था, तुम वीणा के तारों को इतना न कसो कि वे टूट जाएं और न ही इतना ढीला छोड़ों कि उनसे स्वर न निकले। कहने का अर्थ यह है कि भावनाओं की अभिव्यक्ति के मामले में हमेशा संतुलन होना चाहिए।

समझें दूसरों की भावनाएं

भावनात्मक रूप से संतुलित होने के लिए खुद को समझने के साथ दूसरों की भावनाओं को भी समझने और उनके अनुरूप व्यवहार करने की कोशिश करनी चाहिए। इमोशनली इंटेलिजेंट लोगों का सामाजिक व्यवहार हमेशा संतुलित होता है। दूसरों के व्यक्तित्व की खूबियों-खामियों को पहचानने और उनके मन की बातों को पढ़ पाने का गुर जीवन के हर क्षेत्र में आपके काम आता है। चाहे वह आपका व्यक्तिगत जीवन हो या सार्वजनिक। अगर आप दूसरों को समझते हैं तो यह आपके लिए भी अच्छा होगा। दूसरों की भावनाओं को बारीकी से समझ पाना भावनात्मक विवेक का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

मुश्किल का हल

दफ्तर में जो व्यक्ति अपने साथियों के व्यक्तित्व को समझने में सफल होता है, अगर कभी उसके सामने कोई मुश्किल आती है तो वह आसानी से उसका हल ढूंढ लेता है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में भी भावनात्मक रूप से संतुलित लोग अपने सभी संबंधों का निर्वाह अच्छी तरह कर पाते हैं। वे अपने जीवनसाथी, दोस्तों और रिश्तेदारों के व्यवहार को ध्यान से देखते हुए उनके व्यक्तित्व के सकारात्मक-नकारात्मक पक्षों को समझने की कोशिश करते हैं। लोगों के साथ उनका व्यवहार बेहद संयत होता है। उन्हें मालूम होता है कि अगर किसी से अपनी बात मनवानी भी है तो उसके सामने किस ढंग से पेश आना चाहिए। बच्चों की परवरिश के मामले में भावनात्मक संतुलन की भूमिका काफी अहम होती है।

व्यवहार कुशलता

समाज में लोगों के साथ व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर भी उसके भावनात्मक विवेक को आंका जाता है। भले ही किसी व्यक्ति से आपके वैचारिक मतभेद हों या किसी कारण से आप उसे नापसंद करते हों, लेकिन जब वह सामने मिले तो उसके साथ आपका व्यवहार हमेशा सहज और संतुलित होना चाहिए। जीवन के हर मोर्चे पर कामयाबी हासिल करने के लिए यह बहुत जरूरी है। अगर आप सचेत ढंग से इन सुझावों पर अमल करेंगे तो आपके लिए भावनात्मक संतुलन स्थापित करना आसान हो जाएगा।

संतुलन के कुछ सरल नियम

- **इमोशन मैनेजमेंट डायरी:** अपने लिए एक इमोशन मैनेजमेंट डायरी बनाएं, रोजाना रात को सोने से पहले उसमें दर्ज करें कि पूरे दिन में आपने कितनी बार और किन स्थितियों में नकारात्मक व्यवहार किया, ताकि अगली बार वैसी स्थिति में आप अपने व्यवहार में सुधार ला सकें।
- **यह आदत डालें:** समस्याओं से दुखी होने के बजाय उन्हें हल करने की आदत डालें।घर और बाहर दोनों जगहों पर लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाने और बिगडे हुए संबंध को सुधारने की कोशिश करें। अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति पर नियंत्रण रखें और सहनशक्ति को मजबूत बनाएं।
- **भावुक क्षणों में फैसला न लें:** भावुक क्षणों में कोई भी निर्णय न लें क्योंकि इसमें अकसर गलतियां हो जाती हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती बढाएं, जिनसे बातें करके आपको खुशी मिलती है। अच्छे सामाजिक संबंध भावनात्मक संतुलन बनाने में मददगार होते हैं।
- **असफलताएं हैं जीवन का हिस्सा:** करियर के क्षेत्र में मिलने वाली छोटी-छोटी असफलताओं को पहले से ही अपने जीवन का जरूरी हिस्सा मानकर चलें। अपनी नाकामी से निराश होने के बजाय यह संकल्प लें कि दोबारा आपके साथ ऐसा नहीं होगा। अगर आप छात्र हैं या करियर बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं तो अपनी क्षमताओं का सही मूल्यांकन करना सीखें।
- **अपनी क्षमताओं को जानें:** अपनी क्षमता के अनुरूप ही परिणाम की आशा रखें। अति महत्वाकांक्षा और उसके पूर्ण न होने की स्थिति में कोई भी व्यक्ति भावनात्मक रूप से असंतुलित हो जाता है। सीखने की कोई उम्र नहीं होती। अपने प्रोफेशन के संबंध में निरंतर नई जानकारियां हासिल करें और काम की नई तकनीकें सीखते रहें। इससे आप स्वयं को हमेशा युवा और ऊर्जावान महसूस करेंगे।
- **अपने ऊपर ध्यान दें:** अगर ऐसा लगता है कि वाकई आपका भावनात्मक संतुलन बिगड़ रहा है तो अपने ऊपर पूरा ध्यान दें। पर्याप्त नींद लें, योगाभ्यास और ध्यान करें।परिवार के साथ पूरा समय बिताएं। छुट्टियों में कहीं घूमने जाएं। हमेशा अच्छा सोचें। इससे जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे।

जानें किताब पढ़ने के फायदे...

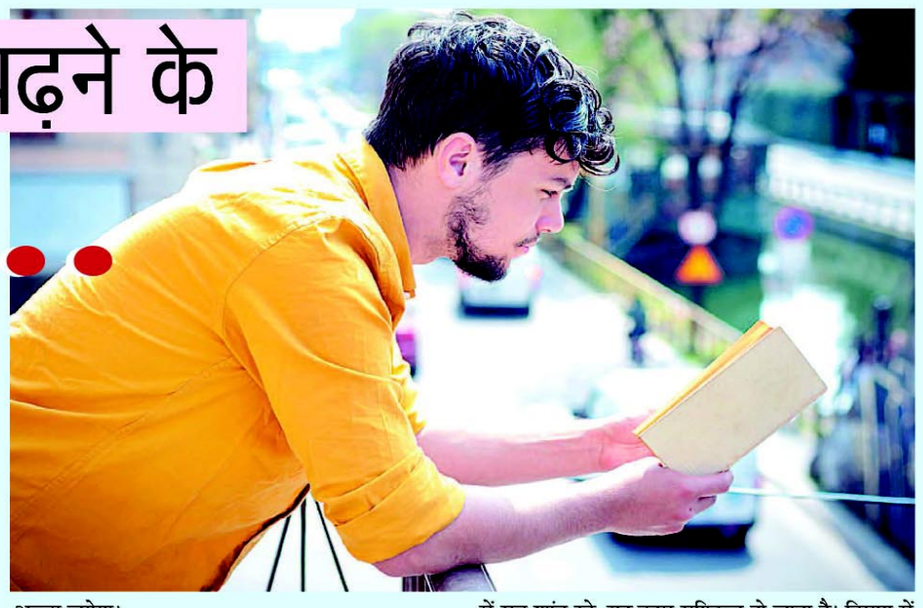

पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। अक्सर लोगों के पढ़ने के पीछे के प्रयोजनों में कोई काम या शौक होता है। लेकिन वास्तव में पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। हर दिन एक किताब के कुछ पन्नों को पढ़ने के साथ धीरे-धीरे इसे शुरू करें या फिर समाचार देखने के बजाय अखबार पढ़ें। जल्द ही आपको अहसास होगा कि आप फिल्में देखने के बजाए किताबें पढ़ने की अच्छी आदत के मालिक हो चुके हैं।

तनाव कम होता है

किताब पढ़ना आपके तनाव को कम करता है, क्योंकि यह एक तरह की शांतिपूर्ण गतिविधि होती है। यह ऐसी गतिविधि नहीं है, जो आपके विचारों को उत्तेजित करे। हां, किताब पढ़ने के दौरान यह जरूर देखें कि आप किस तरह की किताब पढ़ रहे हैं। याद रहे कि अवसाद और तनावग्रस्त होने पर हमेशा दिमाग को शांत करने वाली या फिर मन को हल्का करने वाली किताब ही पढ़ें, आपको अच्छा लगेगा।

अकेलापन दूर होता है

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि ये आपका अकेलापन दूर करती है। आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, किताब आपको कभी अकेला नहीं छोड़ेगी। किताब तनाव से दूर ले जाती है और उन विचारों से दूर ले जाती है, जो आपको परेशान करते हैं।

फालतू बातों पर लगाम

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि तनाव के दौरान तरह-तरह की फालतू बातें दिमाग में आती हैं। ऐसे में मन शांत रहे, यह काम मुश्किल हो जाता है। दिमाग में आई फालतू बातों पर लगाम लगाने का काम करती हैं किताबें। तनाव में किताब पढ़ने से दिमाग में मौजूद फालतू बातें बाहर निकल जाती हैं, क्योंकि आप एकाग्रचित्त हो कर किताब पढ़ रहे होते हैं।

सोचने की क्षमता का विकास

पढ़ना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आपको अपने शरीर को भी कष्ट नहीं पहुंचाना होता है। तनाव के दौरान यूं भी कुछ करने का मन नहीं करता। ऐसे में आप चुपचाप कहीं भी बैठ कर आराम से कोई किताब पढ़ सकते हैं। कई बार हम स्वकेंद्रित हो जाते हैं। कुछ नया नहीं सोच पाते हैं, सिर्फ और सिर्फ खुद के बारे में सोचने लगते हैं, पर किताब पढ़ने के दौरान आपके सामने कई सारी ऐसी बातें होती हैं, जो आप पर केंद्रित नहीं होती हैं। ऐसे में एक तरह से आपकी अन्य बातों को सोचने की क्षमता का विकास ही होता है।

मस्तिष्क का व्यायाम

पढ़ना एक प्रकार बेहतर तरीके से मस्तिष्क को उद्दीप्त करना करता है, जोकि टीवी देखने या रेडियो सुनने से कभी नहीं हो सकता। फिर भले ही आप कोई नया थ्रिलर पढ़ रहे हों या फिर अपने डीवीडी प्लेयर का अनुदेश मैनुअल, पढ़ने से आपका मस्तिष्क संलग्न रहता है और उसकी एक्सरसाइज होती है।

याददाश्त बढ़ती है

जो लोगो पढ़ाई करते रहते हैं उनकी याददाश्त तेज होती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग अधिक तेज होता है। इसके अलावा पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

दिमाग जवां रहता है

पढ़ने की आदत से इंसान का दिमाग हमेशा जवां रहता है। एक शोध के अनुसार, वे लोग जो रचनात्मक कामों जैसे पढ़ाई आदि में अधिक समय बिताते हैं, उनका दिमाग ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 32 प्रतिशत तक अधिक युवा बना रहता है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर उम्रदराज लोगों में होने वाला एक मानसिक रोग है, जिसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो दिमागी गतिविधियों जैसे, पढ़ाई, चेस खेलना, पजल हल करना आदि में व्यस्त रहते हैं।

फंकी लुक और पार्टी वेयर 'किमोनो' है ट्रैंड में

फैशन जगत में भी लुक ईस्ट पॉलिसी पर फोकस किया जा रहा है। जापानी गुड़िया पर सजने वाली चीजें अब दुनिया के हर कोने के साथ-साथ भारत में भी खासी पसंद की जा रही हैं। 'किमोनो' भी इनमें से एक है। जो बहुत ही ट्रेंडी हैं। इस ढीले-ढाले परिधान को किसी भी ड्रेस के ऊपर पहना जा सकता है। इसे मॉडर्न आउटफिट कम टेड्रिशनल कहा जा रहा है। बॉलीवुड हमेशा से ही ट्रेंड सेटर रहा है। दीपिका पादुकोण ने 'किमोनो' को भी काफी पापुलर बना दिया है। गल्सज् अपने आप को डिफरेंट और अट्रैक्टिव दिखाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए यूनिक और स्टाइलिश 'किमोनो' टॉप्स में हैं। ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। अब गर्ल्स भी 'किमोनो' टॉप्स में नजर आ रही हैं जो की उन्हें अट्रैक्टिव लुक दे रहा। ये लुक टीनेजर्स को बहुत लुभा रहा है। 'किमोनो' टॉप्स कलरफूल और सिम्पल लुक में भा रहे हैं। प्लेन और प्रिंटेड 'किमोनो' को जींस या पैंट्स के ऊपर पहन सकते हैं।

स्टाइलिश क्रेप व 'किमोनो' चलन में

कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के अलावा स्टाइलिश क्रेप और 'किमोनो' काफी चलन में है। नेट 'किमोनो' भी प्रचलित में है। मिनी स्कर्ट या शॉर्ट्स, फुल स्किनी ट्राउजर के साथ इसे कैरी कर सकते हैं और इसमें अटैच बेल्ट से इसे कमर में टाइट कर सकते हैं। ये बैक साइड से पूरा कवर होता है और सामने से हाफ ओपन होता है ताकि अंदर जो जीन्स और स्कर्ट पहना है वो नजर आ सके। ये गर्ल्स को स्टाइलिश लुक दे। जापानी 'किमोनो' का डिजाइनर आउटफिट्स काफी लड़कियों को लुभा रहा है जो स्लीवलेस कुर्ती और टी सर्ट के साथ कैरी किया जा रहा है।

फॉलो कर रही हैं

इस सीजन में सबसे ज्यादा चलन में है तो वो है 'किमोनो'। गर्ल्स ये ट्रेंड फॉलो कर रही हैं। यही नहीं इसमें भी नए-नए इन्नोवेशन देखने को मिल रहे हैं।

इसे जींस के साथ कैरी किया जा सकता है तो वहीं प्लाजो के साथ भी इसे पहना जा सकता है। कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के लिए भी इसे ट्राय कर सकते हैं। ये नया ट्रेंड है और कूल भी है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**